शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in | शनिवार 27 अप्रैल 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 19 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	43.6	29.6
जमशेदपुर	42.6	23.4
डालटनगंज	41.8	22.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* * *

मनमोहन के एक और वीडियो पर पीएम का तंज

मुसलमानों का पहला हक वाली बात बार-बार कही थी

मालदा। पीएम नरेंद्र मोदी ने डॉ. मनमोहन सिंह के संसाधनों पर हक वाले बयान को लेकर फिर कांग्रेस पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा, जब मैं कांग्रेस की ओर से सिर्फ मुसलमानों को प्राथमिकता देने की बात करता हूं, इंडी का भेदभावपूर्ण रवैया देश के सामने रखता हूं, तो कुछ लोग आग बबूला हो जाते हैं. वे लोग एक हफ्ते से मेरे बाल नोचने में लगे हैं. आज मैं इनको चुनौती देता हूं. पहले आप यह बात समझ लो, 25 साल हो गए और आपने मुझे डराने की बहुत कोशिश की, मगर नहीं डरा पाए हो. अब कोशिश बंद करो. झूठ फैलाया कि मनमोहन सिंह ने ऐसा नहीं कहा था. डॉ. मनमोहन सिंह का एक पुराना वीडियो फिर सामने आया है. इसमें वो यही कह रहे हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है. वीडियो सामने आने के बाद कांग्रेस मानो सांप सूंघ गया है. जो मीडिया पहले के बयान को गलत ठहरा रही थी, उसने भी चुप्पी साध ली है.

अखिलेश ने भाजपा से देश को चेताया

भ्रष्टाचारियों, अपराधियों को अपने गोदाम में रख लिया है

एटा (उप्र)। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा ने देश के सभी भ्रष्टाचारियों, अपराधियों और माफिया को अपने गोदाम में रख लिया है. अखिलेश ने कहा, भाजपा ने जो चंदा लिया वह चंदा नहीं है, बल्कि वसूली है और ये लोग चुनावी बॉण्ड पर बात नहीं करना चाहते. युवाओं से कहा कि भाजपा के लोगों ने नौकरी व रोजगार छीना, आपका (युवाओं का) एक-तिहाई जीवन भी बर्बाद कर दिया. नौकरी-रोजगार नहीं मिलने से युवाओं का भविष्य अंधकार में है, और उनकी शादी होने की संभावना भी कम नजर आ रही है. मोदी सरकार द्वारा पूंजीपतियों और उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ का कर्ज माफ करने का दावा करते हुए कहा कि चुनाव के बाद इंडिया के सत्ता में आने पर किसानों का पूरा कर्ज माफ कर देंगे. अग्निवीर योजना खत्म कर पुरानी व्यवस्था लागू की जाएगी.

राहुल गांधी बोले- पीएम भटका रहे देश को

डरे हुए हैं पीएम मोदी, मंच पर कभी भी आंसू बहा सकते हैं

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के बीजापुर में जनसभा को संबोधित किया. पीएम मोदी पर जम कर हल्ला बोला. उन्होंने कहा कि इन दिनों पीएम मोदी अपने भाषणों में घबराए हुए हैं. शायद अगले कुछ दिनों में स्टेज पर ही उनके आंसू निकल आएंगे. मोदी 24 घंटे जनता ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं. कभी पाकिस्तान-चीन की बातें करेंगे. किसी दिन वह आपसे कहेंगे कि थाली बजाओ. कभी मोबाइल की लाइट ऑन करो. जितना पैसा मोदी ने अरबपतियों को दिया है, उतना पैसा हम गरीबों को देने वाले हैं. मोदी जी ने 10 साल में 20-25 लोगों को अरबपति बनाया. एयरपोर्ट, पोर्ट, बिजली, खदान, सोलर-विंड पावर, डिफेंस सेक्टर, सब कुछ अडाणी और दूसरे अरबपतियों को दे, लेकिन गरीबों को कुछ नहीं दिया. हमारी सरकर करोड़ों युवाओं को प्राइवेट पब्लिक सेक्टर, सरकारी सर्विस में सरकार नौकरी देगी.

बीरभूमः भाजपा प्रत्याशी का पर्चा रद्द

फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती फिलहाल तत्काल सुनवाई नहीं

कोलकाता। बंगाल की बीरभूम सीट से भाजपा के देबाशीष धर का नामांकन चुनाव आयोग ने रद्द कर दिया. भाजपा प्रत्याशी ने अपने नामांकन के साथ एनओसी जमा नहीं किया था. जिसके चलते चुनाव आयोग ने पर्चा रद्द कर दिया. मामला कलकत्ता हाईकोर्ट पहुंचा, लेकिन वहां भी फैसले का समाधान नहीं हुआ. चीफ जस्टिस ने तत्काल सुनवाई की अर्जी खारिज कर दी. साल 2021 में हुए बंगाल विस चुनाव के बाद राज्य सरकार ने देबाशीष को सस्पेंड भी किया था. दरअसल 2021 में आईपीएस देबाशीष धर कूच बिहार के एसपी थे. उधर, देबाशीष धर का नामांकन रद्द होने के बाद भाजपा ने देबतनु भट्टाचार्य को अपना नया प्रत्याशी घोषित किया और भट्टाचार्य ने नामांकन भी कर दिया. भट्टाचार्य संघ से जुड़े पूर्व प्रचारक हैं. भट्टाचार्य ने कहा कि पार्टी जो भी कहेगी, वो करेंगे. बीरभूम लोकसभा सीट पर चौथे चरण में यानी कि 13 मई को मतदान होगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,900
चांदी (किलो)	85,000

ब्रीफ खबरें

गूगल ने भी बनाया मतदान का डूडल

नयी दिल्ली। गूगल ने लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण के अवसर पर शुक्रवार को अपने होमपेज पर रंगीन स्याही लगी उंगली का डूडल बनाया, जो संकेत देता है कि व्यक्ति ने मतदान कर दिया है. अमेरिकी कंपनी ने गूगल डूडल के पारंपरिक रूप में चुनाव का उत्सव मनाने के लिए बदलाव किया है और अपने नाम के ओ वर्ण के स्थान पर स्याही लगी तर्जनी की तस्वीर लगाई है. लोगों को दोबारा मतदान करने से रोकने के लिए आम तौर पर नहीं मिटने वाली बैंगनी स्याही मतदाता के बाएं हाथ की तर्जनी पर लगाई जाती है.

पांचवें चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू

नयी दिल्ली। देश में 20 मई को 49 ससंदीय सीटों पर लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए नामांकन प्रक्रिया शुक्रवार को शुरू हो गयी. निर्वाचन आयोग ने अधिसूचना जारी कर दी है. आठ राज्यों और केंद्र शासित जम्मू कश्मीर व लद्दाख, बिहार, झारखंड, महाराष्ट्र, ओडिशा, यूपी और बंगाल की 49 सीटों पर मतदान होगा. तीन मई नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख है जबकि चार मई को नामांकन पत्रों की छंटनी की जाएगी. उम्मीदवार छह मई तक अपना नाम वापस ले सकते हैं.

बृजभूषण शरण सिंह की याचिका खारिज

नयी दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने यौन उत्पीड़न मामले की आगे की जांच के अनुरोध संबंधी भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख एवं भाजपा के सांसद बृजभूषण शरण सिंह की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी. छह महिला पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज कराया था.अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट प्रियंका राजपूत ने याचिका को खारिज करते हुए मामले में सिंह के खिलाफ आरोप तय करने के बारे में आदेश के लिए सात मई की तिथि तय की.

कोर्ट के बड़े फैसले

झारखंड हाईकोर्ट का सिपाहियों की भर्ती पर फैसला

6800 कांस्टेबल की नियुक्तियां वैध हैं

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

- नियुक्ति को चुनौती देने वाली सभी याचिकाएं खारिज
- हाईकोर्ट ने 15 मार्च को सुनवाई के बाद सुरक्षित रखा था फैसला

झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में 6800 कांस्टेबलों की नियुक्ति को वैध ठहराते हुए इसे चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है. नियुक्ति को चुनौती देते हुए सुनील टुडू एवं अन्य ने 65 याचिकाएं दायर की थीं, जिनपर एक साथ सुनवाई चल रही थी. एक्टिंग चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली पीठ ने शुक्रवार को फैसला सुनाया. कोर्ट ने याचिकाओं पर सभी पक्षों की बहस और सुनवाई बीते 15 मार्च को पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था.

इस फैसले से उन लोगों को बड़ी राहत मिली है जिनकी नियुक्ति 2015 में हुई थी. बता दें कि राज्य के 6800 सिपाहियों की नियुक्तियों को रिट संख्या 04/2015 के माध्यम से सुनील टुडू एवं 65 अन्य ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. पूर्व में सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने विज्ञापन संख्या 04/2015 के तहत नियुक्त सिपाहियों को नोटिस जारी करने का निर्देश दिया था. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि सिपाही के पद पर नियुक्त किये गये 6800 सिपाहियों को व्यक्तिगत रूप से लिखित में सूचित किया जाए कि मामले के अंतिम आदेश से आपकी नियुक्ति प्रभावित होगी.

याचिका में दी गई ये दलीलें : कांस्टेबलों की नियुक्ति के लिए 2015 में विज्ञापन निकल था और 2018 में नियुक्ति प्रक्रिया पूरी हुई थी. याचिका कर्ताओं का कहना था कि सरकार की ओर से जिस नियमावली में नियुक्ति की गई है, वह पुलिस मैन्युअल के विपरीत है. नियमावली में न्यूनतम क्वालिफाइंग मार्क्स की शर्त लगाना भी गलत है.

आदेश से नियुक्ति प्रक्रिया होगी प्रभावित : हाईकोर्ट ने पूर्व में इन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कहा था उसके अंतिम आदेश से नियुक्ति प्रक्रिया प्रभावित होगी. इसे लेकर नियुक्त कांस्टेबलों को नोटिस जारी किया गया था और उन्हें पक्ष रखने का मौका दिया गया था. इधर राज्य सरकार ने सुनवाई के दौरान अपना पक्ष रखते हुए कहा था कि उसे यह अधिकार है कि नियमावली में बदलाव करते हुए रूल फ्रेम कर सके.

सुप्रीम कोर्ट में हेमंत सोरेन का मामला सूचीबद्ध, 29 को सुनवाई

रांची/दिल्ली। राज्य के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की याचिका सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध हो गयी है. उसकी वेबसाइट के मुताबिक 29 अप्रैल को कोर्ट इस मामले को सुन सकती है. जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की कोर्ट में यह मामला सूचीबद्ध हुआ है. दरअसल सोरेन ने अपने वकील के माध्यम से शीर्ष अदालत में क्रिमिनल एसएलपी दाखिल की है.

हाईकोर्ट ने 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था : हेमंत ने अपनी याचिका में कोर्ट से गुहार लगाई है कि उनकी याचिका पर सुनवाई करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने 28 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था. फैसला सुरक्षित रखने के बाद करीब 55 दिन बीत जाने के बाद भी हाईकोर्ट ने अपना फैसला नहीं सुनाया है.

ट्रायल कोर्ट में भी 1 को सुनवाईः पूर्व सीएम ने जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया है. जिसपर एक मई को सुनवाई होनी है. हेमंत और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा कारागार में न्यायिक हिरासत में हैं. बता दें कि हेमंत 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार किया गया था. वहीं इसी केस में अफसर अली, अंतू तिर्की, प्रियरंजन, विपिन सिंह और इरशाद की भी गिरफ्तारी हो चुकी है.

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश-

सहायक शिक्षक नियुक्ति का रिजल्ट बिना अनुमति के जारी ना करे सरकार

रांची/दिल्ली। झारखंड टेट पास अभ्यर्थियों की ओर से सहायक शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में सीटेट पास और झारखंड के पड़ोसी राज्य से टेट परीक्षा पास अभ्यर्थियों को शामिल करने की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की.

सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार और जेएसएससी को यह निर्देश दिया है कि सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बिना सहायक शिक्षक (आचार्य) नियुक्ति का रिजल्ट प्रकाशित नहीं किया जाए. क्योंकि फिलहाल यह मामला सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए लंबित है. सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस संजय करोल की खंडपीठ ने इस मामले में सुनवाई की. अब सुप्रीम कोर्ट इस मामले में जुलाई माह के पहले सप्ताह में सुनवाई करेगा. बता दें कि सहायक आचार्य की नियुक्ति के लिए हिंदी विषय के लिए परीक्षा शनिवार से शुरू हो रही है. दरअसल पिछले दिनों झारखंड हाईकोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि राज्य में 26000 सहायक शिक्षकों (आचार्य) की नियुक्ति के लिए चल रही प्रक्रिया में दूसरे राज्य के टेट पास अभ्यर्थी या सीटेट पास अभ्यर्थी भी शामिल हो सकते हैं.

सुप्रीम कोर्ट बोला- सिस्टम में दखल से बेवजह शक पैदा होगा

बैलेट से नहीं, ईवीएम से ही होंगे देश में चुनाव

एजेंसी। नयी दिल्ली

बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग सुप्रीम कोर्ट ने की खारिज, वीपीपैट स्लिप का भी 100% नहीं होगा ईवीएम से मिलान

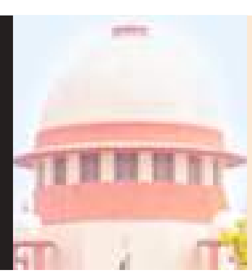

- उम्मीदवार चाहे तो रिजल्ट के सात दिन के भीतर जांच की मांग कर सकता है
- शीर्ष कोर्ट ने कहा- माइक्रो कंट्रोलर की मेमोरी की जांच इंजीनियर करेगा

देश में चुनाव ईवीएम से ही होंगे, बैलेट पेपर से नहीं. इसके अलावा ईवीएम से वीवीपैट स्लिप की 100% क्रॉस-चेकिंग भी नहीं होगी. सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इन मामलों से जुड़ी सभी याचिकाएं खारिज कर दीं. जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता ने कहा कि हमने प्रोटोकॉल, तकनीकी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की है. इसके बाद एक मत से फैसला दिया है. जस्टिस दत्ता ने कहा कि किसी सिस्टम पर आंख मूंदकर संदेह करना सही नहीं है. इसलिए सार्थक आलोचना की जरूरत है, चाहे वह न्यायपालिका हो, विधायिका हो. लोकतंत्र का अर्थ सभी स्तंभों के बीच सद्भाव- विश्वास बनाए रखना है. इसी से हम लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं. हालांकि, कोर्ट ने आयोग को वीवीपैट की गिनती में मशीन की मदद लेने की संभावना तलाशने का सुझाव दिया है.

24 अप्रैल को कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था : इससे पहले 24 अप्रैल को 40 मिनट की सुनवाई के बाद बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था. जस्टिस खन्ना ने कहा था कि हम मेरिट पर दोबारा सुनवाई नहीं कर रहे हैं. हम कुछ निश्चित स्पष्टीकरण चाहते हैं. हमारे कुछ सवाल थे और हमें जवाब मिल गए हैं. फैसला सुरक्षित रख रहे हैं.

कोर्ट ने पूछा था- क्या वोटर्स को वीवीपैट पर्ची नहीं दी जा सकती : इससे पहले 18 अप्रैल को जस्टिस खन्ना और जस्टिस दत्ता की बेंच ने 5 घंटे वकीलों और चुनाव आयोग की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा था. पिछली सुनवाई में कोर्ट ने आयोग से पूछा था कि क्या वोटिंग के बाद वोटर्स को वीवीपैट से निकली पर्ची नहीं दी जा सकती है. इस पर चुनाव आयोग ने कहा था वोटर्स को वीवीपैट स्लिप देने में बहुत बड़ा रिस्क है. इससे वोट की गोपनीयता से समझौता होगा और बूथ के बाहर इसका दुरूपयोग किया जा सकता है. इसका इस्तेमाल दूसरे लोग कैसे कर सकते हैं, हम नहीं कह सकते.

अलबत्ता सुप्रीम कोर्ट ने दिये दो निर्देश

1. सिंबल लोडिंग प्रक्रिया के पूरा होने के बाद सिंबल लोडिंग यूनिट को सील कर दिया जाए. सील की गई सिंबल लोडिंग यूनिट को 45 दिन के लिए स्टोर किया जाए.
2. रिजल्ट आने के बाद अगर दूसरे या तीसरे नंबर पर आए किसी कैंडिडेट को आपत्ति है, तो वह 7 दिन के भीतर शिकायत करे. ईवीएम के भीतर माइक्रोकंट्रोलर की मेमोरी की जांच इंजीनियर्स की टीम करेगी. इस शिकायत के बाद वेरिफिकेशन की प्रोसेस का खर्च कैंडिडेट ही उठाएगा. अगर जांच में पता चलता है कि ईवीएम से छेड़छाड़ की गई है, तो जो खर्च कैंडिडेट ने किया है, उसे वापस कर दिया जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को भी दिये दो निर्देश

1. इलेक्ट्रॉनिक मशीन से पेपर स्लिप की गिनती के सुझाव का परीक्षण कीजिए.
2. देखिए कि क्या चुनाव निशान के अलावा हर पार्टी के लिए बारकोड भी हो सकता है.

अगस्त 2023 में लगाई गई थी याचिका

वीवीपैट पर्चियों की 100% वेरिफिकेशन को लेकर एक्टिविस्ट अरुण कुमार अग्रवाल ने अगस्त 2023 में याचिका लगाई गई थी। याचिका में कहा गया कि वोटर्स को वीवीपैट की पर्ची फिजिकली वेरिफाई करने का मौका दिया जाना चाहिए. वोटर्स को खुद बैलट बॉक्स में पर्ची डालने की सुविधा मिलनी चाहिए. इससे चुनाव में गड़बड़ी की आशंका खत्म हो जाएगी. इस केस में याचिकाकर्ताओं की तरफ से एडवोकेट प्रशांत भूषण, गोपाल शंकरनारायण और संजय हेगड़े पैरवी कर रहे थे.

कोर्ट का फैसला विपक्ष के चेहरे पर तमाचा : मोदी

इस फैसले से विपक्ष के चेहरे पर करारा तमाचा लगा है. अब मुंह ऊंचा करके देख नहीं पाएंगे. लोकतंत्र के लिए शुभ दिन, विजय का दिन. पुराना दौर वापस नहीं लौटेगा. इंडिया गठबंधन को देश से माफी मांगनी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने कुछ लोगों के सपने को चकनाचूर कर दिया. इन्होंने ईवीएम को बदनाम करने की कोशिश की. ये लोग निजी स्वार्थ के लिए ईवीएम को बदनाम करने में लगे थे.

वीवीपैट के मिलान पर जारी रहेगा अभियानः कांग्रेस

सुप्रीम कोर्ट ने वीवीपैट पर जिन याचिकाओं को खारिज किया है उनमें कांग्रेस किसी भी तरह से पक्षकार नहीं थी और हम चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए वीवीपैट के उपयोग पर अभियान जारी रखेंगे. हमने दो जजों की पीठ के फैसले पर विचार किया है और चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए वीवीपैट के अधिक से अधिक उपयोग पर हमारा राजनीतिक अभियान जारी रहेगा.

निराशा, जाति व लोकल ईश्यू से वोट कम तो नहीं!

सुरजीत सिंह

जैसी की खबरें आ रही हैं, पहले चरण के मतदान की तरह ही दूसरे चरण के मतदान में भी वर्ष 2019 के मुकाबले कम वोट पड़े हैं. सही आंकड़ा तो शनिवार को मिलेगा, लेकिन अब तक 2019 के मुकाबले करीब 10 प्रतिशत कम मतदान हुए हैं. 2019 में इन्हीं सीटों पर 70.09 फीसदी मतदान हुआ था, जो इस बार घट कर करीब 61 फीसदी हो गया है. चुनाव आयोग की तमाम कोशिशों के बावजूद कम मतदान का होना काफी निराशाजनक है. दिलचस्प बात यह है कि दूसरे चरण में पहले चरण के मुकाबले भी पांच फीसदी मतदान की खबर सामने आई है. मतदान कम होना विपक्ष के लिए चिंता की बात मानी जाती रही है. लेकिन इस चुनाव में पहले चरण में करीब नौ प्रतिशत कम वोटिंग होने के बाद सत्तारूढ़ भाजपा परेशान दिखी. दूसरे चरण में कम वोटिंग होने के बाद उसकी परेशानी और बढ़ने वाली है. संभव यह भी है कि विपक्ष यह समझ रहा हो कि उसके लिए अच्छी स्थिति बन रही है और सच्चाई अलग हो. ऐसे में भाजपा चिंतित होकर और ज्यादा कोशिश करेगी. उसे आगे के चरणों में और फायदा होगा. दूसरी तरफ विपक्ष अपने फायदे की बात सोच कर निष्क्रिय होगा और उसे नुकसान होगा. मतदान कम होना चुनाव आयोग की भी बड़ी विफलता है.

राजनीतिक दलों के नेता यह जरूर बयान दे रहे हैं कि तेज गर्मी के कारण वोटिंग कम हो रहा है. अलग-अलग तरह के बहाने बता रहे हैं. मीडिया रिपोर्ट्स में जो बातें सामने आ रही हैं, उनमें वोटिंग प्रतिशत कम होने की **तीन-चार प्रमुख वजहें बतायी जा रही हैं.**

- **पहली - निराशा का भाव :** वोटरों में निराशा का भाव है. वर्ष 2019 के मुकाबले इस बार स्पष्ट निर्णय लेने में कंफ्यूज हो रहे हैं. यह जरूर है कि कुछ वोटर यह बता रहे हैं कि विकल्प क्या है. लेकिन इस बार उनकी मनोदशा निराशा भरी है. उनके चेहरे का भाव बता रहा है कि वह बेहद तकलीफदेह हालात में जी रहे हैं. उनके लिए हालात अच्छे नहीं हैं. हालांकि इस बार "विकल्प ही क्या है" कहने वालों की संख्या में बड़ी कमी देखी जा रही है.
- **दूसरी - जाति बना मुद्दा :** वर्ष 2014 के चुनाव में भ्रष्टाचार व विकास मुद्दा था. वर्ष 2019 के चुनाव में विकास के साथ पुलवामा हमला बड़ा मुद्दा बन गया था. इस बार स्थिति थोड़ी अलग दिख रही है. सत्तारूढ़ दल भाजपा की लाख कोशिशों के बाद भी विपक्ष जाति के मुद्दे को लोगों तक पहुंचाने और उन्हें इस मुद्दे पर सोचने के लिए मजबूर कर दिया है. जाति जनगणना और गरीब का और गरीब होते जाना व अमीरों की अमीरी का बढ़ते जाना वोटरों के जेहन में है. इलेक्टोरल बॉण्ड के खुलासों घपले-घोटालों के आरोपियों को भाजपा में शामिल होने की लंबी सूची के कारण भ्रष्टाचार मुद्दा नहीं बन पाया है.
- **तीसरी- स्थानीय ईश्यू :** पिछले दोनों लोकसभा चुनावों में स्थानीय मुद्दों की कोई चर्चा कहीं नहीं थी. लेकिन इस बार स्थिति अलग है. लोगों के सामने तेजी से बढ़ती महंगाई, कम होती कमाई, नौकरियों का ना होना, घर-घर में बेरोजगारी बढ़ना और स्थानीय समस्याओं की चर्चा हो रही है. बचत का खत्म होना भी एक बड़ा मुद्दा है. गैस व पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर लोग बोल तो नहीं रहे हैं, पर भीतर ही भीतर टीस जरूर है. इस स्थिति ने भी चुनावों के प्रति वोटरों की सक्रियता पर ग्रहण लगाने का काम किया है. लंबे समय के सपने (1947 तक विकसित देश) जैसी बातें उन्हें मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंचाने में नाकामयाब रहीं.
- **चौथी - कार्यकर्ता निष्क्रिय :** यह सबसे बड़ी वजह भी हो सकती है और बड़ा सवाल भी. क्या पक्ष-विपक्ष के कार्यकर्ता निराश हो गए हैं. निष्क्रिय हैं. उत्साह नहीं बचा है. पहले की तरह वोटरों के घरों तक नहीं पहुंच रहे हैं. अगर ऐसा है तो पार्टियों को इस बारे में सोचना होगा कि उनके कार्यकर्ता निराश क्यों हो रहे हैं. एक वजह तो यह भी है कि महंगाई-बेरोजगारी का सामना वह भी कर रहे हैं. इस कारण 10-20 दिनों का चुनावी रोजगार भी उन्हें आकर्षित नहीं कर पा रहा. वह भी तो अपनी रोजी-रोटी के लिए परेशान हैं.

दूसरे चरण में 61% मतदान

त्रिपुरा में सबसे ज्यादा, यूपी में सबसे कम वोट

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 सीट पर शुक्रवार को मतदान खत्म हो गया. दूसरे चरण में केरल की वायनाड लोकसभा सीट भी शामिल है, जहां से कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार दूसरी बार चुनाव मैदान में हैं. केरल की सभी 20 सीट के अलावा कर्नाटक की 28 में से 14 सीट, राजस्थान की 13 सीट, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश की 8-8 सीट, मध्य प्रदेश की 6 सीट, असम व बिहार की 5-5 सीट, छत्तीसगढ़ व पश्चिम बंगाल की 3-3 सीट और मणिपुर, त्रिपुरा व जम्मू-कश्मीर में 1-1 सीट पर शुक्रवार को मतदान पूरा हुआ. वैसे तो दूसरे चरण में 89 सीट पर मतदान होना था, लेकिन मध्य प्रदेश की बैतूल सीट पर बसपा के एक प्रत्याशी के निधन के बाद अब तीसरे चरण में मतदान होगा. जम्मू-कश्मीर में 1 सीट पर मतदान पूरा हुआ. जिन सीटों पर इस चरण में मतदान हुआ, उनमें 52 सीटें भाजपा के पास हैं, वहीं कांग्रेस के पास 22 सीटें हैं.

कहां कितना मतदान

असम	70 .68%
बिहार	58 .58%
छत्तीसगढ़	72 .51%
जम्मू-कश्मीर	67 .22%
कर्नाटक	64 .57%
केरल	65 .04%
मध्य प्रदेश	55 .32%
महाराष्ट्र	53 .71%
मणिपुर	77 .18%
राजस्थान	60 .06%
त्रिपुरा	77 .97%
उत्तर प्रदेश	53 .34%
पश्चिम बंगाल	71 .84%

-शेष पेज 7 पर

लव जिहाद के बाद अब झारखंड में लैंड जिहाद : प्रतुल शाहदेव

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि झारखंड में लव जिहाद के बाद लैंड जिहाद शुरू हो गया है. रांची में भाजपा के मीडिया सेंटर में मीडिया से बात करते हुए प्रतुल ने कहा कि गैंग्स ऑफ वासेपुर की तर्ज पर गैंग्स ऑफ छोटानागपुर काम कर रहा है, जो पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो के कई बड़े नेताओं को जमीन कब्जा करने के लिए कागजात बनाने में मदद करता था. कहा कि हेमंत सोरेन की कब्जे वाली 8.86 एकड़ की बेनामी जमीन पर कब्जे में जिन लोगों पर कागजात के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा, उनमें प्रमुख है इरशाद, अफसर अली, इम्तियाज, सद्दाम, ताल्हा और फैयाज. प्रतुल ने कहा कि वे जानना चाहते हैं कि क्या यह बात सही है कि रात के 8 बजे के बाद इस गैंग के सदस्यों को मुख्यमंत्री आवास में एंट्री की खुली छूट थी और उस समय सीसीटीवी कैमरा भी ऑफ कर दिया जाता था.

लैंड जिहादियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त

प्रतुल ने कहा लैंड जिहादी गैंग ने जगन्नाथपुर के कचनार टोली की बेशकीमती जमीन पर भी कब्जा कर लिया. इसमें भी गठबंधन से जुड़े जाकिर का नाम आया. जाकिर के साथ मुबारक खान, शमीम खान, इकबाल, नासिर इकराम, अब्दुल, सलीम, राशिद ,हुसैन, मंजूर और अनवर को भी अभियुक्त बनाया गया है. कहा कि जिस तरीके से हेमंत सोरेन पार्ट वन और पार्ट 2 में सेना और सरकार की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश हो रही है, उससे साफ दिख रहा है कि इनको कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है.

अंतु तिर्की की डायरी खोल सकती है कई राज

प्रतुल ने कहा कि प्रेम प्रकाश, अमित अग्रवाल, पंकज मिश्रा के बाद अब अंतु तिर्की का नए घोटालेबाज के रूप में पदार्पण हुआ है. अंत की डायरी की एंट्री ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी संरक्षण में जमीन के लूट का खेल चल रहा था. उन्होंने कहा कि जानकारी मिल रही है कि अंतु तिर्की की डायरी में झामुमो के कई बड़े नेताओं से लेन-देन की बात भी निकली है. यह कैसा संयोग है कि हेमंत सोरेन ने जिस 8 .86 एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा किया था, उसी खाता और खेसरा की बगल वाली जमीन पर अंतु तिर्की ने भी कब्जा कर रखा था. यह सुनियोजित लूट का एक बड़ा हिस्सा है.

बागी बने 'इंडिया' के लिए सिरदर्द

करीब-करीब हर सीट पर खड़े हो रहे कांग्रेस और झामुमो के बागी प्रत्याशी, बिगाड़ेंगे गठबंधन का गणित

- राजमहल से झामुमो प्रत्याशी के खिलाफ पार्टी के ही सीनियर लीडर लोबिन हेम्ब्रम चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके है

प्रवीण कुमार। रांची

राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर भाजपा और उसकी सहयोगी आजसू पार्टी को मात देने के इंडिया गठबंधन (कांग्रेस,झामुमो, राजद, माले) के दावों को कमजोर करने में उसके अपने ही गठबंधन के नेता ही लगे हैं. अब तक चार लोकसभा सीटो से झामुमो के चार बड़े नेता चुनाव लड़ने के मैदान में उतर चुके हैं या घोषणा कर रहे है. इनमें चमरा लिंडा लोहरदगा से और बंसत कुमार लोंगा खूंटी लोकसभा से नामांकन भी कर चुके है वहीं कोडरमा लोकसभा सीट से झामुमो नेता प्रणव वर्मा निर्दलीय चुनाव लड़ने का मूड बना लिये हैं, तो राजमहल से झामुमो कैंडिडेट के खिलाफ पार्टी के ही सीनियर लीडर लोबिन हेम्ब्रम चुनाव लड़ने की घोषणा कर चुके है. इसके अलावा पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव में कूदे नेताओं को लेकर झामुमो का कहना है ये उनका व्यक्तिगत फैसला है. इससे पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है.

धनबाद, चतरा, गोड्डा में भीतरघात की भी बनी हुई है आशंका : इंडिया गठबंधन को लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ-साथ दो अन्य प्रतिद्वंद्वियों से भी जूझना होगा. एक तरफ चमरा लिंडा, लोबिन हेम्ब्रम सहित कई ऐसे नेता हैं, जो पर्दे के पीछे से गठबंधन कैंडिडेट का विरोध कर रहे हैं. इसी वजह से गोड्डा लोकसभा सीट से कांग्रेस ने दीपिका पांडेय सिंह को चुनाव में उतारा था. विरोध के बाद दीपिका को बदल कर प्रदीप यादव को चुनाव में उतारा गया. कुछ इसी तरह का मामला धनबाद, चतरा सीट पर भी आने वाले दिन देखनो को मिल सकता है. धनबाद में कही कांग्रेस के पुराने नेताओं की भीतरघात करने की संभावना से स्थानीय जानकार इनकार नहीं करते हैं. चतरा में राजद नेता और कार्यकर्ता की भी पलटी मारने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता.

कांग्रेस की हार का कारण बने चमरा को 2009 और 2014 में मिले वोट

1. **2009** के चुनाव परिणाम की बात करें, तो पहले स्थान पर भारतीय जनता पार्टी के सुदर्शन भगत रहे थे, जिन्हें 144628 वोट मिले थे. दूसरे स्थान पर निर्दलीय प्रत्याशी चमरा लिंडा थे. जिन्हें 136345 वोट मिले थे. वहीं कांग्रेस पार्टी के डॉ. रामेश्वर उरांव तीसरे स्थान पर चले गए थे. उन्हें 129622 वोट मिले थे.

2. **2014** के चुनाव में भाजपा के सुदर्शन भगत पहले स्थान पर रहे थे. सुदर्शन भगत को 226666 वोट मिले थे. दूसरे स्थान पर कांग्रेस के डॉ. रामेश्वर उरांव को 220177 वोट मिले थे. वहीं तीसरे स्थान पर रहे ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाले चमरा लिंडा को 118355 वोट मिले थे.

लोहरदगा में चमरा लिंडा की इंट्री से कांग्रेस पार्टी की बढ़ी बेचैनी

झामुमो विधायक चमरा लिंडा ने लोहरदगा से नामांकन करके कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा की भी बेचैनी बढ़ा दी है. चमरा लिंडा का इलाके के सरना वोटरो में गहरी पैठ से भाजपा बेचैन है, तो कांग्रेस लोहरदगा में वोटों के बिखराव को लेकर परेशान है.

राजनीतिक गलियारे में मांडर के पूर्व विधायक सह प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की से चमरा लिंडा के बेहतर संबंधों की भी चर्चा जोरो पर है. 2004 के लोकसभा चुनाव में चमरा लिंडा तीसरे स्थान पर रहे थे. उन्हें निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 58947 वोट मिले थे.

गोड्डा, धनबाद, लोहरदगा, पलामू व चतरा में कांग्रेस को अपनों से ही मिल रही चुनौती

सब जगह बगावत, निर्दलीय मैदान में कूद रहे बागी

समीर चक्रवर्ती। रांची

- **चतरा में पार्टी और गठबंधन का एक तबका केएन त्रिपाठी के विरोध में**
- धनबाद से अनुपमा सिंह का भी पार्टी का एक गुट ने शुरू किया विरोध
- **गोड्डा में प्रदीप यादव को भी उम्मीदवार बनाए जाने विरोध शुरू हो गगा**
- लोहरदगा में सुखदेव भगत को जेएमएम विधायक चमरा लिंडा से खतरा
- **पलामू में कांग्रेस के गणेश रवि ने नामांकन कर अपना विरोध दर्ज कराया**

राज्य के पांच लोकसभा सीटों पर कांग्रेस को अपने ही लोगों से चुनौती मिल रही है. इन सीटों पर अपने विरोधी दलों के साथ मुकाबले से पहले घर के लोगों के बगावत और भितरघात की चिंता से पार्टी प्रत्याशी परेशान है. झारखंड में इंडी गंठबंधन को पहले सीट बंटबारे उसके बाद प्रत्याशियों के चयन में काफी समय लग गया. फिर एक बार प्रत्यायी बदलने में भी विरोध और प्रतिरोध से दो चार होना पड़ा. इनमें से चार सीटों चतरा, गोड्डा, धनबाद और लोहरदगा में उम्मीदवारी घोषित किए जाने के बाद सामने आ रही प्रतिकूल सूचना की वजह से कांग्रेस नेतृत्व चिंतित है.वहीं गुरुवार को कांग्रेस के जिला महासचिव गणेश रवि ने निर्दलीय प्रत्याशी के रुप में नामांकन कर अपना विरोध दर्ज करा दिया.वे पलामू लोक सभा सीट पर काफी समय से चुनाव लड़ने की जुगत में थे. उधर इनके नामांकन पर पलामू के जिलाध्यक्ष् से पूछने पर कहा कि पार्टी के किसी पद पर नहीं है. गोड्डा सीट पर तो पार्टी को उम्मीदवार बदलना पड़ा है. खबर है कि चतरा सीट पर भी गठबंधन से बगावत की तेज लहर की वजह से घोषित प्रत्याशी का नाम वापस लेकर उसकी जगह दूसरा चेहरा देने पर गंभीरता से विचार चल रहा है. दरअसल, केएन त्रिपाठी मेदिनीनगर के रहने वाले हैं. इस सीट पर राजद की भी प्रबल दावेदारी थी, लेकिन कांग्रेस ने यहां अपना उम्मीदवार उतार दिया. वहीं पलामू सीट पर कांग्रेस के गणेश रवि भी लोकसभा के टिकट के लिए प्रयासरत थे. ये सीट गंठबंधन में राजद को दिया गया. गणेश रवि कांग्रेस में लातेहार विधानसभा प्रभारी और जिला महासचिव पद पर रहे.वहीं काग्रेस अनुसूचित सेल के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर थे. गोड्डा सीट पर कांग्रेस ने पहले महगामा की विधायक दीपिका पांडेय सिंह को प्रत्याशी बनाया था. उनकी उम्मीदवारी घोषित होते ही देवघर और गोड्डा में पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध दर्ज कराया. आखिरकार पांच दिन बाद पार्टी ने यहां दीपिका की जगह पोड़ैयाहाट के विधायक प्रदीप यादव को प्रत्याशी घोषित कर दिया. वहीं कांग्रेस के जामताड़ा क्षेत्र के विधायक डॉ. इरफान अंसारी इस सीट पर अपने पिता फुरकान अंसारी को टिकट देने की मांग कर रहे थे. फुरकान अंसारी और इरफान अंसारी का कहना है कि पार्टी ने पूरे राज्य में एक भी मुसलमान को उम्मीदवार नहीं बनाया, जबकि उनकी आबादी 18 फीसदी है. ऐसे में प्रदीप यादव के सामने दो विधायकों दीपिका पांडेय सिंह एवं इरफान अंसारी और उनके समर्थकों को साथ लेकर चलने की बड़ी चुनौती है.

धनबाद सीट पर कांग्रेस ने दिग्गजों की दावेदारी को दरकिनार कर अनुपमा सिंह को टिकट थमाया है. उनका इस चुनाव के पहले सक्रिय राजनीति से वास्ता नहीं रहा. उनकी सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बोकारो जिले के बेरमो से कांग्रेस की विधायक जयमंगल सिंह सिर्फ अनूप सिंह की पत्नी हैं. बोकारो और धनबाद में पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं का एक समूह उनकी उम्मीदवारी का विरोध कर रहा है. कुछ लोगों ने अनुपमा की उम्मीदवारी पर विरोध जताते हुए पार्टी नेताओं के पुतले फूंके. इस सीट पर पूर्व सांसद ददई दुबे की भी दावेदारी थी.

अब लोहरदगा सीट पर कांग्रेस ने पूर्व विधायक सुखदेव भगत को प्रत्याशी बनाया है. इस सीट पर झामुमो भी दावेदारी कर रहा था. विशुनपुर के झामुमो विधायक चमरा लिंडा यहां बागी प्रत्याशी के तौर पर नामांकन कर दिया है. झामुमो ने उन्हें नामांकन वापल लेने के लिए कहा है. लेकिन अभी तक विधायक चमरा लिंडा अपने निर्णय पर अडिग है. वहीं अंदर खाने में राज्य के एक मंत्री और पार्टी के कद्दावार नेता भी विरोध में है. यहां भी कांग्रेस प्रत्याशी को अपने ही लोगों का विरोध परोक्ष सहना पड़ रहा है.

न्यूज अपडेट

योजनाओं के लिए चुनाव आयोग से लेंगे मंजूरी

रांची। बिरसा हरित ग्राम योजना, जलछाजन योजना, राज्य ग्रामीण विकास संस्थान और जिला ग्रामीण विकास अधिकरण की संबंधित गतिविधियों के संचालन के लिए चुनाव आयोग से अनुमति ली जाएगी. ग्रामीण विकास विभाग लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रभावी आदर्श आचार संहिता के दौरान इन योजनाओं की गतिविधियों को जारी रखनेनिर्वाचन आयोग के पास प्रस्ताव भेजेगा. इसके पूर्व राज्य सरकार के द्वारा गठित स्क्रीनिंग कमेटी के पास संचिका भेजी जाएगी. कुल पांच प्रस्ताव तैयार किए गये है जिसकी मंजूरी लेते हुए वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा. ग्रामीण विकास विभाग इन योजनाओं से जुड़े अन्य विभागों में एक नोडल पदाधिकारी की नियुक्ति कराने को कहा है ताकि सारी प्रक्रिया पूरी करके काम प्रारंभ कराया जा सके. चुनाव आचार संहिता लगने की वजह से सारा काम प्रभावित हे, आवश्यक कार्यों के लिए निर्वाचन आयोग की अनुमति ली जा रही है.

पत्नी की हत्या के जुर्म में ललित पूर्ति दोषी करार

रांची। सिविल कोर्ट ने प्रेम प्रसंग में रोड़ा बन रही पत्नी की हत्या के आरोपी पति ललित पूर्ति को दोषी करार दिया है. सजा के बिंदु पर 30 अप्रैल को सुनवाई होगी. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त एमसी झा की कोर्ट ने ललित को दोषी करार दिया है. हत्या की घटना 7 मार्च 2019 की है. यह मामला गोंदा थाना क्षेत्र का है. दरअसल आरोपी पति का किसी और महिला के साथ अवैध संबंध था. जिसे लेकर पति पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था. 7 मार्च 2019 को दोनों पति पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी. जिसकी सूचना सुबह साढ़े 5 बजे आरोपी और मृतक के बेटे को मिली. जिसके बाद गोंदा थाना में प्राथमिकी कराई गई थी. गिरफ्तारी के बाद से आरोपी जेल में बंद है. मामले की सुनवाई के द्वारा अभियोजन पक्ष ने 7 गवाह पेश किया. जबकि बचाव पक्ष की ओर से 2 गवाह पेश किए गए थे. अभियोजन पक्ष की उपयुक्त साक्ष्य और गवाह के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाया है.

शराब टेंडर पर सुप्रीम कोर्ट में अब अगले सप्ताह सुनवाई

रांची/दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में झारखंड में थोक शराब के लिए जारी टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर दाखिल जनहित याचिका के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई हुई. शुक्रवार को आंशिक सुनवाई के बाद कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए अगले सप्ताह की तारीख तय की है. सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बी आर गवई और सुधांशु धुलिया की खंडपीठ में यह मामला सूचीबद्ध था. सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल ने अदालत में पक्ष रखा. दरअसल राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी दाखिल कर कहा गया है कि थोक शराब के लिए जारी टेंडर से जुड़ी जनहित याचिका सुनवाई योग्य नहीं. याचिका में यह भी कहा गया है कि हाईकोर्ट के पीआईएल रूल्स का भी पालन नहीं किया गया है. बता दें कि शराब के लिए टेंडर में गड़बड़ी की जांच को लेकर अधिवक्ता राजीव कुमार ने जनहित याचिका दायर की थी. पूर्व में हुई सुनवाई में अदालत राजीव कुमार को इस केस से हटाते हुए संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है.

भूमि अधिग्रहण आंदोलन केस में पूर्व मंत्री योगेंद्र बरी

रांची। पूर्व मंत्री और पूर्व कांग्रेस विधायक योगेंद्र साव को रांची सिविल कोर्ट से बड़ी राहत मिली है. रांची सिविल कोर्ट के अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने चतरा जिले के टंडवा इलाके में आम्रपाली प्रोजेक्ट के लिए किए जा रहे भूमि अधिग्रहण के दौरान योगेंद्र साव के खिलाफ दर्ज मामले में साक्ष्य के अभाव में बरी करने का आदेश दिया है. वर्ष 2015 में टंडवा थाना में कांड संख्या 90/2015 और 91/2015 दर्ज कराई गई थी. जिसमें योगेंद्र साव समेत 25 लोगों को आरोपी बनाया गया था. ये सभी आरोपी ट्रायल फेस कर रहे थे. जिन्हें कोर्ट ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है. दरअसल आम्रपाली कोल परियोजना के विस्थापितों ने आंदोलन किया था और उस आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री योगेंद्र साव ने किया था.

दूसरे चरण की तीन सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी

रांची। झारखंड में लोकसभा चुनाव के तहत पहले चरण (देश का चौथा चरण) की चार सीटों पर नामांकन प्रक्रिया खत्म होने के बाद दूसरे चरण (देश का पांचवां चरण) की तीन सीटों कोडरमा, चतरा, हजारीबाग में भी सियासी दंगल शुरू हो गया है. भारत निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को इन तीनों सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी की. आयोग ने शुक्रवार को ही झारखंड विधानसभा के गांडेय उपचुनाव की भी अधिसूचना जारी की. सरफराज अहमद के इस्तीफे के बाद यह सीट 31 दिसंबर 2023 से ही रिक्त है. लोकसभा की तीन सीटों पर चुनाव की अधिसूचना जारी होते ही यहां नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई.

दिवंगत अधिवक्ता प्रलय सिन्हा की स्मृति में लेक्चर सीरीज

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में दिवंगत वरीय अधिवक्ता प्रलय कुमार सिन्हा की स्मृति में लेक्चर सीरीज की शुरुआत की गई. राज्य के महाधिवक्ता राजीव रंजन ने हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं और सरकारी अधिवक्ताओं की मौजूदगी में इसकी शुरुआत की. लेक्चर सीरीज में हर दूसरे सप्ताह कानूनी विषयों पर चर्चा की जाएगी. पहली चर्चा में अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने वकीलों के साथ खनिज कानूनों के संबंध में जब्ती की कार्यवाही विषय पर मंथन किया. दिवंगत अधिवक्ता प्रलय कुमार सिन्हा झारखंड हाईकोर्ट के वरीय अधिवक्ता थे. इस कार्यक्रम की शुरुआत उनकी स्मृति में की गई है.

पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी, प्रणय दीपक बने स्टेट टॉपर

- पर्षद द्वारा काउंसिलिंग की सूचना शीघ्र जारी की जाएगी

संवाददाता। रांची

झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पार्षद ने शुक्रवार को पॉलिटेक्निक प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया. इस परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थी अपना परिणाम पार्षद की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकते हैं. पार्षद ने अभ्यर्थियों का ओएमआर शीट भी जारी कर दी है. अभ्यर्थी इसे डाउनलोड कर सकते हैं. पार्षद द्वारा काउंसिलिंग की सूचना शीघ्र जारी की जाएगी. यह परीक्षा सात अप्रैल को आयोजित की गई थी.

दीपक बीसी वन कैटेगरी में पहले स्थान पर: प्रणय दीपक को मेरिट लिस्ट में पहला स्थान मिला है. ये बीसी वन के कैटेगरी रैंकिंग में भी पहले स्थान पर हैं. वहीं, वैभव कुमार को कॉमन मेरिट लिस्ट में दूसरा तथा कुमार अनमोल को पूरे तीसरा स्थान मिला है. अन्य कैटेगरी में बीसी टू में आलोक राज को पहला, एसटी में डाली कुमारी को पहला तथा एससी में रूपेश कुमार दास को पहला स्थान मिला है. इस प्रवेश परीक्षा के माध्यम से राज्य सरकार के पॉलिटेक्निक एवं अन्य डिप्लोमा संस्थानों, झारखंड मिनी टूल रूम, निजी डिप्लोमा संस्थानों आदि में नामांकन होता है.

किस टॉपर को मिला कितना अंक (पूर्णांक 150)

नाम	सीएमएल रैंकिंग	कैटेगरी रैंकिंग (श्रेणी)	कुल अंक
प्रणय दीपक	01	01 (बीसी वन)	137 .8
वैभव कुमार	02	-	137 .8
कुमार अनमोल	03	-	136 .3
आलोक राज	05	01 (बीसी टू)	135 .8
डॉली कुमारी	06	01 (एसटी)	135 .8
रूपेश कुमार दास	86	01 (एससी)	115 .8

चतरा से भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने भरा पर्चा, रोड शो और जनसभा की

प्रमुख संवाददाता। रांची/चतरा

चतरा लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने शुक्रवार को पर्चा दाखिल किया. इस मौके पर उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी, राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, विधायक किशुन कुमार दास समेत पार्टी के कई पदाधिकारी मौजूद थे. नामांकन से पहले कालीचरण सिंह ने बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी के साथ रोड शो किया. रोड शो कालीचरण सिंह के आवास से निकला और विभिन्न मार्गों से होते हुए चतरा समाहरणालय पहुंचा. इसके बाद कालीचरण सिंह ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप को नामांकन पर्चा सौंपा. नामांकन के बाद फिर से रोड शो शुरू हुआ, जो बाबा घाट में जाकर खत्म हुआ. बाबाघाट में चुनावी सभा का आयोजन हुआ, जिसे बाबूलाल मरांडी और अमर बाउरी समेत कई नेताओं ने संबोधित किया.

जेल और बेल वाले भाग्य विधाता बनने के लिए घूम रहे

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को हर हाल में 400 सीटें मिलेंगी. कहा कि जनता की मांग पर पहली बार चतरा संसदीय सीट पर किसी स्थानीय को प्रत्याशी बनाया गया है. इससे पहले जितने भी सांसद या प्रत्याशी रहे सभी चतरा लोकसभा क्षेत्र से बाहर के रहने वाले थे. कालीचरण सिंह रिकॉर्ड मतों से जीतकर सांसद बनेंगे और यहां की आवाज को दिल्ली में उठायेंगे. झारखंड की गठबंधन सरकार पर हमला करते हुए कहा कि इस सरकार के संरक्षण में खुलेआम बालू, पत्थर और कोयले की लूट हो रही है. बाबूलाल ने कहा कि सजायाफ्ता, जेल में बंद और बेल पर बाहर रहने वाले भारत के भाग्य विधाता बनने के लिए घूम रहे हैं. इंडी गठबंधन वाले परिवार और पैसे के लिए राजनीति करते हैं। जनता उन्हें सबक सिखायेगी.

सभी 14 सीटें और गांडेय उपचुनाव जीतेगा एनडीए

नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि इस बार चुनाव में विपक्ष की जमानत जब्त हो जाएगी. झामुमो पर हमला करते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन ने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन को कठपुतली बना कर रखा है. झामुमो, कांग्रेस, राजद अपने वंश को बचाने के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि भाजपा देश के विकास के लिए काम कर रही है. बाउरी ने दावा किया कि भाजपा झारखंड की सभी 14 सीटों के अलावा गांडेय विधानसभा का उपचुनाव भी जीतेगी. कल्पना सोरेन को वंशवादी राजनीति का आदर्श उदाहरण बताते हुए कहा कि राज्य की जनता महागठबंधन और कल्पना सोरेन को हराकर करारा जवाब देगी.

मौसम का मिजाज 30 तक बढ़ेगी हीट वेब, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

बिना वजह घर से दोपहर में न निकलें, खाली पेट न रहें

संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य में लगातार बढ़ती गर्मी से लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है. तेज धूप और गर्म हवाओं का असर भी राजधानी समेत अन्य हिस्सों में बढ़ता जा रहा है. वहीं, हीं मौसम विभाग ने भी इसे लेकर अलर्ट जारी किया है. जिसमें बताया है कि 30 अप्रैल तक राज्य में हीट वेब का असर लगातार बढ़ता रहेगा. 27 और 28 अप्रैल को जहां हीट वेब का असर संथाल और दक्षिणी हिस्से में देखा जाएगा.

वहीं, 29 हीं से 30 के बीच हीट वेब का असर पलामू प्रमंडल और मध्य हिस्से में भी देखा जाएगा.

खास बातें

- राज्य के सभी जिलों में पारा पहुंचा 40 डिग्री से. के पार
- मई के पहले सप्ताह में आयेंगे बादल, तो मिल सकेगी राहत

ऐसे में लोगों को काफी सतर्क रहने की सलाह दी गयी है. राजधानी रांची में दोपहर के वक्त सड़कों पर कम लोग देखे जा रहे हैं. गर्मी के चलते सत्तू और तरबूज की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है. लोग गर्मी से मुक्ति के लिए तरह-तरह के नुक्से आजमा रहे हैं.

हीट वेव का असर लगातार बढ़ेगा

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने जानकारी दी है कि आने वाले पांच दिनों के दौरान राज्य में हीट वेव का असर लगातार बढ़ेगा. इसमें, पूर्वी व पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, बोकारो, धनबाद, जामताड़ा, दुमका, पाकुड़, गोड्डा और साहिबगंज, रांची, रामगढ़, हजारीबाग, बोकारो, गुमला और खूंटी में भी कहीं-हींकहीं हीट वेब की स्थिति बनी रहेगी.इसे लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है. मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो आने वाले तीन दिनों के दौरान राज्य के तापमान में 4 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की जाएगी. राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान 40 के ऊपर हो गया है. न्यूनतम पारा भी ऊपर की तरफ जा रहा है.

निकलें घर से बाहर, तो सिर को ढंक कर रखें

बढ़ते तापमान और हीट वेब को लेकर मौसम विभाग ने विशेष अलर्ट जारी किया है. साथ ही लोगों को सलाह दी है कि दिन के 11 बजे से लेकर दोपहर के 4 बजे तक बाहर ननिकलें. समय-समय पर पानी पीते रहें. वहीं, हीं कॉटन कपड़े का इस्तेमाल करें. मौसम विभाग ने कहा है कि घर से बाहर निकलते समय खाली पेट न रहें. सिर को ढंक कर ही बाहर निकले. बाहर निकलने से पहले शरीर को अच्छी तरह ढक लें. मौसम विभाग के मुताबिक मई के पहले हफ्ते में बादल आ सकते हैं. तब तक बेहद सावधान रहने की जरूरत है.

बस से 43.6 किलो गांजा बनारस ले जा रहे चार तस्कर गिरफ्तार, जिनमें दो महिलाएं भी

संवाददाता। रांची

रांची पुलिस ने ओडिशा से बनारस गांजा ले जा रही दो महिलाओं समेत चार लोगों को खादगढ़ा बस स्टैंड से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपियों यूपी के गाजियाबाद जिले के केशव कुंज निवासी सुमित कुमार, गौतमबुद्ध नगर जिले के दीप बिहार छपरौल निवासी अंजना सिंघल, बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सुकना निवासी दीप राई और मध्य दिल्ली के पहाड़गंज स्थित मुलतानी डंडा निवासी सुषमा का नाम शामिल है.

गिरफ्तार आरोपियों के पास से 43.60 किग्रा गांजा, चार मोबाइल, तीन आरोपी का आधार कार्ड, रेखा बस का धुर्वा से बनारस जाने का टिकट और 1500 नगद पुलिस ने बरामद किया है. उक्त जानकारी सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी. उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर नशीले पदार्थों की बरामदगी को लेकर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी दौरान एसएसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर सिटी डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था. टीम ने छापेमारी कर खादगढ़ा बस स्टैंड परिसर से दो युवक और दो महिलाओं को गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार तस्करों से पुलिस को कई इनपुट मिले हैं. मिले इनपुट के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

तापमान 38.0° अधिकतम | 22.6° न्यूनतम

शनिवार 27 अप्रैल 2024 बैशाख कृष्ण पक्ष 04 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 19

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

रांची। आसमान से बरस रही आग ने राजधानीवासियों का जीना मुहाल कर दिया है. भीषण गर्मी और बढ़ती तपिश के बीच कई क्षेत्रों में पानी की घोर किल्लत हो गयी है. नदी-तालाब सूख रखे हैं. इस कड़ी में रांची का कडरु तालाब भी सूख कर समतल मैदान बन चुका है. अब बच्चे यहां क्रिकेट खेल रहे हैं. - फोटो : रमीज

ब्रीफ खबरें

चैंबर की कार्यकारिणी समिति की बैठक आज

रांची। झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स की कार्यकारिणी समिति की बैठक शनिवार को नेतरहाट में होगी. अध्यक्ष किशोर मंत्री के नेतृत्व में रांची से 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बैठक में हिस्सा लेने नेतरहाट जाएगा. रांची से प्रस्थान करने के बाद प्रतिनिधिमंडल पहले गुमला में गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा नवनिर्मित हॉल के उद्घाटन समारोह में शामिल होगा. उसके बाद शाम में नेतरहाट में कार्यकारिणी समिति की बैठक लेक व्यू रिसॉर्ट में होगी. बैठक में गुमला, रामगढ़, लातेहार, डालटनगंज, बंशीधरनगर, गोड्डा से जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स के पदधारी व सदस्य शामिल होंगे.

डॉक्टर के घर से 50 लाख के जेवर चोरी

रांची। राजधानी रांची के एक हाई प्रोफाइल सोसायटी में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक डॉक्टर के घर चोरी की घटना हुई है. घटना पुंदाग ओपी क्षेत्र के सेल सिटी स्थित ब्लॉक ई-8 में हुई है. बता दें कि सोसाइटी की अपनी खुद की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है. कई सिक्योरिटी गार्ड रहते हैं. इसके बाद भी चोरों ने घर का ताला तोड़ कर वारदात को अंजाम दे दिया. बताया जा रहा है कि चोरों ने डॉक्टर के फ्लैट से 50 लाख से ज्यादा के जेवर सहित अन्य सामान की चोरी की है. सूचना पर देर शाम पुलिस पहुंची और जांच में जुट गयी है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

पटरी पर ट्रैफिक व्यवस्थाः राजधानीवासियों को मिली जाम से राहत

15000 ऑटो सड़क से गायब

सत्य शरण मिश्रा। रांची

राजधानीवासियों को पिछले एक हफ्ते से शहर में लगने वाले भारी ट्रैफिक जाम से काफी राहत मिली है. रांची में सड़क जाम और खराब ट्रैफिक व्यवस्था पर झारखंड हाईकोर्ट की नाराजगी के बाद ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम ने कड़ाई शुरू कर दी है. ट्रैफिक पुलिस ने शहर के कई मार्गों पर चेकिंग अभियान चला कर बिना परमिट वाले ऑटो को पकड़ा है. इससे ऑटो चालकों में हड़कंप मचा हुआ है.

रांची में लगभग 30 हजार डीजल और पेट्रोल ऑटो चलते हैं. इनमें से आधे लगभग 15 हजार ऑटो चालकों के पास परमिट नहीं है. बिना परमिट वाले अधिकांश ऑटो चालकों ने अपने ऑटो शहर के अंदर चलाना बंद कर दिया है. कई चालकों ने धर-पकड़ के डर से मुख्य सड़कों और चौक-चौराहों के पास से यात्री उठाना बंद कर दिया है. इन 15 हजार ऑटो के सड़कों से गायब हो जाने के कारण राजधानी वासियों को ट्रैफिक जाम से राहत मिली है, लेकिन यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है. ऑटो नहीं मिलने के कारण यात्रियों को पैदल सफर करना पड़ रहा है.

शुभम संदेश में प्रकाशित खबर

- बिना परमिट वाले ऑटो चालकों पर ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई से हड़कंप
- कम ऑटो चलने से यात्रियों को हो रही है परेशानी

स्कूल-कॉलेज मार्निंग होने से भी जाम में कमी

भीषण गर्मी के कारण स्कूल-कॉलेज, कोर्ट समेत कई संस्थान मार्निंग कर दिया गये हैं. इसके कारण अधिकांश लोग दोपहर 12 बजे तक घर पहुंच जाते हैं. गर्मी की वजह से दोपहर में लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं. इस वजह से भी ट्रैफिक जाम नहीं लग रहा है.

लगातार कार्रवाई हो तभी सुधरेगी स्थितिः प्रेम मित्तल

झारखंड यात्री संघ के अध्यक्ष प्रेम मित्तल ने कहा कि ट्रैफिक पुलिस की कड़ाई की वजह से बिना परमिट वाले करीब 15 हजार ऑटो नियमित नहीं चल रहे हैं, लेकिन अभी भी हजारों ऑटो छिप-छिपाकर चल रहे हैं. प्रशासन एक बार कार्रवाई करके शांत हो जाता है. लगातार कार्रवाई हो तब स्थिति सुधरेगी. उन्होंने कहा कि ऑटो कम चलने से यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. यह भी कहा कि डीटीओ के सामने सभी ऑटो चालक संघ ने ऑटो में रेट चार्ट लगाने की बात स्वीकार की थी और एग्रीमेंट पर साइन किया था. इसके बावजूद ऑटो चालक रेट चार्ट नहीं लगा रहे हैं. इसपर कार्रवाई होनी चाहिए.

फुटपाथ दुकानदारों, सड़क किनारे वाहन पार्क करने वालों पर भी कार्रवाईः लालपुर, कोकर, मेन रोड, कचहरी, रातू रोड के आसपास सड़कों के किनारे फुटपाथ दुकानदारों का कब्जा रहता है. वहीं अपर बाजार, नागाबाबा खटाल समेत कई जगहों पर लोग बेतरतीब तरीके से सड़क के किनारे गाड़ियां पार्क कर देते हैं. इसे लेकर नगर निगम ने सख्ती बरती है. वहीं ट्रैफिक पुलिस ने सड़क के किनारे खड़ी गाड़ियों पर फाइन लगा रहे हैं.

भीषण गर्मी से बढ़ी परेशानी, लू लगने के क्या हैं लक्षण, कैसे बचें

संवाददाता। रांची

झारखंड समेत देश के विभिन्न हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है. दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार है. धूप ऐसा मानो आसमान से सूरज देवता आग उगल रहे हों. इस भीषण गर्मी और बदन को जलाने वाली धूप से लोग परेशान हैं. अस्पतालों में हीट वेव के शिकार लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है. राज अस्पताल के इमरजेंसी फिजिशियन डॉ. शुभम शेखर ने लोगों से धूप से बचने की अपील की है. उन्होंने कहा कि जरूरत न हो, तो धूप में न निकलें. अगर जरूरी हो, तो धूप के प्रभाव से बचने के उपाय को अपनाएं. पानी का खूब सेवन करें. सिर को हमेशा ढंक कर रखें. डॉ. शुभम शेखर ने कहा कि अगर किसी व्यक्ति को लू लग जाए, तो उसे हाइड्रेट करें. लगातार पानी या स्पोर्ट्स ड्रिंक दें. फिर उसके पूरे शरीर को गीले कपड़ों से पोंछ दें. थोड़ी देर बाद गीला तौलिया सिर पर रखें, ताकि दिमाग ठंडा रहे. शरीर का तापमान कंट्रोल होने पर ताज़े पानी से स्नान कराएं.

हीट स्ट्रोक से बचने के लिए इन बातों का रखें ध्यान

- दिन भर में कम से कम दो लीटर पानी पीएं.
- **नारियल पानी, जूस, लस्सी, नींबू पानी, छाछ या ओआरएस जैसे हाइड्रेटिंग तरल पदार्थ पीएं.**
- संतरे, तरबूज, खरबूजा जैसे मौसमी फल खाएं.
- **शराब, चाय, कॉफ़ी और कार्बोनेटेड शीतल पेय न पीएं.**
- धूप से बचने के लिए सिर पर टोपी या कपड़ा पहनें.
- **आंखों को धूप से बचाने के लिए चश्मा लगाएं.**
- त्वचा को धूप से बचाने के लिए सन्सक्रीम लगाएं.
- **ढीले और हल्के रंग के कपड़े पहनें.**
- शरीर को ठंडा रखने के लिए पंखे-कूलर या एसी का इस्तेमाल करें.
- **जरूरत से ज्यादा कपड़े न पहनें.**
- अगर बाहर जाना पड़ रहा है, तो छाता साथ में रखें.
- **दोपहर की धूप में बाहर न निकलें.**
- एसी से निकल कर सीधे गर्म धूप में न निकलें.
- **धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं.**
- अगर आपको प्यास लग रही है, तो धूप से आने के बाद हमेशा सादा या घड़े का पानी पीएं.

लू लगने के लक्षण क्या हैं?

उल्टी और मतली, जी मिचलाना, तेज बुखार, लूज मोशन, त्वचा का सूखना या गर्म होना, त्वचा का लाल होना, डिमेंशिया, सिरदर्द या चक्कर आना, मांसपेशियों में ऐंठन, बेहोशी, धड़कन तेज होना आदि लू लगने के लक्षण हैं.

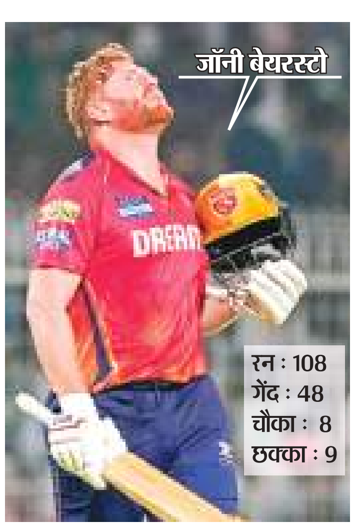

आईपीएल : पंजाब किंग्स ने चेज किया टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर

पंजाब किंग्स ने केकेआर को आठ विकेट से हराया

- 18 .4 ओवर में ही 261 का टारगेट किंग्स इलेवन पंजाब ने हासिल किया
- जॉनी बेयरस्टो ने 45 गेंद में ठोका शतक
- प्रभसिमरन-शशांक ने लगाया अर्धशतक

संक्षिप्त स्कोर
- केकेआर : 261/6
- पंजाब किंग्स : 262/2

एजेंसी। कोलकाता

किंग्स इलेवन पंजाब ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन में खेले गये मुकाबले में आठ विकेट से ऐतिहासिक जीत दर्ज की है. इसके साथ ही आईपीएल के इतिहास का ये सबसे सफल रन चेज बन गया है. कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट खोकर 261 रन बनाए. इसके जवाब में पंजाब ने जॉनी बेयरस्टो के शतक और प्रभसिमरन-शशांक के अर्धशतक की बदौलत आठ गेंद शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया. पंजाब ने 18.4 ओवर में दो विकेट खोकर 262 रन बनाए. इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने अच्छी शुरुआत की. प्रभसिमरन सिंह और जॉनी बेयरस्टो के बीच पहले विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी हुई. प्रभसिमरन ने 20 गेंद में 54 रन की पारी खेली. वह रन आउट हुए. रिली रूसो 16 गेंद में 26 रन बनाकर आउट हुए. कोलकाता नाइट राइडर्स ने सलामी बल्लेबाजों के शतकीय साझेदारी की बदौलत पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 261 रन बनाए थे. कोलकाता के लिए सबसे ज्यादा रन (75) फिल सॉल्ट ने बनाया. इससे पहले सुनील नरेन और फिल सॉल्ट के बीच पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी हुई. सुनील नरेन 32 गेंद में 71 और फिल सॉल्ट 37 गेंद में 75 रन बना कर आउट हुए. ऑलराउंडर आंद्रे रसल ने 12 गेंद में 24 रन बनाए. वेंकटेश अय्यर ने 23 गेंद में 39 रन की पारी खेली.

कार से 64 किलो डोडा बरामद, चालक धराया

खूंटी/रांची। मुरहू थाना क्षेत्र के सेल्दा के पास पुलिस ने एक कार (जेएच-01एडी-6848) से भारी मात्रा में डोडा बरामद किया है. एसडीपीओ वरुण रजक ने शुक्रवार को बताया कि शाम में मुरहू के सेल्दा-सरवादा सड़क पर पुलिस द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था. इसी क्रम में एक कार की जांच में पांच प्लास्टिक की बोरी में कुल 64 किलो डोडा लदा हुआ मिला. मौके से कार चालक सेल्दा गांव निवासी सोनू मुंडा को गिरफ्तार कर लिया गया.

टिकट की आस में दौड़े-भागे पंजा थामा राम ने, कांग्रेस ने धीरे से टहला दिया

- बिफरे रामटलन ने बगावती तेवर अपनाये, कहा- मैं कांग्रेस का झंडा ढोने थोड़े न आया था
- भाजपा से बगावत कर औंधे मुंह गिरे थे रामटहल, कांग्रेस से पिंड छुड़ाएंगे, फिर मैदान में आयेंगे

समीर चक्रवर्ती। रांची

पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने टिकट की आस में दौड़े-भागे पंजा थामा. लेकिन कांग्रेस ने टिकट दिया ही नहीं, टहला दिया. जोर का झटका धीरे से दे दिया. बेचारे रामटहल चौधरी जी तिलमिला गये हैं. कभी इसी कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ते थे, कांग्रेस को भरपेट कोसते थे, लेकिन सत्ता सुख का लालच ऐसा कि उसी पार्टी में शामिल हो गये. सोचे थे टिकट मिलेगा, पर कांग्रेस ने ऐसी लंग्घी मारी कि दिल के अरमां आंसुओं में बह गये. उनके तेवर बगावती हो गए हैं.

अपनों के साथ लगातार बैठक कर दुबारा निर्दलीय चुनाव लड़ने का मन बना रहे हैं. पहली दफा 2019 में उस भाजपा से बगावत कर रांची के मैदान में निर्दलीय कूद पड़े थे, जिस भाजपा ने उन्हें लगातार कई वर्षों तक इज्जत बख्शी, सांसद बनवाया, लेकिन बतौर सांसद खुद वे कोई छाप न छोड़ सके. संसद में गुमकी साधे रहे. राम बाबू को भरोसा अपने कुर्मी वोट बैंक पर था, लेकिन चुनाव में जमानत जब्त करा कर अइसन औंधे मुंह गिरे कि पांच साल तक मुंह छुपाइले फिरते रहे. चुनाव का वक्त आया, फिर कोप भवन से बाहरे निकले, तो कांग्रेस के झांसे में फंस गये. लेकिन कांग्रेस ने ऐसी लंघी मारी कि रामटहल जी हांफ गये. कांग्रेस ने टहलाया दिया, तो बिदबिदाइल हैं.

रांची संसदीय सीट पर रामटहल का कितना असर : रांची लोकसभा क्षेत्र में करीब दो से तीन लाख कुर्मी मतदाता है. यह संख्या करीब उतनी ही है, जो रामटहल चौधरी के बगावती तेवर अपनाने पर कांग्रेस के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती है. खास कर सोनाहातू, सिल्ली और ईचागढ़ में इस नाराजगी का व्यापक असर पड़ सकता है. वैसे भी आजसू प्रमुख सुदेश महतो कुर्मी मतदाताओं के बीच लगातार कैंप कर रहे हैं.

चुप्पी तोड़ी, बोले- कांग्रेस दगाबाज है

अंततः दलबदलू रामटहल जी ने बगावती सुर अख्तियार कर लिया. चुप्पी तोड़ी. शुभम संदेश से बातचीत करते हुए कहा- कांग्रेस ने उनके साथ धोखाधड़ी की है. वे कांग्रेस पार्टी में इसी आश्वासन पर शामिल हुए थे कि पार्टी उन्हें रांची सीट से टिकट देगी. प्रत्याशी बनाएगी. चौधरी साहब इतने गुस्से में हैं कि पूछिए मत. कहते हैं- कांग्रेस पार्टी का झोला ढोने थोड़े न आया हूं. कांग्रेस ने टहलाया है, तो वे उसकी पार्टी के प्रत्याशी को टहला ही देंगे. फिर बोलते हैं, जनता सब देख रही है, कैसे परिवारवाद हो रहा है. जनता तो सबक सीखा ही देगी.

मैं कांग्रेस का झोला ढोने थोड़े न आया हूं

उन्होंने अपना दर्द सार्वजनिक करते हुए कहा कि मुखिया के चुनाव में जीत दर्ज कर राजनीति में कदम रखा था. उस समय भाजपा का कहीं अता-पता भी नहीं था. उस समय मुझे कमल छाप ही चुनाव में सिंबल मिला था. रांची से पांच बार सांसद चुना गया हूं , दो बार विधायक भी चुना गया हूं. मैंने राजनीति में कई धुरंधरों को आकाश से जमीन पर आते देखा. अटल जी लेकर पीएम मोदी तक के भाजपा के सफर में भी शामिल था. जब उस पार्टी को छोड़ दिया, तो कांग्रेस क्या है? मैं कांग्रेस में पार्टी का झोला ढोने थोड़े न आया हूं. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के प्रदेश के बड़े नेता ने झारखंड प्रभारी से इसी शर्त पर मिलवाया था कि पार्टी उन्हें रांची से टिकट देकर चुनाव लड़ाएगी, लेकिन कांग्रेस ने वादाखिलाफी की है.

कांग्रेस ने मुझे बंधुआ मजदूर समझ लिया

पूर्व सांसद रामटहल चौधरी ने कहा कि कांग्रेस के लालचंद महतो से लेकर जलेश्वर महतो के मान-मनौव्वल के बाद कांग्रेस में गया था. बंधु तिर्की ने भी पार्टी में शामिल होने की सलाह दी थी, लेकिन कांग्रेस ने तो पार्टी का पट्टा पहना कर मुझे बंधुआ मजदूर समझने की भूल कर दी. टिकट किसको मिले, यह कांग्रेस का फैसला है, लेकिन इतना तय है कि इस बार झारखंड में खाता नहीं खुलने जा रहा. उनसे जब पूछा गया कि पार्टी प्रत्याशी और पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी यशस्विनी सहाय को तो आपने अपना आशीर्वाद भी दिया, तो क्या उसका विरोध करेंगे? इस पर चौधरी ने कहा कि चुनाव में सभी अपने बड़ों से आशीर्वाद लेने आते हैं. लेकिन असली आशीर्वाद तो जनता देगी.

सुबोधकांत ने पार्टी का पट्टा पहना कर छला

रामटहल चौधरी का कहना है कि कांग्रेस ने उनके साथ धोखा किया है. उनका कहना है कि पार्टी का पट्टा पहना कर सुबोधकांत सहाय ने उनके साथ अब तक का सबसे बड़ा सियासी छल किया. कहा, जिस टिकट की आस में वह कांग्रेस के साथ गये थे, उसे सहाय ने अपनी बेटी यशस्विनी के नाम कर दिया.

झारखंड से कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत सकेगी : चौधरी से जब पूछा गया कि क्या आप निर्दलीय चुनाव मैदान में ताल ठोकेंगे, तो उन्होंने कहा कि चुनाव तो मैं लड़ूंगा. या तो कांग्रेस टिकट देगी, नहीं तो निर्दलीय ही सही. उन्होंने कांग्रेस की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी को इस बार झारखंड में एक भी सीट नहीं मिलने जा रही है.

झारखंड में चौथे चरण के चुनाव के लिए कांग्रेस ने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव मुकुल वासनिक ने लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को होनेवाले मतदान के मद्देनजर झारखंड प्रदेश के लिए स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है. प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अमूल्य नीरज खलखो ने बताया कि स्टार प्रचारकों में मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, केसी वेणुगोपाल, गुलाम अहमद मीर, भूपेश बघेल, सुखविंदर सिंह सुक्खू, ए रेवंत रेड्डी, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, तारिक अनवर, डॉ. अजय कुमार, सुबोधकांत सहाय, राना केपी सिंह, आलमगीर आलम, डॉ रामेश्वर उरांव, बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता, इमरान प्रतापगढ़ी, राजेश ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, दीपिका पांडेय सिंह, फुरकान 3अंसारी, डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू, बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, जलेश्वर महतो, रवींद्र सिंह, संजय लाल पासवान, जयशंकर पाठक, मानस सिन्हा, गीताश्री उरांव, गुंजन सिंह, अभिजीत राज, मंजूर अंसारी, छविंद्र करमा, रियाजुल अंसारी, नमन विक्सल कोंगारी, दयामनी बरला शामिल हैं.

न्यूनतम मजदूरी दर के रिवीजन के लिए समिति का गठन

रांची। न्यूनतम मजदूरी की दरों में की गई बढोत्तरी के रिवीजन करने के फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आग्रह पर श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा श्रमायुक्त की अध्यक्षता में झारखंड न्यूनतम मजदूरी परामर्शदातृ पर्षद् के अधीन एवं न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के तहत उप समिति का गठन कर दिया गया है. समिति में संयुक्त श्रमायुक्त सह निदेशक न्यूनतम मजदूरी के अलावा झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स, आदित्यपुर स्मॉल इंडस्ट्रीज एसोसियेशन, सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन, इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस को इस समिति का सदस्य बनाया गया है. यह समिति न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के प्रावधानों के अनुरूप मजदूरी दर के निर्धारण/संशोधन के लिये तार्किक तथ्य की सिफारिश करेगी. इसके लिये विभिन्न राज्यों में मजदूरी दर तय करने के लिये अपनायी गई प्रक्रियाओं को ध्यान में रखा जायेगा. उप समिति द्वारा अपना विस्तृत प्रतिवेदन एक माह के अंदर पेश किया जायेगा. चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने प्रसन्नता जताते हुए इस निर्णय के लिए विभागीय सचिव मुकेश कुमार के प्रति आभार जताया. उन्होंने कहा कि राज्य के व्यापारियों व उद्यमियों के अनुकूल न्यूनतम मजदूरी दर के तय में उचित निर्णय लिये जा सकेंगे. विदित हो कि चैंबर द्वारा काफी मजबूती से इस बात को रखा गया था कि हमने 16अक्टबर 2023 को ही विभाग को अपनी आपत्ति व सुझाव देते हुए यह सुझाया था, कि पूर्व की दर से अधिकतम 5 फीसदी वृद्धि ही की जाय. चिंतनीय है कि हमारे प्रतिवेदन पर बिना विचार किये या वार्ता किये, नई दर को अव्यवहारिक रूप से प्रभावी कर दिया गया है. यह भी कहा गया था कि हमारे राज्य की न्यूनतम मजदूरी दर अन्य राज्यों से भी अधिक हो गई है. चैंबर के तर्कपूर्ण आग्रह पर विभागीय सचिव ने एक कमिटी का गठन करने और मजदूरी दरों के रिवीजन के लिए निर्देशित किया था.

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने गांडेय के लेद हटिया मैदान में पार्टी की जनसभा को किया संबोधित

इंडी गठबंधन झारखंड, विकास व देश विरोधी : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

खास बातें

- बाबूलाल ने अन्नपूर्णा और दिलीप वर्मा के लिए मांगे वोट
- कहा-मोदी 2047 तक भारत को विकसित बनाएंगे

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह के गांडेय स्थित लेद हटिया मैदान में जनसभा को संबोधित किया. यहां उन्होंने जनता से कोडरमा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी और गांडेय उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी दिलीप वर्मा को वोट देने की अपील की. उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि इंडी गठबंधन के लोग झारखंड और विकास विरोधी हैं. झारखंड अलग राज्य की लड़ाई देश आजाद होने के समय से चल रहा था. कांग्रेस 50-60 साल तक सत्ता में रही, लेकिन झारखंड अलग राज्य का निर्माण नहीं किया. झारखंड अलग राज्य के लिए आंदोलन करने वालों को खरीद लिया. फिर उन्हें जेल भेज दिया, लेकिन झारखंड राज्य नहीं बनाया. भाजपा की सरकार बनने के बाद झारखंड अलग राज्य का निर्माण हुआ. भाजपा जो करती है, वह करती है.

मोदी राज में विदेश में हो रही भारत की जय-जयकार : बाबूलाल ने कहा कि मोदी सरकार में भारत की जय-जयकार पूरी दुनिया में हो रही है. देश की जय-जयकार तभी होगी जब नरेंद्र मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे. प्रधानमंत्री ने कहा कि 2047 तक भारत को विकसित और समृद्ध भारत बनाएंगे. प्रधानमंत्री की सोच है की हर व्यक्ति को भोजन मिलना चाहिए. बीमार होने पर उनका बेहतर इलाज होना चाहिए. कहा कि 2014 से पहले आतंकवादी हमले देश पर होते थे. तब केंद्र सरकार कभी अमेरिका जाती थी, कभी यूएनओ जाती थी. कहती थी कि हमारे यहां बम विस्फोट हो गया है. पूरी दुनिया भारत पर हंसती थी. 2014 में जब नरेंद्र मोदी की सरकार बनी, तब उन्होंने कहा कि बाहर से एक भी आतंकवादी अगर यहां हमला करेगा तो उसे घुसकर मारेंगे. जब देश में एक दो घटना हुई तब सेना के जवानों ने घुसकर मारा. इसके बाद इंडी गठबंधन के लोग इसका सबूत मांगने लगे. यह लोग देश विरोधी हैं.

कहा-दिल्ली भेजना था तो कल्पना सोरेन को भेजते...

उन्होंने कहा कि लोकसभा में एनडीए की प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी को फिर से रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाकर दिल्ली भेजना है. विधानसभा उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी दिलीप वर्मा को विजय बनाना है. दोनों ही बार कमल छाप पर वोट देना है. मरांडी ने कहा कि लोकसभा में जनता 5 साल के लिए सांसद का चुनाव करेगी. विधानसभा उपचुनाव में मात्र 5 महीने के लिए विधायक का चुनाव करेगी. विधानसभा के वर्तमान हालात के लिए झामुमो, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जिम्मेदार हैं. अपने जिसे विधायक बनाया था, उसे रिजाइन करा कर दिल्ली भेज दिया गया. दिल्ली भेजना ही था तो कल्पना सोरेन को भेज देते. 5 महीना में दो-दो बार चुनाव तो नहीं करना पड़ता, लेकिन उन लोगों की मंशा ठीक नहीं है.

रांची से धर्मेंद्र तिवारी भारतीय जनतंत्र मोर्चा के लोस प्रत्याशी

संवाददाता। रांची

खास बातें

- तिवारी ने उम्मीदवारी के लिए सरयू राय का आभार जताया
- कहा-भाजपा सांसद ने पांच साल में कोई काम नहीं किया

भारतीय जनतंत्र मोर्चा की संसदीय चुनाव समिति की बैठक रांची में संपन्न हुई. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय हुआ कि पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी रांची लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे.

तिवारी ने संसदीय चुनाव समिति तथा जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय का आभार जताते हुए कहा कि रांची के वर्तमान भाजपा सांसद ने पिछले पांच सालों में ऐसा एक भी काम नहीं किया है, जिसके लिए जनता उनका फिर से चुनाव करे. वर्तमान सांसद ने रांचीवासियों की समस्या, उनके मुद्दे संसद में ठीक तरह से उठाया ही नहीं . वे केवल नमो मंत्र ही जपते है. इधर कांग्रेस ने भी वंशवादी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ऐसा प्रत्याशी दिया है, जिसको न तो यहां के लोग जानते हैं और न ही उन्हें सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों की समझ है. चुनाव के बाद इलके दुबारा मुंबई चले जाने की प्रबल संभावना है.

आयोग की हिम्मत नहीं हुई कि पीएम को सीधे भेजे नोटिस : झामुमो

निर्वाचन आयोग ने शुरू की नई परंपरा : सुप्रियो

संवाददाता। रांची

खास बातें

- पूछा-दिलीप से स्पष्टीकरण मांगा, तो मोदी से क्यों नहीं
- कहा-भाजपा नेता लगातार नफरती भाषण दे रहे हैं

झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्या ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से दो राष्ट्रीय दलों के स्टार प्रचारकों के संबंध में नोटिस भेजे जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने दो राष्ट्रीय दलों को दो नोटिस भेजा है. दोनों पार्टियों से स्टार प्रचारकों के बारे में स्पष्टीकरण मांगा है. सुप्रियो शुक्रवार को हरमू स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए बोल रहें थे. उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने ऐसी परंपरा की शुरूआत पहली बार की है. क्योंकि यह जो मांग प्रधानमंत्री की है, चुनाव आयोग को हिम्मत नहीं हुई कि पीएम मोदी को नोटिस भेजा जाये. जब चुनाव की प्रक्रिया शुरू होने के बाद कांग्रेस प्रवक्ता को नोटिस भेजकर स्पष्टीकरण मांगा गया है, दूसरा स्पष्टीकरण दिलीप घोष से मांगा गया. पीएम को नोटिस क्यों नहीं यह बड़ा प्रश्न है.

बीजेपी नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं : भारतीय जनता पार्टी की ओर से लगातार गलत भाषण दिये जा रहे हैं. बिहार में गिरिराज सिंह के भाषा पर आयोग ने कुछ नहीं बोला. बीजेपी के कई नेता गलत भाषण व बयानबाजी करने से बाज नहीं आते हैं. किंतु चुनाव आयोग द्वारा उन नेताओं पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है.

सुप्रीम कोर्ट का फैसला मान्य : सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम से वोटिंग की मान्यता को वैध दिये जाने के फैसले को उन्होंने सही करार दिया है. किंतु यह अंतिम फैसला नहीं है, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिर से सुना यदि कोई शिकायत है, अगर शिकायत है तो उसकी जांच भी हो सकती है, किंतु जांच का खर्च शिकायतकर्ता को देना होगा.

झारखंड वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष महेश्वर साहू कांग्रेस में शामिल

इन्होंने ली सदस्यता

महेश्वर साहु, मोहन साव, भुनेश्वर साव, डॉ एहसान अहमद सिद्दीकी, मुकेश लाल सिन्दुरिया, सुमन जायसवाल, प्रकाश मंडल, मिथलेश जायसवाल, गणपति साहु, आलोक मंडल, रामदयाल पांडेय, मिथुन कोयरी, राहुल कुमार साहु, बनवारी साव, शकील अख्तर मस्सन, राजेश साव, सुखदेव साव, बासुदेव साव, मोहन साव, ओम प्रकाश साव, भरत केशरी, विजय केशरी, दीपक प्रसाद, अमित साहू, नंद किशोर ठाकुर, रंजन प्रसाद, संजय प्रसाद, अजित कुमार, मो सलीम, विचंल कुमार, निखिल तिवारी आदि शामिल है.

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें झारखंड वैश्य मोर्चा के अध्यक्ष महेश्वर साहू ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की. समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से प्रभावित होकर और वर्तमान माहौल को देखते हुए महेश्वर साहू ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है. वे लगातार अपने समाज की बातों को उठाते रहे हैं . राहुल गांधी ने भी पूरे देश की जनता के सामने कांग्रेस का स्पष्ट नजरिया मैनिफेस्टो के माध्यम से रख दिया है. कांग्रेस ने देश की जनता के सामने महंगाई, बेरोजगारी, जातिगत जनगणना, पांच न्याय 25 गारंटी का रोड मैप रखा है. इससे भाजपा की नींद उड़ गई है और वह चुनाव को दूसरी दिशा में मोड़ने का प्रयास कर रही है.

नफरत के माहौल से निबटना जनता जान गयी है : पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि भाजपा द्वारा पैदा किये जा रहे नफरत के माहौल से निपटना जनता जान गयी है. सांप्रदायिकता की जिस सीढ़ी पर चढ़कर भाजपा बहुमत लाने का प्रयास कर रही है, जनता यह सब जान चुकी है.

वाहन चेकिंग के दौरान रांची पुलिस को मिली बड़ी सफलता

कुख्यात समेत तीन अपराधी धराए

संवाददाता। रांची

वाहन चेकिंग के दौरान रांची पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है. साथ ही चोरी की दो बाइक भी बरामद की है. गिरफ्तार अपराधियों में बरियातु थाना क्षेत्र का संजय सिंह, रातू थाना क्षेत्र का विशाल स्वांसी और सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मधुकम निवासी विक्की साव का नाम शामिल है. तीनों का आपराधिक इतिहास रहा है. विक्की पर सुखदेवनगर थाना में जानलेवा हमला और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज है. वहीं विशाल स्वांसी पर नामकुम, मांडर और रातू थाना में हत्या का मामला दर्ज है. वहीं रांची के नामकुम, सदर और सुखदेवनगर थाना में भी विशाल के खिलाफ रंगदारी मांगने, उकसाने और जानलेवा हमला के आरोप में मामला दर्ज है. विशाल पूर्व में पीएलएफआई उग्रवादी रह चुका है.

रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि एसएसपी के निर्देश पर मोरहाबादी मैदान के रजिस्ट्री ऑफिस के पास मोरहाबादी टीओपी पुलिस ने गुरुवार को वाहन चेकिंग लगाया था. चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की एक एमटी-15 बाइक को रोका गया. बाइक में लगे नंबर जेएच-01डी-0270 स्पष्ट नहीं था. उक्त मोटरसाइकिल का चेचिस नंबर से जांच करने पर पता चला कि इसका मूल रजिस्ट्रेशन जेएच-01ईएन 1539 जो चान्हो थाना क्षेत्र के पतरातू निवासी राहुल कुमार के नाम पर पंजीकृत है. पुलिस ने जब बाइक के साथ पकड़े गये आरोपी संजय सिंह से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह इस बाइक को अपने मकान मालिक विक्की कुमार साव से खरीदा है. आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने विक्की कुमार को पकड़ा गया. आरोपी विक्की ने एक और मोटरसाइकिल चोरी की बात स्वीकार की. विक्की के निशानदेही पर पूर्व पीएलएफआई उग्रवादी विशाल स्वांसी को पकड़ा गया. विशाल के पास से चोरी की बाइक (जेएच-01एपफएम 8265) बरामद किया गया. बरामद बाइक कोतवाली थाना क्षेत्र से विष्णु साव के साथ मिलकर चोरी करने की बात बतायी. पुलिस मिले इनपुट के आधार पर आगे की कार्रवाई में जुटी है.

डीएलएसए ने सुलझाया संपत्ति का मामला

संवाददाता। रांची

रांची सिविल कोर्ट में करीब दो दशक से चल रहे एक सम्पति विवाद का आपसी सहमति के आधार पर निपटारा हो गया. इस केस के निपटारे में रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डीएलएसए) की महत्वपूर्ण भूमिका रही. दरअसल, वादी दामोदर नाथ शाहदेव द्वारा अपने सगे भाई बड़ा लाल गोविंद नाथ शाहदेव एवं अन्य (प्रतिवादीगण) के विरुद्ध लेक रोड, हरमू रोड, किशोरगंज, रांची स्थित भूमि 1.25 एकड़ पर मुकदमा ओएस (टाईटल शूट) - 210/2005 दर्ज कराया गया था. समझौता को लेकर दोनों पक्षकारों के बीच कई दौर की वार्ता हुई थी, लेकिन विवाद नहीं सुलझ पा रहा था. जिसके बाद कोर्ट ने दोबारा समझौता के लिए दोनों पक्षों के बीच कई दौर की बैठकें कराईं.

जिसके बाद दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं तथा मध्यस्थ द्वारा 19 वर्ष पुराने वाद को सुलझा लिया गया. पक्षकारों के बीच यह सहमति बनी कि एमएस प्लॉट नंबर-1165, 1167, 1168, लेक रोड स्थित भूमि में वादी दामोदर नाथ शाहदेव को 62.80 डिसमिल और बड़ा लाल गोविंद शाहदेव एवं अन्य को 62.80 डिसमिल भूमि मिलेगी. जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने हिस्से की जमीन में अपनी मर्जी से उस भूमि का उपयोग करेंगे. इस बाबत पक्षकारों द्वारा नक्शे की प्रति भी दायर की गई है. जिसमें उनके हिस्से का विवरण दर्ज है.

इंडिया टूटेगा नहीं, झारखंड झुकेगा नहीं, आपन दीदी मत घबराना...का नागपुरी गीत हुआ रिलीज

बसंत मुंडा। रांची

इंडिया टूटेगा नही झारखंड झुकेगा नहीं का नागपुरी गीत लोहरदगा जिले के आरएसबी मल्टीमिडिया में रिकॉर्डिंग कर 21 अप्रैल को यूट्यूब पर रिलीज किया गया. चार दिन में ही यह गाना काफी लोकप्रिय हो गया है. लोहरदगा का अनमोल राज लोहरा (6 साल) के उम्र में आपन दीदी मत घबराना तेरे पीछे सारा जमाना है. पूर्व सीएम हेमंत सोरेन और पत्नी कल्पना सोरेन से संबंधित गीत गाया गया है. गाना को लोग खूब पसंद किया जा रहा है. खासकर झामुमो के कार्यकर्ताओ में काफी उत्साह से देखा जा रहा है.

टीवी पर कल्पना के भाषण को देख कर बनाया गाना : गायक के पिता आलोक राज लोहरा ने बताया कि कल्पना सोरेन का टीवी में भाषण सुन कर पांच दिन में गाना तैयार किया गया है. एक-एक प्वाइंट को डायरी में लिखा. फिर मोबाईल में रिकॉर्डर किया.हजारो बार ये गाना को सुना गया. तब गाना को यूट्यूब में डाला गया.

4.20 मिनट का है वीडियो है : कैम्ब्रियन स्कूल के थ्री क्लास के छात्र ने झारखंड में धूम मचा दिया है. उन्होने 4.20 मिनट का नागपुरी वीडियो बनाया गाय है. कल्पना सोरेन को भी वीडियो में दिखाया गया है. लाखों लोगो को यह गीत आकर्षित कर रहा है. गाने को खूब सुना जा रहा है, प्रशंसा औऱ लाइक सब्सक्राइब भी खूब मिल रहा है.

ये गाने भी गा चुका है

- टूटीजा फोर....
- जाती हो तुम कौन स्कूल...
- वन टू थ्री फोर...

गाने में इनका भी रहा योगदान : डायरेक्ट आलोक राज, गायक अनमोल राज लोहरा, रिकोर्डिंग आकाश राज,कैमरा विजय असुर समेत अन्य शामिल हैं.

पुलिस मुख्यालय में आईजी अभियान की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक का आयोजन

'नक्सल प्रभावित जिलों में अभियान चलाएं'

खास बातें

- लोस चुनाव के दौरान अप्रिय घटनाओं को रोकने की तैयारी
- अंतरजिला एवं अंतरराज्यीय सीमा पर सामंजस्य रखें

संवाददाता। रांची

पुलिस मुख्यालय शुक्रवार को आईजी अभियान की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई, जिसमें सभी जिलों में विधि-व्यवस्था संधारण, नक्सलियों, मादक द्रव्य, शराब इत्यादी के विरूद्ध की जा रही कार्रवाई के संबंध में विस्तृत रूप से समीक्षा की गयी. बैठक में नक्सल प्रभावित सभी जिलों को लगातार योजनाबद्ध अभियान चलाने के लिए दिशा-निर्देश दिये गये, जिससे कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को नक्सली अंजाम न दे सकें. साथ ही अंतरजिला एवं अंतरराज्यीय सीमा पर गतिशील नक्सलियों के खिलाफ सामंजस्य स्थापित कर सुरक्षा बलों द्वारा अभियान चलाने पर विशेष जोर दिया गया.

अवैध हथियार और नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने का निर्देश

समीक्षा बैठक के दौरान आईजी अभियान ने सभी सीमावर्ती क्षेत्रों पर पूर्व से संचालित पुलिस चेक पोस्ट पर अतिरिक्त बलों की प्रतिनियुक्ति करने, विशेष निगरानी रखने को कहा का निर्देश जिले के एसपी को दिये. उन्होंने एसपी को निर्देश दिया कि वे स्वयं संबंधित चेक पोस्ट का भौतिक रूप से सत्यापन करें ताकि अवैध रूप से ले जाने वाले कैश, अवैध शराब, अवैध हथियार एवं नशीले पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाई जा सके. इसके अलावा जिलों में लंबित वारंट और कुर्की के निष्पादन पर कार्रवाई करने हेतु विशेष जोर दिया. भगोड़ा अपराधियों पर कार्रवाई करने,सक्रिय अपराधियों और अन्य उपद्रवियों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई का निर्देश दिया गया.

पहल मीडिया व सिविल सोसायटी की भूमिका पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

वोट से ही विकास का मार्ग प्रशस्त होगा : डीडीसी

संवाददाता। रांची

जिला के स्वीप सेल के नोडल पदाधिकारी-सह-उप विकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव ने सिविल सोसायटी और मीडिया को आह्वान किया कि वे नागरिकों को मतदान के लिए उत्प्रेरित करें. वोट का कोई विकल्प नहीं है और इसी से देश का लोकतांत्रिक ढांचा और मजबूत होता है. उन्होंने कहा कि नागरिकों को चुनाव में भागीदारी चाहिए, इसी से विकास का मार्ग प्रशस्त होता है. और लोगों कि जरूरतों के अनुरुप कार्य करने को सरकार बाध्य होती है. यादव शुक्रवार को चुनाव सुधार से जुड़ी राष्ट्रीय संस्था एडीआर, नेशनल इलेक्शन वॉच, जिला स्वीप सेल और मंथन युवा संस्थान ट्रस्ट के तत्वाधान में आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे. राज्य प्रमुख सुधीर पाल ने कहा कि नागरिकों का दायित्व केवल वोट डालना नहीं होता है.बल्कि अच्छे लोगो को चुनकर जीताना होता है. गड़बड़ियों कि जानकारी होने पर हस्तक्षेप करना भी है. कार्यशाला के दौरान नागरिकों को सशक्त बनाने वाले विभिन्न मोबाइल एप्प सी विजल, माइ नेता, वोटर हेल्प लाइन, पब्लिक ग्रीवन्स आदि का प्रदर्शन किया गया. मौके पर शुभम, अनुप्रिया, त्रिपता, अपू पाल, अनुभव चकरवर्ती ओमप्रकाश समेत अन्य शामिल थे।

प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

निबंध प्रतियोगिता "हम वोट करेंगे" के सफल प्रतियोगियों को उप विकास आयुक्त ने पुरस्कृत किया. प्रतियोगिता में 300 युवाओं ने भाग लिया था. प्रथम पुरस्कार गोड्डा के मो. इजराइल, द्वितीय पुरस्कार रजनी कुमारी, मारवाड़ी कॉलेज, तृतीय पुरस्कार पांडे रितिक राज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी, को दिया गया। पुरस्कार प्रतिभागियों को नकद रुपए और प्रमाण पत्र दिए गए.

रामनवमी जुलूस देखने निकला युवक अबतक नहीं लौटा घर

एक लड़की से पुलिस ने की पूछताछ

संवाददाता। रांची

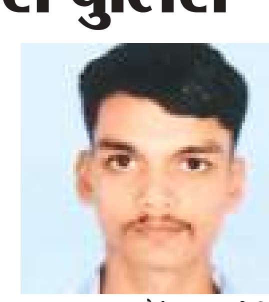

राजधानी रांची के रातू रोड इलाके के इंद्रपुरी रोड नंबर 12 में रहने वाला 24 साल का रोहित शर्मा बीते 17 अप्रैल से लापता है. वह घर में रामनवमी जुलूस देखने जाने की बात कह कर निकाला था, उसके बाद से अब तक घर नहीं लौटा है. उसे दिन से उसका मोबाइल भी लगातार स्विच ऑफ आ रहा है.

परिजन परेशान हैं और उसके खोजबीन के लिए अपने स्तर से तो प्रयास कर ही रहे हैं, थाने में भी बीते 19 अप्रैल को एक गुमशुदगी का सनहा दर्ज कराया है. मिले आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है. हालांकि अब तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है. बता दें कि रोहित अपने 70 वर्षीय नाना सहदेव शर्मा के घर रहकर पढ़ाई लिखाई कर रहा था. सहदेव शर्मा ने बताया कि रोहित उसका एकमात्र सहारा है. वह बचपन से ही रोहित को अपने पास रखकर पढ़ाई लिखाई करा रहे हैं. अब जब उन्हें सहारे की जरूरत पड़ी तो रोहित पता नहीं कहां चला गया. हम लोगों को बहुत चिंता हो रही है, समझ नहीं आ रहा है क्या करें.

प्रेम-प्रसंग की बात भी आ रही है सामने

रोहित के लापता होने में प्रेम-प्रसंग का भी मामला भी सामने आ रहा है. जानकारी के अनुसार रोहित के नाना-नानी के बयान के आधार पर पुलिस ने रोहित के संपर्क में रहने वाली एक लड़की से भी पूछताछ की है. हालांकि लड़की अपना बयान बदल रही है. पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, जल्द ही युवक की तलाश कर ली जाएगी.

▼ ब्रीफ खबरें

सूरज संगम का छठी उत्सव 29 अप्रैल को

रांची। सूरज संगम, मारवाड़ी टोला महावीर चौक 29 अप्रैल को श्रीराम का छठी उत्सव मनायेगा. शाम पांच बजे पूजन-आरती से कार्यक्रम की शुरुआत होगी. इसके बाद वृहत रूप में भंडारा चलाया जायेगा. संस्थापक शंकर प्रसाद ने बताया कि मौके पर सम्मान समारोह भी होगा. इसमें सनातन धर्म रक्षा के लिए सक्रिय हो कर कार्य करने वाले व्यक्ति और संस्था के पदाधिकारियो को सम्मानित किया जायेगा। संतोष कुमार गुप्ता, संजय पोद्दार, प्रणय पोद्दार, मिंटू गुप्ता, पंकज वर्मा, सुशील कुमार, संजय गुप्ता, फ्रांसिस तिर्की, मंटू वर्मा, ननकू तिर्की, संजय चौरसिया आदि इसमें मुख्य रूप से योगदान दे रहे हैं.

झारखंड युवा महोत्सव आशीष सभा 29 से

रांची। रांची के वरशिप सेंटर ने डिबडिह के कार्निवल बैंक्वेट हॉल में तीन दिवसीय 29, 30 व 31 मई को युवा महोत्सव आशीष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है. इस महोत्सव के मुख्य उपदेशक मुंबई के यीशु जीवन चर्च ब्रदर व सूरज प्रेमानी होगे. साथ ही आराधना का संचालन पास्टर राजीव एवं उनकी पूरी टीम करेगी. इस युवा महोत्सव में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. राजिस्ट्रेशन का शुल्क 700 सौ रुपये है. जिनमें तीन दिनों के ठहरने औ की व्यवस्था की गई है. यह कार्यक्रम सुबह 9 बजे से 1 बजे तक होगी.

पुष्प सवारी पर श्रीगुरु ग्रंथ साहिब और निशानची संग बड़ी संख्या में धर्मावलंबी झूम कर निकले

गुरमत समागम को लेकर निकली नगर कीर्तन यात्रा

- श्रद्धालु साढ़े तीन घंटे तक भक्ति रस घोलते रहे
- स्वागत में खड़े लोग खाने-पीने के समान बांटे
- गुलजार हुआ कृष्णा नगर कॉलोनी का पूरा इलाका

संवाददाता। रांची

गुरुनानक सेवक जत्था के तीन दिनी आठवें गुरमत समागम को लेकर शुक्रवार को भव्य नगर कीर्तन यात्रा निकाली गयी. सुबह पांच बजे गुरुद्वारा साहिब के दर्शन दिउड़ी गेट से यात्रा शुरू हुई. पुष्प सवारी पर विराजमान श्रीगुरु ग्रंथ साहिब, अगुवाई करते पंच प्यारे और निशानची संग बड़ी संख्या में धर्मावलंबी झूम कर निकले तो कृष्णा नगर कॉलोनी का इलका गुलजार हो गया. ढोल-झाल और मंजीरे की ताल से ताल मिलाते श्रद्धालु साढ़े तीन घंटे तक वातावरण में भक्ति रस घोलते रहे. इस दौरान यात्रा जिधर से गुजरती सेवा और स्वागत को लोग उमड़ पड़ते. स्त्री सत्संग सभा की सदस्य पुष्प सवारी के आगे सड़क पर झाड़ू लगा सफाइ करने और पुष्प बिखेरने में लग जाती तो स्वागत को खड़े लोग खाने-पीने के समान बांटने में जुट जाते. कीर्तन मंडली संग गुरु भक्ति में रमे धर्मावलंबियों के तो क्या कहने. झूमते श्रद्धालु जब जब जोश में आते तो वातावरण जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल, वाहे गुरु जी की खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह और राज करेगा खालसा ... जैसे उद्घोष से गूंज उठा. सुबह साढ़ आठ बजे यात्रा में शामिल सिख धर्म के अनुयायी कॉलोनी का भ्रमण कर वापस लौटे. गुरुद्वारा साहिब के दर्शन दिउड़ी गेट पर अरदास की गयी. इसी के साथ यात्रा विसर्जित हुई. नगर कीर्तन यात्रा कार्यक्रम में मुख्य भूमिका निशानची हरविंदर सिंह मिड्ढा, जीत सिंह, हरप्रीत सिंह, सतविंदर सिंह, चुचरा, रविंदर सिंह और पांच प्यारे की भूमिका स्वर्णदीप सिंह, अमरजीत सिंह मुंजाल, कवलजीत सिंह मिड्ढा, रमनदीप सिंह व अमन सिंह माकन ने निभायी.

संगत को गुरबाणी से जोड़ा : सत्संग सभा की कीर्तन मंडली की पाली मुंजाल, बबली दुआ, गीता कटारिया, शीतल मुंजाल, रेशमा गिरधर, इंदु पपनेजा, मंजीत कौर और बबिता पपनेजा ने वाहो वाहो गोविंद सिंह आपे गुर चेला जैसे शबद गायन कर संगत को गुरबाणी से जोड़ा. बताया गया कि समागम के क्रम में शनिवार की रात आठ बजे से दीवान सजाया जायेगा. दूसरे दिन 28 अप्रैल को दिन के 11 बजे से दीवान की शुरुआत होगी. इसमें हजुरी रागी सहित सिख पंथ के कीर्तनी जत्था भाई नवप्रीत सिंह और बीबी तरनप्रीत कौर जालंधर वाले साध संगत को गुरु की अमृतवाणी का गायन कर निहाल करेंगे. दोनों दीवानों की समाप्ति के बाद गुरुद्वारा साहिब में गुरु का अटूट लंगर भी चलाया जाएगा. समागम के मौके पर रक्तदान महादान के भाव से रक्तदान शिविर भी लगाया जा रहा है. दिन के 11 से शाम चार बजे तक शिविर चलेगा. नरेश पपनेजा ने लोगों से रक्तदान करने की अपील की है. वहीं कीर्तन यात्रा में हरविंदर सिंह बेदी, लेखराज अरोड़ा, हरगोविंद सिंह, अमरजीत गिरधर, अशोक गेरा, चरणजीत मुंजाल, राजकुमार सुखीजा, सुरेश मिड्ढा, हरीश मिढ़ा, मोहन काठपाल, प्रेम मिड्ढा, विनोद सुखीजा, जीवन मिड्ढा, महेश सुखीजा, सूरज झंडई, रौनक ग्रोवर, पीयूष मिड्ढा, करण अरोड़ा, वंश डावरा, साहिल सरदाना, जीत सिंह, राकेश घई, अमन डावरा, कुणाल चुचरा, ऋषभ शर्मा, आशू मिड्ढा, नवीन मिड्ढा, पवनजीत सिंह, बसंत कठपाल, अनूप गिरधर, हरविंदर सिंह मिड्ढा, वेद प्रकाश मिड्ढा, लक्ष्मण दास मिड्ढा, लक्ष्मण सरदाना, महेंद्र अरोड़ा, प्रताप खत्री, इंदर मिड्ढा, रमेश पपनेजा, मोहन लाल अरोड़ा, रमेश गिरधर, नीरज गखड, सागर थरेजा, मिक्की मिड्ढा, पंकज मिड्ढा, रिक्की मिड्ढा, कमल मुंजाल, रमेश तेहरी, कमल धमीजा, उमेश मुंजाल, नीरज सरदाना आदि यात्रा में मुख्य रूप से शामिल थे.

बेटी यशस्विनी संग सुबोधकांत भी पहुंचे

नगर कीर्तन यात्रा में शामिल धर्मावलंबियों के स्वागत को पूर्व सांसद सुबोधकांत सहाय बेटी रांची लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय संग पहुंचे. श्रीशिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति के स्वागत शिविर में नगर कीर्तन का स्वागत किया, श्रीगुरुग्रंथ साहिब को माथा टेक सब के लिए मंगल कामनाएं की.

एकेडमी के सारे छात्रों ने 99 परसेंटाइल से अधिक प्राप्त किया

ब्रदर्स ऐकेडमी के छात्रों का उम्दा प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

ब्रदर्स ऐकेडमी के 378 छात्रों ने जेईई मेंस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर संस्थान को गौरवान्वित किया. बीते वर्ष की तरह ही इस साल भी ब्रदर्स एकेडमी के छात्रों ने आईआईटी जेईई मेंस की परीक्षा में सफलता का परचम लहराया. ब्रदर्स ऐकेडमी के बहुत सारे छात्रों ने उक्त परीक्षा में 99 परसेंटाइल से अधिक प्राप्त किया. जिसमें देव प्रकाश, रोहन कुमार, तुषार धानुका, आकाश कुमार, तान्या चौधरी, श्रेयश संजय, मोहमद एलनाज़, हर्षित आनंद, हर्षल राज, भास्कर जालान, यश कुमार, साहिल आकाश, सिद्धांत कुमार, समृद्धि केडिया, तान्या कात्यायन, सृष्टि राज, प्रियम राज एवं अन्य का नाम शामिल हैं. छात्रों के झूमते समूह ने एक स्वर में अपनी सफलता का श्रेय ऐकेडमी के अनुशासित शैक्षणिक परिवेश और शिक्षकों के छात्रों के प्रति समर्पण को दिया. उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन ने ही हमें सफलता की राह पर ला खड़ा किया है. सारगर्भित शिक्षण, शिक्षकों के दिशा-निर्देश, उच्चस्तरीय पाठ्य सामग्री, क्विज़ संचालन और इनका विश्लेषणात्मक मूल्यांकन, संस्थान का उद्देश्य के प्रति समर्पण बहुत उच्च कोटि का है. सिलेबस की समाप्ति के बाद ऐकेडमी द्वारा संचालित टेस्ट सीरीज़ बैट्स ने हमारे डर को पूरी तरह समाप्त कर दिया और आईआईटी की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने में बहुत मददगार रहा है. संस्थान के निदेशक पारस अग्रवाल, प्रेम प्रसून और शुभेंदु शेखर ने कहा कि एक बार फिर हमारे छात्रों की सफलता ने ऐकेडमी का गौरव बढ़ाया है. उन्होंने कहा कि आईआईटी एडवांस परीक्षा में भी इन छात्रों से विशिष्ट प्रदर्शन अपेक्षित है,

मोडरेटर ने किया दयासागर गिरजाघर का उद्घाटन

संवाददाता। रांची

ओडिशा के जीइएल चर्च की कलीसिया संबलपुर पेरिस के दक्षिण पश्चिम धर्मप्रदेश जुनाईन में नव निर्मिति ख्रीष्ट दयासागर गिरजाघर का उद्घाटन शुक्रवार को किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जीइएल चर्च के मोडरेटर जोहान डांग थे. अतिथि का स्वागत जुनाईन सन्डे स्कूल, युवा संघ, महिला संघ ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत नव गिरजाघर की ओर प्रोशेसन के साथ शुरू की गई. चर्च के नव निर्माण के अवसर प्रभु भोज अनुष्ठान सभी पुरोहितगणों की अगुवाई में की गई. परमेश्वर के दया और अनुग्रह से जुनाईन मंडली ने अपने नवनिर्मित गिरजाघर का संस्कार किया. मौके पर मॉडरेटर जोहान डांग ने गिरजाघर के निर्माण के लिए प्रार्थना की. वहीं जुनाईन मंडली इतिहास का उल्लेख सूर्यांश डांग ने किया. बता दें कि जुनाईन चर्च की स्थापना 1972 में हो गई थी. उसी स्थान पर नव गिरजाघर का निर्माण कर प्रार्थना की गई. मौके पर जुनाईन मंडली के लोग शामिल हुए. इस कार्यक्रम में रेव्ह पवल लुगुन, रेव्ह सबन बंकर, रेव्ह साबिया टोप्पो रेव्ह जीवंत के कांडुलना, दर्शन टोपनो, जॉन बुरह उपासना लुगुन, इसवंती टोपनो, सुस्मिता समद, निवा डांग, आशा टोपनो जॉनबुरह, जयसिंग बागे, बिमल डांग, उपासना टोपनो, रंजीता कैंडी, आशा टोपनो, मोनिका बुरह, असीम भेंगरा, कलमेंट धनुवार एवं अन्य उपस्थित थे.

बच्चों को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में बताया गया

सोशल मीडिया को लेकर किया जागरूक

संवाददाता। रांची

मारवाड़ी युवा मंच समर्पण शाखा ने बच्चों को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में जागरूक किया. हर बच्चे का स्वस्थ सप्ताह के पांच दिवसीय कार्यक्रम के चौथे दिन मारवाड़ी कन्या पाठशाला में बच्चों को सोशल मीडिया के सही उपयोग के बारे में जागरूक किया. इसका प्रशिक्षण जेसीआई इंडिया के जोन ट्रेनर जेसी करण चितलांगिया ने दिया. करण ने बताया कि बच्चों को कितनी देर सोशल मीडिया में देखना चाहिए. साथ ही अभिभावक के लिए बताया कि वह बच्चों के सोशल मीडिया पर ध्यान दें. बच्चों को फिल्टर लगा कर ही सोशल मीडिया का प्रयोग करने दें. उन्होंने बताया कि बच्चों को यूट्यूब जूनियर का उपयोग करना चाहिए. इस कार्य में विद्यालय प्रबंधक ने भी शाखा का पूरा साथ दिया. जिसके लिए शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया ने उन्हें धन्यवाद दिया. सर ने कहा कि बच्चों और अभिभावक के बीच में इस तरह की जानकारी होनी चाहिए. उन्होंने शाखा के इस कार्य की सराहना और प्रशंसा की. कार्य को सफल बनाने में शाखा के सदस्यों का भरपूर साथ रहा. कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष विनीता सिंघानिया और शाखा की बहनें शुभा अग्रवाल, कविता सोमानी, रितु पोद्दार, कोमल पोद्दार व कोमल झुनझुनवाला उपस्थित थे.

कन्या पाठशाला

- अभिभावक बच्चों के सोशल मीडिया पर ध्यान दें
- फिल्टर लगा कर ही सोशल मीडिया का प्रयोग करने दें

सरला बिरला के विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची के छात्रों ने जेईई मेंस अप्रैल-2024 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया. अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, धैर्य पांडे ने 98.9870230 पर्सेंटाइल प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है. उसके बाद अपूर्बो रॉय ने 98.8447182 पर्सेंटाइल, आयुष राज यादव ने 98.7884367 पर्सेंटाइल, बुट्टा नागा वेंकट कृष्णा ने 97.9357413 पर्सेंटाइल, आर्यमान कुमार ने 97.6370999 पर्सेंटाइल, तीर्थ श्रेष्ठ 96.7736114 पर्सेंटाइल, शिवम मिश्रा 96.6872740 पर्सेंटाइल, सुधांशु कुमार 96.3091710 पर्सेंटाइल, रणवीर राज 95.9133237 पर्सेंटाइल, रूपेश आनंद 95.4146232 पर्सेंटाइल, भूमि केशरी 95.3957983 पर्सेंटाइल, प्रवु समर्पिता नायक 93.9703785 पर्सेंटाइल, आकर्ष कुमार सिंह 92.6028770 पर्सेंटाइल और सौरभ तिवारी ने 92.4346213 पर्सेंटाइल हासिल कर स्कूल की शान बढ़ाई है. प्राचार्या परमजीत कौर ने सभी को शुभकामनाएं दी.

डीएवी हेहल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

संवाददाता। रांची

इस साल अप्रैल में आयोजित जेईई मेंस सेशन-2 में डीएवी हेहल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. विद्यालय के सौरव कुमार ने 99.91 परसेंटाइल, तनय कात्यायन 99.21परसेंटाइल, जिज्ञान्सु कुमार ने 98.1परसेंटाइल, धीरज कुमार ने 97.36 परसेंटाइल, अंशुमान तिवारी ने 97.34 परसेंटाइल, श्रेष्ठ अग्रहरी 97.30 परसेंटाइल, हर्ष कुमार 96.11परसेंटाइल, जयबल्लभ पाठक ने 95.59परसेंटाइल, कन्हैया वर्मा 93.67 परसेंटाइल, शुभ शक्ति पाण्डेय 92.28 परसेंटाइल और देवांशु प्रसाद ने 90.17 परसेंटाइल प्राप्त कर अपने माता-पिता, शिक्षकों एवं विद्यालय का नाम रौशन किया. इस सफलता के लिए विद्यालय के प्राचार्य सह सहायक क्षेत्रीय अधिकारी एसके मिश्रा ने सभी सफल विद्यार्थियों एवं उनके माता-पिता को बधाई और शुभकामनाएं दी.

छात्रों के शानदार प्रदर्शन से संस्थान है उत्साहित

पाठशाला के छात्रों ने लहराया परचम

संवाददाता। रांची

द पाठशाला के छात्रों ने जेईई मेंस परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया. छात्रों के शानदार प्रदर्शन से संस्थान उत्साहित है. द पाठशाला का मानना है कि छात्रों की सफलता उनकी संघर्षशीलता, समर्पण और अनुभवी शिक्षकों द्वारा प्रदान की गई मार्गदर्शन का परिणाम है. द पाठशाला ने सभी छात्रों को उनकी अद्वितीय प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई और भविष्य के लिए सफलता की शुभकामनाएं दी. वहीं संस्थान के छात्रों का कहना है कि उनकी सफलता में संस्थान का अनुशासन और शिक्षकों का सही मार्गदर्शन का योगदान है. शिक्षकों के सही मार्गदर्शन में ही हमलोगों ने तैयारी की. जिसका नतीजा सुखद आया. बता दें कि जेईई मुख्य परीक्षा भारत में शीर्ष इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षा है. यह परीक्षा इंजीनियरिंग में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाती है. इसमें संतोष रवाणी ने सबसे ज्यादा 99.73 प्रतिशत अंक प्राप्त किया. वहीं हर्षित को 99.66 प्रतिशत, मजित दास को 99.52 प्रतिशत, रविशंकर को 99.50 प्रतिशत और धैर्य पांडेय को 99.30 प्रतिशत अंक मिला. इसके अलावा पीयूष ने भौतिकी में 100 प्रतिशत अंक प्राप्त किया. इसके अलावा निशा लक्ष्मी को 98.14 प्रतिशत, आकर्ष को 98.11 प्रतिशत मिला.

वीमेंस कॉलेज में अभाविप की नई इकाई हुई गठित

रांची। रांची विमेंस कॉलेज में अभाविप के नवीन इकाई की घोषणा नगर छात्रा विस्तारिक किरण कुमारी व महानगर सह मंत्री सारदा कुमारी की उपस्थिति में की गई. नए सत्र के लिए इकाई अध्यक्ष-निकिता, उपाध्यक्ष- सुमन, मंत्री-कुशव मिश्रा, सह मंत्री-अनुश्रुति मिश्रा, एसएफएस प्रमुख ऊमी प्रिया सहदेव, एसएफडी प्रमुख साक्षी कुमारी, सोशल मीडिया प्रभारी- रॉली कुमारी, कला मंच प्रमुख रिया पांडे, खेलो भारत प्रमुख पूनम कुमारी, खेलो भारत सह प्रमुख सुलेखा, कांता एवं कार्यकारी सदस्य चित्रा, आकांक्षा, राजश्री श्रीवास्तव, कीर्ति साहू, साक्षी व संजू सहित कई कार्यकर्ताओं को दायित्व दिया गया. इस अवसर पर उपस्थित महानगर सह मंत्री सारदा कुमारी ने शुभकामनाएं प्रेषित की.

आम | **यूएस का राकेट सेब और मीठे अंगूर की भी बाजार में है काफी डिमांड**

रसीले आम पहुंचे रांची, अल्फांसों 1200 रुपये दर्जन

रेहान अहमद। रांची

देश विदेश के स्वादिष्ट फलों से डेली मार्केट गुलजार है. गर्मी के दस्तक के साथ ही रसीले गुलाबखास आम मुंह में पानी ला रहे हैं. स्वादिष्ट बैगनफूली के भी अलग ही बात है. साउथ का हरालाल तोतापरी आम जेब के बटुए ढीले कर रहा है. यूएस का राकेट सेब लोगों को खूब भा रहा है. यूएसए की कीवी भी लोग चाव से खरीद रहे हैं. यूएसए के मीठे अंगूर भी डिमांड पर हैं.

यूपी के खरबूजे का क्या कहना लोग हाथों हाथ खरीद रहे हैं. डेली मार्केट के फल विक्रेता मो शमीम ने बताया कि फल का यह कारोबार पूर्वजों की देन है. इस समय फलों में आम की मांग सबसे अधिक है. अल्फांसों आम जो महंगा होने के साथ दर्जन के हिसाब से बिकता है. ग्राहकों के डिमांड पर अल्फांसो आम का समूह जुटाया है. उन्होंने कहा कि मई माह में आम के बचे वेराइटी मंडी में पहुंच जायेगी.

रसीले आम

- अल्फांसों आम महंगा होने के कारण दर्जन में बिकता है
- मई माह में आम की बची वेराइटी मंडी में पहुंच जायेगी

मई में आने वाले आम

लंगड़ा बिहार-यूपी, जरदालु, मिढुआ, हिमसागर, आम्रपाली, किसन भोग, मोहन भोग, दसेरी आम आने वाले हैं. इनमें सबसे अधिक ग्राहक लंगड़ा व दसेरी आम कब आयेगी हर दिन पूछ रहे हैं.

कहां के आम	प्रति किलो
बैगनफूली मद्रास	100 रु.
गुलाबखास मद्रास	140 रु.
तोतापरी साउथ	90 रु.
कलंगवा मद्रास	100 रु.
अल्फांसो दर्जन	1200रु.
हापुस महाराष्ट्र	1100 रु.
जरदालु महाराष्ट्र	150 रु.
कैसर साउथ	80 रु.
हापुस मद्रास	140 रु.
गुलाबखास छोटा	120 रु.
तोतापरी छोटा	60 रु.
कच्चा आम	100 रु.

पीड़ितों की सेवा से होती है सुखद अनुभूति : आलोक

रांची। पीड़ितों का सेवा सबसे बड़ा मानव धर्म है. पीड़ितों की सेवा करने से सुखद अनुभूति होती है. उक्त बातें सामाजिक कार्यकर्ता आलोक मजूमदार ने शुक्रवार को हरमू हाउसिंग कॉलोनी स्थित एचआई कॉलोनी में स्लम एरिया के बच्चों के बीच पठन-पाठन व अन्य उपयोगी सामग्रियों के वितरण समारोह के मौके पर कही. मजुमदार ने कहा कि आर्थिक रूप से समाज के कमजोर वर्ग के छात्र-छात्राओं को सहयोग करना पुनीत कार्य है. मौके पर लगभग पच्चीस छात्र-छात्राओं के बीच पठन-पाठन सामग्री कॉपी व पेन्सिल बांटे. किशोरवय छात्राओं के बीच सैनिटरी नैपकिन का भी वितरण किया गया. इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में विशेष रूप से सोहिनी मजुमदार का योगदान रहा.

आज निकलेगी कलश यात्रा शुरू होगा प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान

संवाददाता। रांची

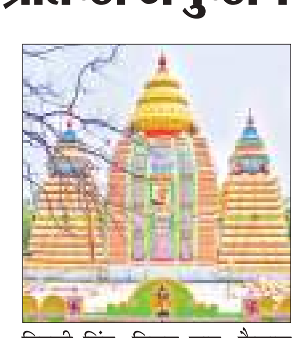

रांची रेलवे स्टेशन स्थित नवनिर्मित बगलाशिव संकटमोचन मंदिर, प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर शनिवार को भव्य कलश शोभायात्रा निकाली जायेगी. इसी के साथ पांच दिनी अनुष्ठान शुरू हो जायेगा, जो एक मई तक चलेगा. विद्वान पुरोहित नेम-निष्ठा से हनुमानजी, मां बगलामुखी और बाबा भोलेनाथ के शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान संपन्न करायेंगे. साथ ही आम भक्तों के लिए मंदिर का पट खोल दिया जायेगा. इस मौके पर वृहत रूप में भंडारा चलाया जायेगा. मुख्य संरक्षक मुकुंद नायक, संरक्षक मनपूरण नायक, विजय सिंह, विनय अग्रवाल, अशोक वर्मा, उपेंद्र यादव, विक्की सिंह, विजय साहू, कैलाश केशरी, छतरधारी महतो, राधेश्यम केशरी, रवि सिंह, जनार्दन शाह, अविचल सिंह, अध्यक्ष मुनचुन राय, कार्यकारी अध्यक्ष मुन्ना कच्छप, महामंत्री बदल थापा, दिनेश तांती, हीरा राय,रेखा महतो इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दे रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

सिल्ली में रामायण पाठ यज्ञ अनुष्ठान का समापन

सिल्ली। प्रखंड के इतिहासा के बजरंगबली मंदिर परिसर में तीन दिवसीय अखंड रामायण पाठ का शुक्रवार को समापन हो गया. हवन-पूजन एवं कलश विसर्जन के साथ महायज्ञ की पूर्णाहुति दी गयी. अनुष्ठान के दौरान झारखंड एवं बंगाल से आये रामायण मंडलियों ने चौपाई का पाठ किया. रामायण मंडली के कलाकारों ने आयोजन के दौरान अलग-अलग प्रसंगों पर आधारित भजन-कीर्तन की प्रस्तुति की. यज्ञ आयोजन में गांव के दिलीप कुमार महतो,

शिव भक्तों ने दिया आस्था का परिचय

अनगड़ा। फूलखूंदी, झुलन व जागरण के साथ सिमलिया में नौ दिवसीय शिव मंडा पूजा अनुष्ठान का समापन हो गया. फूलखूंदी में 101 शिव भक्त शामिल हुए. इस दौरान भोक्ताओं ने नंगे पांव दहकते अंगारों पर चल आस्था का परिचय दिया. महिलाओं ने श्रद्धा के फूल आंचल में लिये. जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता जैलेंद्र कुमार ने किया. इस अवसर पर बंगाल के कलाकारों ने छऊ नृत्य की प्रस्तुति की. मौके पर

आगसे बिचाली जल कर राख,हजारों का नुकसान

सोनाहातू । नीमडीह के राधामोहन महतो के खलियान में रखे बिचाली चाकी में आग लग जाने से 40 हजार रुपए का बिचाली जलकर राख हो गया. धुआं देखने से लोगों को आग लगने की जानकारी हुई आनन फानन में आग बुझाने का प्रयास किया जाने लगा लेकिन बिचाली जल चुका था. सूचना मिलने पर सोनाहातू मुखिया बिकास मुंडा ने घटनास्थल का पहुँचे.पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सरकारी स्तर पर मिलने वाली मुआवजा के लिये अंचल कार्यालय पर अभिलम्ब आवेदन जमा करने को कहा.

कुल्डा जंगल में पेड़ से झूलता मिला युवक

तोरपा । थाना क्षेत्र के कुल्डा जंगल में विनोद गोप (30) नामक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. शुक्रवार को उसका शव जंगल में एक पेड़ पर झूलता पाया गया. जानकारी के अनुसार वह गिरूम गांव का रहनेवाला था. बताया जाता है कि विगत तीन दिनों से घर से लापता था. जानकारी मिलने पर तोरपा पुलिस वहां पहुंची तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है.

इटकी में सरना प्रार्थना सभा का हुआ आयोजन

इटकी । सरना समिति कुंदी के तत्वावधान में कुंदी सरना स्थल में रविवार को सरना प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है. जिसमे पाहनो द्वारा विधिवत पूजा अर्चना, भजन व वक्ताओं द्वारा विचार व्यक्त किया जाएगा. सांध्य प्रसाद वितरण किया जाएगा . मुख्य वक्ता के रूप में धर्मगुरु बंधन तिगा, धर्म अगुवा रानी उरांव, जोस्फीना व केंद्रीय सरना समिति भारत के अध्यक्ष नारायण टोप्पो को आमंत्रित किया गया है.

कमड़े में छात्रों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली

रांची। लोकसभा चुनाव को लेकर गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, कमड़े के छात्रों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली. रैली फ्रेंड्स कॉलोनी पंडरा से हाजी चौक, काठीटांड़ तक गयी. छात्रों ने नुक्कड़ नाटक मतदाता हो अधिकार पहचानो, जागरूक बनो और बनाओ प्रस्तुत किया. साथ ही छात्रों ने "इको फ्रेंडली पेपर बैग" भी वितरित किया और लोगों की अनुमति से जागरूकता स्टीकर भी चिपकाया. छात्रों ने लोगों से वोट देने का आग्रह किया.

पर्यावरण संरक्षण की मुहिम : भीषण गर्मी में जलस्त्रोतों का दोहन कर रहे ईंट भट्ठा संचालक, हाथ पे हाथ रख कर बैठे हैं

नियम-कानून को जेब में रख ईंट भट्ठा संचालकों ने स्थापित कर रखा है

- महुदा क्षेत्र में दर्जनों बंग्ला ईंट भट्ठों का हो रहा है संचालन
- अधिकारियों की खामोशी से कार्यशैली पर उठ रहे सवाल

राम पांडेय/अब्दुल हमीद अंसारी

महुदा (कतरास)। सरकारी बाबूओं की उदासीनता के कारण कतरास, बाघमारा, मधुबन, बरोरा, महुदा सहित अन्य क्षेत्र में अवैध ईंट भट्टों का संचालन बेरोकटोक फल-फूल रहा है. अवैध ईंट भट्ठों के संचालकों ने नियम-कानून को जेब में रख कर अपना साम्राज्य स्थापित कर रखा है.

महुदा क्षेत्र की बात करें, तो सिंगड़ा, पाण्डेडीह, चरकीटांड, बागड़ा, हाथुडीह, तारगा, कांडरा, तैलमोचो, लोहापट्टी, पीपराटांड़ सहित अन्य स्थानों पर दर्जनों बंग्ला ईंट भट्टा संचालित हैं. इन ईंट भट्टों में चोरी का कोयला व बालू का उपयोग किया जाता है. इसके साथ ही इलाके के नदी, तालाब, कुंआ, एवं चापानल के पानी से ईंट निर्माण के लिए मिट्टी की सनाई से लेकर भट्ठों की आग बुझाने का काम होता है. इस भीषण गर्मी में इन कारणों से इलाके में पानी की समस्या उत्पन्न हो रही है. वहीं, पर्यावरण को दूषित करने वाले अवैध ईट भट्ठों के संचालक मालामाल हो रहे हैं. बावजूद इसके शासन प्रशासन व संबंधित विभाग कार्रवाई करने के बजाय हाथ पे हाथ रख कर बैठा है. संबंधित अधिकारियों की खामोशी उनके कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रही है.

लालचक के ईंट भट्ठा में जल रहा बचपन

कतरास। रामकनाली ओपी इलाके के लालचक एसबीएफ ईंट भट्टा में बाल श्रम कानून को ठेंगा दिखा कर बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है. मिट्टी गुथाई से लेकर ईंट ढुलाई तक के कार्य में बच्चों को लगाया जा रहा है. ईंट भट्ठा संचालक पैसे का प्रलोभन देकर न केवल बच्चों का शारीरिक शोषण, बल्कि उनकी जीवन के साथ भी खिलवाड़ कर रहे हैं. इस प्रचंड गर्मी में भी एसबीएफ ईंट भट्ठे में संचालक को नौनिहालों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ करने में तनिक भी संकोच नहीं हो रहा है. गुरुवार को 'शुभम संदेश' की टीम उक्त ईंट भट्टे में जब पहुंची, तो आधा दर्जन से अधिक बाल मजदूर मजदूरी करते दिखे. हालांकि टीम को देख कर संचालक तुरंत बाल मजदूरों को वहां से हटाने लगा. तभी 'शुभम संदेश' के संवाददाता ने आठ साल के एक बाल मजदूर को मजदूरी करते हुए उसकी पहचान छिपाते हुए सबूत के तौर पर तस्वीर उतार ली.

पानी बना परेशानी का सबब, हर चुनाव में मिलता है सिर्फ आश्वासन का घूंट

फिर भी अधूरी रह जाती प्यास

रणजीत कुमार सिंह। धनबाद

लोकसभा चुनाव हो या विधानसभा, हर चुनाव में यहां के लोगों का बस एक ही सवाल होता है पानी. हर बार यहां की हजारों की आबादी को आश्वासन का घूंट मिलता है, तो उम्मीदें जगती हैं कि शायद इस बार उनके प्यासे हलक तर हो जाएंगे. लेकिन हर बार चुनाव खत्म होने के बाद फिर से चुनाव आने तक उनकी प्यास अधूरी रह जाती है. एक बार फिर चुनाव सामने और मौसम भी गर्मी का है, साथ में वही पुरानी प्यास की शिद्दत भी कायम है.

एक दर्जन इलाके बिना पानी के झेल रही गर्मी : झरिया प्रखंड के लगभग एक दर्जन से अधिक इलाके के लोग पानी के लिए त्राहिमाम करते आ रहे हैं. इन इलाकों में विक्ट्री, चांदमारी, लिवट्री, इंडस्ट्री, ऐना इस्लामपुर, भगतडीह, बस्ताकोला, भेड़ाकाटा, बंगालीकोठी, मांझी बस्ती लाहेबेड़ा, सोनार बस्ती, सहित कई बस्ती है. यह सारे इलाके वार्ड संख्या 34 और 35 के अंतर्गत आते हैं. इन इलाकों की आबादी लगभग 50 हजार से भी अधिक है.

प्रधानमंत्री जलापूर्ति योजना के तहत मुख्य मार्ग में पाइप तो बिछ गयी. लेकिन, इस पाइपलाइन में फिलहाल तक पानी तक नहीं आया है. यहां तक कि इस पाइपलाइन का कनेक्शन बहुत सारी बस्तियों में अभी भी नहीं हुआ है. इन इलाकों में भगतडीह स्थित माडा जलागार से पाइपलाइन के जरिए इन इलाकों में जलापूर्ति होती है.

कनेक्शन बढ़ने से नहीं मिल रहा पर्याप्त पानी : क्षेत्र के पूर्व सरपंच भोलानाथ गोस्वामी समेत अन्य

100 से 300 रुपये तक में ठेले पर बेचते हैं पानी

1992 में बस्ताकोला में बिछाई थी पाइपलाइन

वर्ना ठेले वाले से खरीदना पड़ता है पानी

इन इलाकों में जो भी कनेक्शन हैं, उनमें दो से तीन दिन के बाद एक से दो घंटे के लिए पानी की आपूर्ति होती है. फिर पानी के लिए लोगों को आपाधापी करनी पड़ती है. काफी मशक्कत के बाद पीने का 30 से 40 लीटर मिल गया तो ठीक है, वरना ठेले वाले से पानी खरीद कर पीना पड़ता है. अन्य कामों के लिए पोखरिया का पानी गैलेन से व्यवस्था करना पड़ता है. लोगों का कहना है कि बस्ताकोला पोखरिया में कई लोगों को डूबने से मौत हो चुकी है.

डेढ़ किमी दूर से पानी ढोकर लाते हैं चांदमारी के

1992 में बीसीसीएल ने विक्ट्री खदान से बस्ताकोला मे पीटवाटर सप्लाई के लिए पाइपलाइन बिछाई थी, वह भी क्षतिग्रस्त हो गई है. वार्ड 34 के चांदमारी और वार्ड 35 के इंडस्ट्री भुईयां बस्ती में पीने के पानी का कनेक्शन नहीं है. एक कुआं तक नहीं है. इनलोगों को दूसरे जगह भटक कर पानी जुगाड़ करना पड़ता है. चांदमारी के लोग झरिया-धनबाद मुख्य मार्ग स्थित धनसार पानी टंकी से डेढ़ किलोमीटर दूर जाकर पानी का

पानी से ही चल रही है आजीविका : साव

विशुन साव ने बताया कि सप्लाई पाइप के फटने से ही उनकी रोजी-रोटी चल रही है. क्योंकि यहां से पानी भर कर वे और उनके जैसे करीब दो दर्जन ठेले वाले अपने परिवार की जीविका चला रहे हैं. एक ठेले की कीमत 100 से 300 रुपये तक लेते हैं. वे लोग घरों के साथ-साथ आसपास के होटल वालों को भी यहां से पानी की सप्लाई करते हैं. हालांकि अब पहले की तरह प्रेशर नहीं होने के कारण यहां से पानी कम मिलने लगा है.

बालू की चाल धंसने से मजदूर की मौत

चान्हो। थाना क्षेत्र के सिलागाई नदी से बालू निकालने के दौरान चाल धसने से चांपाडीह निवासी अनिल उरांव नामक युवक की मौत हो गई. पच्चीस वर्षीय अनिल उरांव ट्रैक्टर में मजदूरी करता था. घटना गुरुवार देर शाम की है. बताया जाता है कि अनिल उरांव एक ट्रैक्टर चालक के साथ अबुवा आवास के लिए बालू लाने सिलागांई नदी गया था. बालू की कमी को लेकर सिलागांई नदी में इन दिनों सुरंगनुमा गड्ढा बनाकर बालू की निकासी होती है. अनिल भी सुरंग में घुसकर अकेले ही बालू निकाल रहा था. इसी दौरान अचानक ऊपर का बालू धंस गया और अनिल उरांव उसके नीचे दब गया. बाद में बाहर खड़े चालक की सूचना पर अनिल उरांव को वहां से निकालकर मांडर स्थित एक निजी अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

घर में लगी आग, सारा सामान जलकर हुआ खाक

चान्हो । थाना क्षेत्र बलसोकरा स्थित मदरसा चौक में तबरेज आलम के घर में शॉर्ट सर्किट से शुक्रवार सुबह में आग लगने से घर में रखे नगद सहित सारा सामान जलकर राख हो गया है. तबरेज आलम ने बताया कि व घर पर नहीं थे बच्चा बीमार था उसी को दिखाने के लिए गुरुवार को अस्पताल ले गए थे और लौट के क्रम में चान्हो स्थित ससुराल में ही रुक गए थे. सुबह उनके घर वालों के द्वारा आग लगने की सूचना दी गई. बताया जाता है कि जैसे ही आग लगी और उनके भायों और आसपास के लोगों के द्वारा आग पर काबुक पानी की कोशिश की गई मगर तब तक घर में रखे गए नगद सहित सारा सामान जलकर राख हो गया. तबरेज आलम के द्वारा बताया गया कि इस आग लगी से कम से कम तकरीबन 6 से 7 लख रुपए तक का उनको नुकसान हुआ है.

न्यूज अपडेट

तीन दिवसीय रामचरित मानस कथा पाठ का समापन

सोनाहातू। प्रखंड के सरेयाद गांव में शुक्रवार सुबह दिन दिवसीय रामचरित मानस कथा पाठ का समापन किया गया. इसके पूर्व संध्या पर गांव के महिलाओ के द्वारा भव्य कलश यात्रा नदी से निकाली गयी.पंडित बुदून पांडेय द्वारा विधिवत पूजन के बाद कलश यात्रा प्रारंभ हुई. कथा स्थल में कलश स्थापना कर रामदरबार की स्थापना किया गया. तीन दिन तक ग्रामीणों ने राम प्रतिमा पर पूजा अर्चना भी किये. आयोजन में मुखिया सावना महली, दिनेश महतो, मिहिर महतो, अंनत राम महतो, हबलु सिंह मुंडा, अचरज सिंह मुंडा, नवीन महतो, नरेश महतो, विनोद महतो आदि

शिव मंदिर का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया

नामकुम । प्रखंड के हरातू शिव मंदिर में स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया . सैंकड़ों ग्रामीण पूजा उपासना में भाग लिए . मंदिर के पुजारी मधुसूदन पांडे के द्वारा मंदिर प्रांगण में वैदिक मंत्रोंचारण के साथ कलश स्थापना गौरी गणेश , मातृका, नवग्रह के पूजन के साथ रुद्राभिषेक कियाण् वहीं 22 जनवरी से आरंभ रामचरितमानस पाठ का समापन किया गया . हवन एवं खिचड़ी महाभोग प्रसाद का वितरण किया गया . कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सिल्वे पंचायत मुखिया नूतन पाहान रहें . मौके पर एक्यूप्रेशर परिषद झारखंड शाखा के सचिव डॉ मधुसूदन पांडे, राजेश मिश्रा ,विष्णु मुंड, सुमित्रा देवी,सिंधु महतो, भोलानाथ ठाकुर, सिमी कुमारी, पूनम देवी, कौशल्या देवी, मुन्नी देवी, आरती कुमारी, रोहित कच्छप, सिमरन कुमारी ,राम चरण पाहन, होलिका देवी, राजू महतो,

बरगड़ी को 'जीरो ड्रॉपआउट पंचायत' बनाने का संकल्प

मांडर। पिरामल फाउंडेशन के एस्पिरिनेशनल भारत कोलाबोरेटिव्ह के सहयोग से बरगड़ी पंचायत में मुखिया लक्ष्मण भगत की अध्यक्षता में पंचायत को 'हमारा संकल्प जीरो ड्रॉपआउट पंचायत' बनाने के लिए पंचायत सचिवालय में बैठक की गई. इस बैठक में पंचायत के पंचायत सचिव, प्रधान सचिव, वार्ड सदस्य, प्रधान्याध्यापक, स्वयं सहायता महिला, आंगनबाड़ी सेविका, स्वास्थ सहिया, जल सहिया, एएनएम, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष और कई जनप्रतिनिधि उपस्थित थे. मुखिया लक्ष्मण भगत जी ने कहा की, वंचित छात्र-छात्राओं को अविलम्ब विद्यालय सेजोड़ा जाना चाहिए ताकि सरकार और संस्था का कार्य पूरा हो सके. इस बैठक में पंचायत सचिव लम्पा भेंगरा, राजू खलखो, एगनेग एक्का, और पिरामल फाउंडेशन से एस्पिरिनेशनल भारत कोलाबोरेटिव्ह के निखिल सिंह और सत्यम तिवारी उपस्थित थे.

नवनियुक्त प्रखंड अध्यक्षों को प्रमाण पत्र वितरित किया

मांडर। प्रखंड के मुड़मा में शुक्रवार को ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस की रांची जिला इकाई की एक बैठक जिला अध्यक्ष शमीम अख्तर की अगुवाई में आयोजित की गई. बैठक में रांची जिला के सभी प्रखंड के अध्यक्षों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया . साथ ही वर्तमान चुनावी परिप्रेक्ष्य में एक दूसरे का फीडबैक भी लिया गया. बैठक में सभी अध्यक्षों ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि इंडिया महागठबंधन द्वारा मुसलमान के साथ अन्याय किया गया है . बैठक में सभी प्रखंड अध्यक्षों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुए शमीम अख्तर द्वारा निर्देश दिया गया कि दो दिनों के अंदर प्रखंड कमेटी तैयार कर जिला को समर्पित करें. इस अवसर पर रांची जिला उपाध्यक्ष जुल्फिकार अली, जिला सचिव क्यूम अंसारी, एनुअल अंसारी, तनवीर अहमद, नईम अंसारी, गफार अंसारी, मुबारक अंसारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

डॉ अभिषेक सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चतरा सीट से किया नामांकन

संवाददाता। चतरा

चतरा लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक कुमार सिंह (एमडी एम्स नई दिल्ली) ने शुक्रवार को अपना नामांकन समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में जिला निर्वाचन पदाधिकारी रमेश घोलप के समक्ष दाखिल किया. नामांकन के बाद डॉ अभिषेक ने होटल सेलिब्रेसन इन से चतरा शहर में रोड़ शो किया. वहीं नामांकन के बाद डॉ. अभिषेक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह चुनाव चतरा लोकसभा क्षेत्र की जनता के आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने वाला चुनाव है. चतरा लोकसभा की जनता को शिक्षित और कर्मठ सांसद चाहिए और जनता ने तय कर लिया है. मैं पिछले तीन वर्ष से चतरा, पांकी, लातेहार, मनिका और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के कई गांवों में स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने को लेकर कार्य करते हुए समाजसेवा के जरिए जरूरतमंदों को निःशुल्क दवा व चश्मा वितरण करने के साथ आंख का ऑपरेशन करने का काम किया है.

पिपरवार क्षेत्र में भीषण गर्मी ने मचाई तबाही

संवाददाता। पिपरवार

पिपरवार कोयलांचल में पड़ रही प्रचंड गर्मी से क्षेत्र के लोग परेशान हैं, पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में लगातार गर्मी का तापमान बढ़ता ही जा रहा है. यहां 39 डिग्री तापमान के चलते लोगों को घरों से निकलना दूभर कर दिया है . इसके बावजूद भी सार्वजनिक स्थान एवं चौक चौराहों पर पानी प्याऊ केन्द्र नहीं बनाया गया है . जिससे क्षेत्र के स्थानीय राय रेलवे स्टेशन एवं बस स्टेंड से उतरकर अपने गंतव्य की ओर जाने वाले राहगीरों समेत यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है . वहीं पिपरवार क्षेत्र में सीसीएल प्रबंधन सहित काफी जनप्रतिनिधि व पंचायत प्रतिनिधि एवं पिपरवार पुलिस प्रशासन भी है . इसके बावजूद कोयलांचल क्षेत्र के किसी भी कोने में प्याऊ केंद्र नहीं बनाया गया है . जहां लोग इस प्रचंड गर्मी में अपनी प्यास बुझा सके . पिपरवार थाना क्षेत्र के किसी भी चौक चौराहों तथा बाजारो में शुद्ध पेयजल को लेकर प्याऊ नहीं बनाया गया है .

खास बातें
- 39 डिग्री जा पहुंचा कोयलांचल का तापमान
- पिपरवार अभी तक नहीं खुला एक भी प्याऊ

शादी विवाह के लगन को लेकर लोग अपनी आवश्यक खरीदारी को लेकर क्षेत्र के बाजारों में आते तो हैं लेकिन इन लोगों की प्यास कौन बुझाए . जबकि इन क्षेत्रों से रांची, चतरा , हजारीबाग रामगढ, पलामू सहित अन्य स्थानों के लिए दर्जनों बसें यहां से हर दिन चलती है . इसके अलावा सैकड़ो छोटे वाहन का इन क्षेत्रों से परिचालन होता है . बाजार एवं चौक चौराहों पर पेयजल का प्याऊ नहीं होने के कारण राहगीर और यात्रियों को महंगे दाम पर बोतल का ठंडा पानी खरीदने को मजबूर है .

मतदान **दिव्यांगजनों को वाहन, व्हील - चेयर, गृह-मतदान की सुविधा प्रदान की**

दिव्यांग,धात्री, वृद्धों के शत प्रतिशत मतदान लिए विशेष व्यवस्था होगा : सीओ

सुनील कुमार गुप्ता। बेड़ो

"झारखंड दिव्यांग जागृति महासंघ, छोटानागपुर सांस्कृतिक संघ की ईकाई" के सदस्यों ने बेड़ो प्रखंड में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए मतदाता जागरूकता पदयात्रा कर आम जनता को मतदान करने के लिए जागरूक किया . इस अवसर पर प्रखंड के अंचलाधिकारी प्रताप मिंज, मनरेगा के बीपीओ संजय तिर्की एवं सांसद प्रतिनिधि राकेश भगत एवं धनंजय कुमार राय ने संयुक्त रूप से यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा स्वयं भी दिव्यांगजनों के साथ शामिल हुए. यात्रा के पूर्व एक सभा की गयी. जिसको संबोधित करते हुए अंचलाधिकारी प्रताप मिंज ने कहा कि इस बार चुनाव आयोग ने

दिव्यांगजनों गर्भवती धात्री माताओं, वृद्धों एवं बीमार लोगों के शत प्रतिशत मतदान लिए विशेष व्यवस्था की है , जिसमें उनके लिए वाहन, व्हील - चेयर, गृह-मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी. वहीं दूसरी ओर बीपीओ संजय तिर्की ने मतदान आचारसंहिता तथा चुनाव की तकनीकी जानकारियां दी. दिव्यांग नेता जेडीजेएम के जिला प्रभारी अशोक महतो, प्रखंड प्रभारी लालू उराँव एवं मुखिया सह जेडीजेएम सदस्य कुँवारी खलखो ने भी संबोधित किया . उन्होंने कहा कि आरपीडी एक्ट 2016 बनने के बाद दिव्यांगजन ज्यादा सशक्त हुए हैं, लोकतंत्र के इस पर्व में इनके भागीदारी के लिए निर्वाचन आयोग ने विशेष पहल की है, परन्तु इसके बाद भी कुछ मुद्दे हैं जिसके सम्बन्ध में लोकसभा क्षेत्र के सभी उम्मीदवारों को दिव्यांगजनों के द्वारा ज्ञापन सौंपा जायेगा . इस मौके पर संस्था की सचिव डॉ सचि कुमारी की अनुपस्थिति में उनके संदेश को साझा किया गया. सचि कुमारी ने अपने संदेश में कहा कि इस बार शत प्रतिशत मतदान जरूरी है. कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्था की अर्चना आईन्द, करमी कुमारी, सुनील महतो, सुनीता कुजूर, बसंत स्वांसी,लालु उराँव ललीता मिंज सुनीता कुजूर अशोक महतो रामदेव महली , जीता उराँव, संजय राम, बालकेश्वर उराँव, कुँवारी खलखो , राधा कुमारी , रीना उराँव, महादेव उरॉव, मनोज महतो सहित अन्य लोगों ने सराहनीय योगदान दिया .

खास बातें
- दिव्यांग जनों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली .
- अंचलाधिकारी ने भी हिस्सा लिया

टीबीजेड में मिलेगा सबसे सस्ता आभूषण

मेकिंग चार्ज पर 50% की छूट

संवाददाता। रांची

आने वाली अक्षय तृतीया को देखते हुए एसी मार्केट, चर्च कॉम्प्लेक्स स्थित टीबीजेड प्रदेशवासियों के लिए खास ऑफर लेकर आया है. यहां सबसे कम दाम पर सोने और हीरे के गहने दिये जाएंगे. साथ ही सोने और हीरे के आभूषणों के मेकिंग चार्ज पर 50 प्रतिशत की छूट भी दी जा रही है.

स्टोर प्रबंधक ने बताया कि इस वर्ष खास अक्षय तृतीया और लगन को देखते हुए विशेष सोने और हीरे की आभूषणों का कलेक्शन लेकर आएं हैं, जो रांचीवासियों को काफी पसंद आयेंगे. इस दौरान टीबीजेड में सबसे कम कीमत पर सोने के आभूषण मिलेंगे. स्टोर प्रबंधक ने

कहा कि ग्राहक आज से ही आज के मूल्य से अक्षय तृतीया के लिए अपने पसंदीदा आभूषण बुक करा सकते हैं. यह ऑफर 12 मई तक चलेगा.

साथ ही साथ उन ग्राहकों का खास ख्याल रखा गया है, जो लाइट वेट आभूषण पहनते हैं. जल्द ही 18 कैरेट में भी सोने के आभूषण उपलब्ध होंगे. इस मौके पर फ्रेंचाइजी ऑनर संजय राजगढ़िया, संचित राजगढ़िया, स्टोर मैनेजर निधि शरण और मार्केटिंग मैनेजर सुदीप उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष आठवें चंद्रमा नीच का है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. दुष्टजनों से बचकर रहें. दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. लाल फूल माता दुर्गा को अर्पण करें. मंदिर में मिठाई का दान करें.

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ रहेगा. प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे. भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है. प्रसन्नता रहेगी. इतर का दान करें.

मिथुन मौसमी बीमारियों से बचें. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें. वाणी पर नियंत्रण रखें. चिंता तथा तनाव बने रहेंगे. नौकरी में कार्यभार रहेगा. आपके कार्य के प्रभाव से व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

कर्क शिक्षा में लापरवाही नुकसान देगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नया कार्य करने का मन बनेगा. निवेश शुभ रहेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी. अच्छे सच्चे मित्र मिलेंगे.

सिंह किसी महिला से विवाद हो सकता है. व्यापार-व्यवसाय की कार्यप्रणाली में सुधार होगा. सामाजिक सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. चोट व रोग से बाधा की आशंका है.

कन्या कारोबार से लाभ में वृद्धि के योग हैं. कोर्ट व कचहरी इत्यादि में स्थिति अनुकूल रहेगी. किसी विवाद में विजय प्राप्त हो सकती है. व्यापार में नए काम मिल सकते हैं. किसी नए कार्य का चिंता रहेगी. दुष्टजनों से बचकर रहें.

तुला मशीनरी इत्यादि के प्रयोग में सावधानी रखें. शारीरिक कष्ट से बनते कामों में विघ्न हो सकता है. स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. चिंता रहेगी.

वृश्चिक कोर्ट व कचहरी तथा सरकारी कार्यालयों में रुके कामों में गति आएगी. विवाद का हल हो सकता है. जीवनसाथी को भेंट व उपहार देने का अवसर प्राप्त होगा. प्रसन्नता रहेगी. पारिवारिक सहयोग मिलता रहेगा. आय में वृद्धि होगी.

धनु समय शुभ है. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. आय में वृद्धि होगी. पार्टनरों से मतभेद दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी. किसी से विवाद की आशंका है. मानहानि हो सकती है, सावधान रहें.

मकर दिन खुशनुमा होगा. किसी मनोरंजक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है. विद्यार्थी वर्ग अपने कार्य सफलतापूर्वक कर पाएंगे. परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी. मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा.

कुंभ किसी व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है. भागदौड़ के चलते स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है. लापरवाही न करें. किसी दुःखद समाचार मिलने की आशंका है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा.

मीन कोई यात्रा का योग है.धर्म मे मन लगेगा. शारीरिक कष्ट की आशंका है. प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी. किसी बड़े कार्य को करने की इच्छा प्रबल होगी. कारोबार अच्छा चलेगा. अपने इष्ट देवता का पूजन करें.

क्या चतरा सीट से भाजपा लगा पायेगी जीत की हैट्रिक

संवाददाता। आशीष टैगोर

चतरा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी कालीचरण सिंह ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए शुक्रवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है. इससे पहले वर्ष 2014 और 2019 चतरा संसदीय क्षेत्र में सुनील सिंह लगातार ने दो भाजपा को जीत दिला चुके हैं. लेकिन दो बार के सीटिंग एमपी सुनील सिंह को तीसरी बार टिकट नहीं दिया. उनके स्थान पर भाजपा नेतृत्व ने कालीचरण सिंह पर दांवा खेला है. लेकिन क्या कालीचरण सिंह चतरा सीट से भाजपा को जीत की हैट्रिक दिला पायेगें, यह तो आगामी चार जून को पता चल पायेगा. लेकिन इतना तो तय है कि भाजपा के लिए चतरा सीट को बचाना कम चुनौतीपूर्ण नहीं है. जब से कालीचरण सिंह को भाजपा ने अपना प्रत्याशी बनाया है, तब से उनका विरोध किया जा रहा है. हालांकि बाद में विरोध का स्वर धीरे धीरे मध्यम अवश्य पड़ गया है.

धरना पर बैठ गये थे राजधनी यादव

खास बातें

- 1996 में चतरा में खुला था भाजपा का खाता
- एक बार दूसरे व एक बार तीसरे स्थान पर रही थी

कालीचरण सिंह को चतरा से टिकट देने के विरोध में वरीय भाजपाई राजधनी प्रसाद यादव तो प्रदेश कार्यालय में धरना पर बैठ गये थे. उनका कहना था कि ऐन मौके पर उनका नंबर काट कर एक ऐसे व्यक्ति को दे दिया गया जो हाल ही में दूसरे दल से भाजपा में आये थे. दूसरी ओर भाजपा का एक बड़ा कुनबा भी दबी दुबान से कालीचरण सिंह का विरोध कर रहा है और अंदर ही अंदर खिचड़ी पका रहा है. वहीं क्षेत्र का पिछड़ा, ओबीसी और वैश्य समुदाय के लोग भी चतरा से किसी पिछड़ा वर्ग का प्रत्याशी नहीं बनाने पर खफा है. पिछड़ा और वैश्व समुदाय को भाजपा का वोट बैंक कहा जाता है. बताया जाता है कि वैश्य समुदाय किसी कदावर नेता को निर्दलीय लड़ाने के मूड में है. ऐसे में यहां भाजपा के वोट कई भागों में बंट सकता है और यह भाजपा के लिए नुकसानदेय होगा.

केएन त्रिपाठी ने कालीचरण सिंह को बताया बाहरी प्रत्याशी

दूसरी ओर इंडी गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह को बाहरी प्रत्याशी बता कर एक नया शगूफा छोड़ा है. पिछले दिनों एक कार्यक्रम में त्रिपाठी ने खुद को चतरा लोकसभा क्षेत्र का खतियानी और कालीचरण सिंह को बाहरी कहा था. उन्होंने कहा कि था कालीचरण सिंह मास्टरी करने बिहार से चतरा आये थे. जबकि उनके पूर्वजों के लोगो के पास 1532 का खतियान है और लातेहार जिला के मनिका प्रखंड के रांकी ग्राम के खतियानी रैयत हैं. राजा मेदिनीराय ने उनके पूर्वजों को वहां पांच गांव दिये और पुजारी नियुक्त किया था.

1996 में खुला था भाजपा का खाता

चतरा लोकसभा सीट से भाजपा ने चार बार जीत हासिल की है. सबसे पहले वर्ष 1996 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का चतरा से खुला था. भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल ने जनता दल के कृष्णा नंदन प्रसाद को हराया था. वर्ष 1998 के मध्यावधि चुनाव में भी भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल ने राजद के नागमणि को हराया था. इसके बाद साल 2014 और 2019 भाजपा के सुनील सिंह ने भाजपा को चतरा से जीत दिलायी थी. इससे पहले 1991 के लोकसभा के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी इंदर सिंह नामधारी तीसरे स्थान पर और 1996 भाजपा के धीरेंद्र अग्रवाल को दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा था.

केएन त्रिपाठी 30 अप्रैल को नामांकन दाखिल करेंगे शामिल होने का आह्वान

तरहसी/पलामू। चतरा से कांग्रेस उम्मीदवार केएन त्रिपाठी का नामांकन 30 अप्रैल को होगा. इसमें लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रखंड मुख्यालय में के एन त्रिपाठी ने बैठक की. बैठक की अध्यक्षता खुर्शीद आलम व संचालन पूर्व प्रमुख अमुक प्रियदर्शी ने किया. अमुक प्रियदर्शी ने कहा कि पार्टी हर एक स्तर पर मजबूत है और अब हमें गांव की ओर चलने की जरूरत है. प्रखंड के अध्यक्ष अब गांव की ओर जाकर लोगों को समझाएं और पार्टी के आने वाले एजेंडा के बारे में बताएं कि लोकल प्रत्याशी जो आप लोग लंबे समय से मांग कर रहे थे. के एन त्रिपाठी 1532 ई. के खतियानी हैं, जो चतरा लोकसभा से चुनाव लड़ रहे हैं. मौके पर चतरा लोकसभा से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी केएन त्रिपाठी ने कहा कि गरीब बेरोजगार को रोजगार देने संबंधित एजेंडा तैयार किया गया है और पार्टी हर एक बूथ स्तर पर एक कमेटी का गठन करेगी, जो बेरोजगारों को चिन्हित कर बताएगी.

कांग्रेस कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है

एसटी-एससी, ओबीसी का हक छीनना कांग्रेस का हिडेन एजेंडा : अमित मंडल

संवाददाता। रांची

भाजपा विधायक और प्रदेश प्रवक्ता अमित मंडल ने कहा है कि एसटी, एससी और ओबीसी का हक छीन कर मुसलमानों को देना कांग्रेस और इंडी गठबंधन का हिडेन एजेंडा है. कांग्रेस कहती है कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है, जबकि पीएम मोदी कहते हैं कि देश के संसाधनों पर पहला हक गरीबों का है. कांग्रेस और भाजपा में यही बड़ा अंतर है. भाजपा हमेशा से सबका साथ-सबका विकास की पक्षधर रही है, जबकि कांग्रेस का इतिहास हमेशा तुष्टिकरण की घटिया और घिनौनी राजनीति से भरा रहा है. कांग्रेस को पिछड़े, दलित और आदिवासियों से नफरत है. उनके घोषणा पत्र में भी तुष्टीकरण स्पष्ट दिखाई दे रहा है. मंडल भाजपा के मीडिया सेंटर में मीडिया से बात कर रहे थे.

मनमोहन सिंह के बयान से खास वर्ग के प्रति कांग्रेस के प्रेम पता चलता है : मंडल ने कहा कि 6 दिसंबर 2006 को तत्कालीन पीएम मनमोहन सिंह ने कहा था कि 'अल्पसंख्यकों, विशेष रूप से मुस्लिम अल्पसंख्यकों को विकास के लाभों में समान रूप से हिस्सा लेने का अधिकार मिले. संसाधनों पर पहला अधिकार उनका होना चाहिए. हमें ऐसी योजनाएं बनानी होंगी.'मंडल ने कहा कि इससे एक खास वर्ग के प्रति कांग्रेस के अगाध प्रेम को समझा जा सकता है. मनमोहन सिंह ने यह बयान गलती से नहीं दिया था, बल्कि जानबूझ कर दिया था, क्योंकि 13 अप्रैल 2009 को फिर से मनमोहन सिंह ने मुंबई में प्रेस कांफ्रेंस में एक प्रश्न का जवाब देते हुए अपने बयान को सही ठहराया था.

एसटी-एससी, ओबीसी के अधिकारों पर डाका डालना कांग्रेस की पुरानी आदत

विधायक मंडल ने कहा कि कांग्रेस की एसटी, एससी और ओबीसी के अधिकारों पर डाका डालने की आदत बहुत पुरानी है. यहां तक कि बाबासाहब भीमराव अंबेडकर ने भी 27 अक्टूबर 1951 को कहा था कि "पिछले 20 वर्षों में पंडित नेहरू ने दो हजार भाषण दिए हैं, लेकिन उन्होंने एक बार भी अनुसूचित जाति के कल्याण के बारे में बात नहीं की है. इससे आप अंदाजा लगा सकते हैं कि कांग्रेस पार्टी को हमारे लोगों के प्रति कितनी सहानुभूति है. पंडित नेहरू हमेशा मुसलमानों के पक्ष में रहते हैं. हम नहीं चाहते कि मुसलमानों की उपेक्षा की जाए, लेकिन यह जरूर चाहते हैं कि मुसलमानों को अन्य समुदायों की कीमत पर अनुचित लाभ नहीं उठाना चाहिए.

स्क्रूटनी में चार लोकसभा सीटों से 18 प्रत्याशियों के नामांकन रद्द

संवाददाता। रांची

झारखंड में लोकसभा चुनाव के पहले चरण को लेकर दाखिल नामांकन पत्रों की शुक्रवार को स्क्रूटनी हुई. इसमें चार लोकसभा सीटों से 18 प्रत्याशियों का पर्चा रद्द कर दिया गया. खूंटी लोकसभा से नौ, लोहरदगा से दो, सिंहभूम से सात प्रत्याशियों का नामांकन रद्द हुआ. पलामू से किसी भी प्रत्याशी का नामांकन रद्द नहीं हुआ. नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी के बाद फिलहाल मैदान में 47 प्रत्याशी बच गये हैं. हालांकि, नाम वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल है. इसके बाद कोई भी उम्मीदवार अपना नाम वापस नहीं ले सकता है. वहीं, अगर दाखिल किये गये नामांकन की बात करें, तो सिंहभूम लोकसभा सीट से 21, लोहरदगा से 17, खूंटी से 16 और पलामू से 11 लोगों ने पर्चा दाखिल किया था.

लोहरदगा लोकसभा सीट से बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी ललित उरांव व निर्दलीय प्रत्याशी

एतवा उरांव का नामांकन रद्द किया गया. वहीं खूंटी से अबुआ झारखंड पार्टी के सोमा मुंडा, भागीदारी पार्टी के जयपाल मुंडा, अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के समड़ोम गुड़िया, अंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के सामुएल पूर्ति, पीपल्स पार्टी ऑफ इंडिया के थॉमस डांग, झारखंड पार्टी के प्यारा मुंडू, लोकहित अधिकार पार्टी के काशीनाथ संगा, निर्दलीय उम्मीदवार सुबोध पूर्ति और अहलाद का नामांकन रद्द कर दिया गया.

बताया गया कि उम्मीदवारों का पर्चा अलग -अलग कारणों से रद्द हुआ है. इस संबंध में खूंटी के डीसी ने बताया कि कई उम्मीदवारों के प्रस्तावकों की संख्या कम थी, तो कुछ के एफिडेविट में कमियां पायी गयीं. वहीं लोहरदगा लोकसभा सीट की बात करें, तो गुमला के डीसी कर्ण सत्यार्थी ने इस संबंध में मीडिया को विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने कहा कि भरे गये नामांकन प्रपत्र में दो उम्मीदवारों की जानकारियां आधी-अधूरी थीं, इस वजह से उनका पर्चा अस्वीकृत किया गया. हालांकि इस सीट से कुल 18 लोगों ने नामांकन प्रपत्र खरीद था. लेकिन एक प्रत्याशी ईकुस धान नामांकन नहीं कर पाये.

खास बातें

- फिलहाल 47 उम्मीदवार मैदान में, नाम वापसी की अंतिम तिथि 29 अप्रैल
- पलामू से सभी 11 प्रत्याशियों का नामांकन पूरी तरह से सही पाया गया

चतरा: चतरा लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी कालीचरण सिंह नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पांकी के विधायक डॉ एसपीबी मेहता सहित अन्य नेताओं के साथ.

सरफराज अहमद का भतीजा गांडेय से लड़ेगा उपचुनाव

गिरिडीह । सोरेन परिवार के बाद अब गिरिडीह में सरफराज अहमद के परिवार में भी फूट देखने को मिल रहा है. झामुमो ने कल्पना सोरेन को जैसे ही गांडेय विधानसभा उपचुनाव में अपना प्रत्याशी बनाया, वैसे ही सरफराज अहमद के भतीजे और झामुमो के गिरीडीह जिला युवा उपाध्यक्ष फरदीन इम्तियाज ने गांडेय विधानसभा से चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है. वह निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरेंगे. इससे पहले जेएमएम ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन को गांडेय उपचुनाव में अपना उम्मीदवार घोषित किया था.

पेज एक का शेष

दूसरे चरण में 61%...

पीएम मोदी ने जताया आभार : पीएम नरेंद्र मोदी ने मतदान समाप्त होने के बाद एक्स पर लिखा, दूसरा चरण बहुत अच्छा रहा. देशभर में मतदान करने वालों का आभार. राजग को मिला बेजोड़ समर्थन विपक्ष को और अधिक निराश करने जा रहा है. मतदाता राजग का सुशासन चाहते हैं. युवा और महिला मतदाता राजग को मजबूत समर्थन दे रहे हैं. इस बीच, निर्वाचन आयोग ने जानकारी दी कि सोशल मीडिया मंच पर कथित रूप से एक वीडियो पोस्ट करने एवं धर्म के आधार पर वोट मांगने को लेकर भाजपा के सांसद तथा बेंगलुरु दक्षिण से पार्टी प्रत्याशी तेजस्वी सूर्या के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है.

इनके भाग्य ईवीएम में बंद : दूसरे चरण के प्रमुख उम्मीदवारों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, शशि थरूर, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, अभिनेता अरुण गोविल, कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश, कर्नाटक के पूर्व सीएम कुमारस्वामी, हेमा मालिनी, ओम बिरला, निर्दलीय पप्पू यादव और गजेंद्र सिंह शेखावत आदि.

सिंहभूम संसदीय सीट से सात नामांकन रद्द, 14 वैध

किरीबुरु। सिंहभूम संसदीय सीट के प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी में सात परचा को रदद कर दिया गया। 14 नामांकन पत्र वैध पाये गये । वहीं 29 अप्रैल तक नाम वापसी के बाद प्रत्याशियों के बीच चुनाव चिन्ह का वितरण किया जायेगा. वैध पाये गये नामांकन पत्रों में भाजपा से गीतो कोड़ा.झामुमो से जोबा मांझी, बसपा सेपरदेशीलाल मुंडा, झामुमो (उलगुलान) से कृष्णा मार्डी, झापा से चित्रसेन सिंकू, सोशलिस्ट युनिटी सेंटर ऑफ इंडिया (कॉम्युनिस्ट) सेपानमनि सिंह,राइट टू रिकॉल पार्टी से बीर सिंह देवगम, बेडकरराइट पार्टी ऑफ इंडिया से विश्व विजय मार्डी, पीपल्स पार्टी ऑफ़ इंडिया (डेमोक्रेटिक) सेसुधा रानी बेसरा, वहीं निर्दलीय प्रत्याशी के रूप मेंआशा कुमारी रूण्डा, दामोदर सिंह हांसदा, दुर्गा लाल मुर्मू,माधव चंद्र कुंकल,संग्राम माडी के नाम शामिल है. वहीं नाम वापसी की अंतिम तिथि- 29 अप्रैल को अपराह्न 3बजे तक. प्रतीक चिन्ह- 29 अप्रैल को अपराह्न 3 बजे से आवंटित किया जायेगा. स्क्रूटनी में अयोग्य पाए गए अभ्यर्थी में जोन मिरन मुंडा निर्दलीय ,पार्वती किस्कु निर्दलीय ,सुभद्रा बिरुवा निर्दलीय ,हरि उरांव कलिंगा सेना ,अमित सिंकू निर्दलीय ,सुभद्रा सिंकू लोकहित अधिकार पार्टी,तुराम बाकिंरा निर्दलीय के नाम शामिल है.

राजद की बैठक में पंचायत स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय

पलामू में राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को मिलेगा जनता का साथ : कैलाश

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश राजद के पदाधिकारियों की बैठक शुक्रवार को राजद कार्यालय में हुई. बैछक में महागठबंधन की राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को चुनाव में विजयी बनाने की रणनीति तैयार की गयी. बैठक में राजद नेताओं ने कहा कि भाजपा पिछले 10 वर्षों से लगातार खोखले वादे कर रही है. न तो बेरोजगार युवाओं को रोजगार दे पा रही है और न महंगाई पर ही काबू पा रही है. राजद कार्यकर्ताओं से घर-घर जाकर केंद्र की भाजपा सरकार की नाकामियों से लोगों को अवगत करना के अपील की गयी.

राजद के प्मरदेश महासचिव कैलाश यादव ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री की झूठी गारंटी को जनता गंभीरता से नहीं ले रही है, देशवासियों को भाजपा पर भरोसा नहीं है, क्योंकि 10 वर्षो के कार्यकाल में भाजपा ने केवल बड़े-बड़े वादे किये, झूठे सपने दिखाये. भाजपा की जनविरोधी नीतियों के कारण आजाद भारत के इतिहास में पिछले 45 वर्षो में पहली बार देश में बेरोजगारी और महंगाई बढ़ी है. युवा वर्ग अपनी डिग्रियां लेकर भटक रहा है, कहीं भी उन्हें नौकरी नही मिल रही है और न रोजगार का कोई वैकल्पिक साधन मिल रहा है.

यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राजद के लोग पंचायत स्तर पर लोगों को जागरूक करेंगे. पलामू में महागठबंधन से राजद प्रत्याशी को जनता का अपार जनसमर्थन मिल रहा है. निश्चित तौर पर राजद प्रत्याशी ममता भुइयां को जनता का साथ मिलेगा. मौके पर महासचिव आबिद अली, सचिव रामकुमार यादव, श्रमिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुधीर गोप,अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के महासचिव शब्बर फातमी, सचिव शालिग्राम पांडेय, फूलमनी देवी, सनिया बारला आदि मौजूद थे.

फंड की कमी से कार्यकर्ताओं के वाहनों की रफ्तार धीमी

संवाददाता ।किरीबुरु

सिंहभूम संसदीय सीट पर 13 मई को होने वाली मतदान से पूर्व एनडीए सह भाजपा प्रत्याशी सांसद गीता कोड़ा एवं इंडिया सह झामुमो प्रत्याशी पूर्व मंत्री जोबा माझी के समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पर वाकयुद्ध व पुराने संपादित वीडिओ को शेयर कर एक-दूसरे के खिलाफ आरोप-प्रत्यारोप करने का सिलसिला निरंतर जारी है. इस सीट पर मुख्य व कांटे का मुकाबला गीता कोड़ा एवं जोबा माझी के बीच हीं है.चुनाव से पूर्व तक अलग-अलग सोंच व विचारधारा रखने वाले ये कार्यकर्ता आपस में बैठते, घूमते व अन्य मुद्दों पर चर्चा करते रहते थे. लेकिन आज एक-दूसरे प्रत्याशी के खिलाफ तमाम पुराने व नये वीडियो जिससे विपक्षी प्रत्याशी या पार्टी का चिरहरण कर उनकी छवि को धूमिल कर चुनाव में वोटों का नुकसान पहुंचाया जा सकता है वह किया जा रहा है. दूसरी तरफ

खास बातें

- सोशल मीडिया पर जारी है आरोप -प्रत्यारोप का दौर
- स्क्रूटनी के बाद चुनाव प्रचार में तेजी आने की संभावना

दोनों प्रत्याशियों के कार्यकर्ताओं में सक्रियता अर्थात चुनाव प्रचार से जुड़ी तेजी का कार्य सारंडा क्षेत्रों में अभी कम देखने को मिल रही है. इसका मुख्य वजह पार्टियों द्वारा फंड नहीं भेजा जाना है. फंड के अभाव में कार्यकर्ताओं के वाहनों की रफ्तार धीमी है. फंड नहीं भेजे जाने का मुख्य वजह स्क्रूटनी अभी तक नहीं होना है. 26 अप्रैल को स्क्रूटनी के बाद यह फंड संभवतः कार्यकर्ताओं के पास आना प्रारम्भ हो जिससे चुनाव प्रचार में तेजी आने की संभावना है. हर तरफ चर्चा आम है कि इस बार का मुकाबला काफी कांटे का होगा.

राजनीति

बरवाडीह में लगातार भाजपा नेताओं के निधन से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं दुख

भाजपा के कई नेता असमय हो चुके हैं दिवगंत,पार्टी को हुई है क्षति

मयंक विश्वकर्मा ।बरवाडीह(लातेहार)

हाल के वर्षों में बरवाडीह में भाजपा के कई नेता असमय ही दिवगंत हो गये हैं. उनके दिवगंत होने से पार्टी में एक रिक्तता आ गयी है. भाजपाई से संगठन के लिए अपूरणीय क्षति मान रहे हैं. दो दिन पूर्व भाजपा के मंडल महामंत्री प्रदीप सिंह की असमय मौत हो गयी. तीन वर्ष पूर्व बरवाडीह में भाजपा मंडल अध्यक्ष व जुझारू कार्यकर्ता जयवर्द्धन सिंह की भी हत्या कर दी गई थी. जयवर्द्धन सिंह की मौत के बाद बरवाडीह भाजपा कमेटी का स्तंभ ढह गया था. उसे जयवर्द्धन सिंह के काफी करीबी और सहयोगी रहे प्रदीप सिंह ने उसी मुकाम पर खड़ा कर दिया था.

खास बातें

- तीन वर्ष पूर्व बरवाडीह भाजपा मंडल अध्यक्ष का हुआ था निधन
- तीन दिन पूर्व भाजपा के मंडल महामंत्री का हुआ था निधन

बरवाडीह भाजपा ने खोए कई दिग्गज नेता : पूर्व वन एवं पर्यावरण मंत्री यमुना सिंह को मनिका विधानसभा क्षेत्र से भाजपा पार्टी से लगातार जीत दिलवाने में मुख्य भूमिका निभाने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता तार बाबू के गुजर जाने के बाद से बरवाडीह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सरस्वती शिशु मंदिर और अभाविप जैसे भाजपा के सहयोगी संगठन तो पूर्व में ही लड़खड़ा चुके थे. विजय बहादुर सिंह, मानिक चंद्र अग्रवाल, अमरेंद्र नारायण नाथ उर्फ खोखा दादा, जयवर्द्धन सिंह व प्रदीप सिंह जैसे पुराने व समर्पित कार्यकर्ता गुजर गये. जिसके बाद बृजकिशोर प्रसाद व द्वारिका प्रसाद जैसे अनुभवी कार्यकर्ताओं के अपने निजी कारणों से पार्टी से दूरी बनाने के बाद बरवाडीह भाजपा की पूरी कमान अब भाजपा यूथ कमेटी पर ही टिकी हुई दिखती है. ये अपने मकसद पर कितना कामयाब हो पाते हैं, यह तो आगामी चुनावों के नतीजे ही बता सकते हैं.

प्रदीप सिंह ने भाकपा माले से की थी राजनीतिक शुरुआत

भाकपा माले से अपनी राजनीतिक जीवन का शुभारंभ करने वाले प्रदीप सिंह ने गांव से शहर तक एक मजबूती से एक लीडर के रूप में अपनी पहचान बनाई थी. बाद में नक्सलियों के गढ़ रहे बरवाडीह जैसे क्षेत्र में विषम परिस्थिति में भी प्रदीप सिंह ने भाजपा की राजनीति कर पार्टी को दो बार मनिका विधानसभा में जीत दिलवाने में अहम भूमिका अदा की थी.

अज्ञात कार भीड़ में घुसी एक की मौत, चार घायल

गुमला। रायडीह में गुरुवार देर रात मटकोड़ की रस्म के बाद नाचते गाते घर लौट रहे भीड़ में एक अज्ञात कार ने चार लोगों को रौंदते हुए पार हो गया. कार की चपेट में आने से ढोल बजा रहे छटकू नायक (60) की घटना स्थल पर ही मौत हो गई. मृतक सिलम पाकरटोली का रहने वाला था. घायलों में इसके टीम के दो सदस्य महावीर महली और नंदा महली शामिल हैं, जबकि शादी समारोह में भाग लेने आयी महिला नवागढ़ पतराटोली निवासी सुहाना देवी भी घायल हो गयी. दुर्घटना के बाद चालक कार लेकर भागने में सफल रहा. घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया गया है.

आशीष मिश्रा गिरोह के तीन गुर्गे हथियार के साथ धराये

- हत्या, रंगदारी और लूट मामले में सभी थे शामिल

संवाददाता। देवघर

पुलिस ने हत्या, रंगदारी और लूट मामले में शामिल तीन अपराधियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है. एसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम ने शुक्रवार को टाउन मोहल्ला में कार्रवाई की. इस दौरान कुख्यात अपराधी आशीष मिश्रा गिरोह के तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तार अपराधियों में बउआ सिंह, मुन्ना सिंह और धर्मेंद्र सिंह शामिल है. पकड़े गये अपराधियों के पास से देसी पिस्टल और छह जिंदा कारतूस जब्त

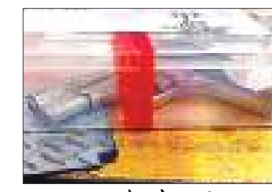

किया गया है. ये सभी अपराधी दुकानदार और ठेकेदारों को डरा धमका कर रंगदारी मांग रहा था. तीनों अपराधकर्मियों का कई थानों में हत्या, रंगदारी एवं लूट के मामले दर्ज हैं. कुख्यात आशीष मिश्रा गिरोह के सक्रिय सदस्य बाबा सिंह 24 अप्रैल को ही एक मामले में जेल से छूटकर बाहर आया था. बाहर आने के बाद अपना वर्चस्व फिर से कायम करने के उद्देश्य से इस तरह का अपराधिक घटनाओं का कार्य कर रहा था.

यह कैसा नरेटिव !

भारतीय लोकतंत्र की वैश्विक साख रही है. दुनिया की बड़ी से बड़ी शक्ति भी भारत की लोकतांत्रिक नैतिकता, संवैधानिक गरिमा और मानवीय मूल्यों के प्रति आदर करती रही है. लेकिन इस साल दुनिया के जिन 64 देशों में चुनाव हो रहे हैं या हो चुके हैं, हर जगह लोकतंत्र एक बड़ी चुनौती का सामना कर रहा है. इसमें भारत भी एक है. भारत के लोकतंत्र को ले कर देश के भीतर और बाहर जिस तरह की चिंता व्यक्त की जा रही है, उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और न ही हल्के में लिया जा सकता है. भारत में संवैधानिक संस्थानों की निष्पक्षता की कड़ी परीक्षा हो रही है. खास कर चुनाव आयोग की. एक ऐसा चुनाव आयोग जिसके दो सदस्यों को जल्दबाजी में जिस तरह नियुक्त किया गया, उससे कई सवाल उठे. इसके साथ चुनावी प्रचार में जिस तरह खुल कर सांपद्रायिक कार्ड खेला जा रहा है, वह भी गंभीर चिंता की बात है. प्रधानमंत्री मछली, मुसलमान से होते हुए अब मंगलसूत्र पर आ गए हैं. सवाल है कि प्रधानमंत्री के इन बयानों से देश में जिस तरह के नफरत का माहौल बन रहा है, उसका दूरगामी असर क्या होगा. एक जमाना था जब जवाहर लाल नेहरू प्रचार अभियान के तहत लोक शिक्षण पर जोर देते थे. यहां तक कि वे अपनी पार्टी के लिए वोट देने की अपील तक नहीं करते थे. तब देश में हर हाल में चुनाव में जीत हासिल करना मकसद नहीं था. उस दौर में कारपोरेट ताकतें प्रभावी भी नहीं थीं और सत्ता उन्हें नियंत्रित करती थी. आज के महौल में ऐसा नहीं कहा जा सकता कि प्रत्येक दल के लिए चुनावी समतल जमीन मुहैया करायी गयी है. मीडिया का एक बड़ा हिस्सा एक तरफा नरेटिव बनाने में लगा है और देश में सार्थक संवाद का माहौल है ही नहीं. सवाल है कि आखिर भाजपा ने पहले दौर के चुनाव के बाद जिस तरह का नरेटिव प्रस्तुत किया है उसकी हकीकत की जांच करने की जरूरत है. अर्बन नक्सल, माओवादी और कम्युनिस्ट- इन तीन शब्दों से भयाक्रांत करने की रणनीति भाजपा ने अपनाई है. बताने की कोशिश यह है कि ये तीनों शब्द जिस विचारधारा या एजेंडे से जुड़े हैं, उसकी नुमाइंदगी अब कांग्रेस- और प्रकारांतर में इंडिया गठबंधन कर रहा है. लेकिन यह वास्तविकता से कोसो दूर का मामला है. चुनावों में निकष पर लोकतंत्र, संविधान और समावेशी भारत की अवधारणा है. होना तो यह चाहिए कि प्रधानमंत्री के नाते नरेंद्र मोदी चाहें, तो ऐसे विमर्श की शुरुआत कर सकते हैं, जिससे देश के लोग अपना सही रास्ता चुनने के लिए बौद्धिक रूप से सशक्त हों. मगर उन्होंने इसके जरिए भयाक्रांत करने की रणनीति अपनाई है. क्यों? क्या इसलिए कि उनके और उनकी पार्टी के पास कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं है? मछली,मुसलमान और मुगलसूत्र भी इसी नरेटिव का हिस्सा है. दरअसल यही त्रासदी है कि चुनावों में राजनीतिक-आर्थिक मुद्दों के बजाय भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले सवालों को सत्ता पक्ष ने आगे किया है. मतदाताओं की जागरूकता ही इस देश के लोकतंत्र, संविधान और मानवीय गरिमा की रक्षा कर सकती है.

> सवाल है कि आखिर भाजपा ने पहले दौर के चुनाव के बाद जिस तरह का नरेटिव प्रस्तुत किया है उसकी हकीकत की जांच करने की जरूरत है. अर्बन नक्सल, माओवादी और कम्युनिस्ट- इन तीन शब्दों से भयाक्रांत करने की रणनीति भाजपा ने अपनाई है.

सुभाषित

विद्वत्वं च नृपत्वं च नैव तुल्यं कदाचन् ।
स्वदेशे पूज्यते राजा विद्वान सर्वत्र पूज्यते ॥

राजत्व प्राप्ति और विद्वत्व प्राप्ति की किंचित मात्र भी तुलना नहीं हो सकती, क्योंकि राजा की पूजा केवल उसके अपने देश में ही होती है, जबकि विद्वान की पूजा सर्वत्र (पूरे विश्व में) होती है, क्योंकि विद्वान को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है.

सुन रहे हैं बाबा अंबेडकर !

कुछ ही दिनों पहले देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि हमारे पास चुनाव लड़ने लायक पैसे नहीं हैं. इसी झारखंड में कड़िया मुंडा जैसे सामाजिक और राजनीतिक नायक हैं, जो कहा करते थे कि कुछ हजार रुपये में वे चुनाव निकाल लिया करते थे. अब संसदीय चुनाव के लिए 95 लाख रुपये तक खर्च करने की हद तय कर दी गई है. जनबल हो न हो, धनबल जरूरी है. बाहुबल की महिमा अपरम्पार है ही. सुन रहे हैं न बाबा अम्बेदकर, यह सूरत हो गई है आपके इंडिया दैट इज भारत की!

• देश-काल

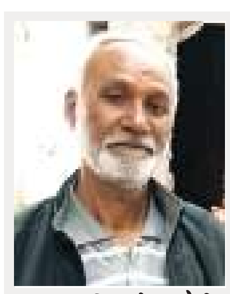

श्याम किशोर चौबे

वह भी कोई जमाना था, जब महात्मा गांधी थे, अंबेडकर थे, राजेंद्र बाबू थे, पं. नेहरू थे, श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे और ऐसे ही अनेक लोग थे. अब? उन्होंने जो राह दिखायी थी, उस पर जैसे-तैसे चलते हुए हम 18वें चुनाव के दौर से गुजर रहे हैं, तब एक बार पीछे मुड़कर देखने का समय तो है ही. हम कहां से कहां पहुंच गये! उनका दौर सिद्धांत, विश्वास और मर्यादा का था. हम दलबदल, हॉर्स ट्रेडिंग और सर्वथा अविश्वास के दौर वाले हैं. 19 अप्रैल को जब पहले चरण का मतदान हुआ तो नगालैंड के छह जिलों के चार लाख से अधिक मतदाताओं में से एक ने भी वोट नहीं डाला. यहां तक कि इन जिलों के 20 विधायक भी अपने-अपने घरों में जमे रहे. 16 जिलों वाले इस राज्य में 60 विधानसभा सीटें हैं और केवल एक लोकसभा क्षेत्र. जिन छह जिलों में वोट नहीं पड़े, उनमें तीस फीसद आबादी रहती है. फ्रंटियर नगालैंड बनाने की मांग को लेकर ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स आर्गेनाइजेशन की धमकियों के कारण चुनाव महापर्व की यह दशा रही. हम गजब भयमुक्त स्टेट के वाशिंदे हैं. उसी दिन मणिपुर में वोटिंग के दौरान वोट भी पड़े और तांडव भी हुआ. एक दूसरी तस्वीर याद करिए. दो महीने पहले फरवरी में चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में क्या-क्या नहीं हुआ था? सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद पूरी तस्वीर बदल गई. जिसे पराजित दिखाया गया था, वही विजयी हुआ. 22 अप्रैल को सूरत में एक और सूरत नजर आई. बसपा प्रत्याशी सहित आठ उम्मीदवारों ने नामांकन वापस ले लिए, कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन रद हो गया और बचा एकमात्र भाजपा प्रत्याशी बिना चुनाव के विजयी रहा. कांग्रेस प्रत्याशी के प्रस्तावकों के दस्तखत फर्जी थे तो इस धोखाधड़ी के लिए केस क्यों नहीं किया गया? ऐसा कहीं होता है कि एक साथ आठ-आठ प्रत्याशी अपने पर्चे वापस ले लें! सुन रहे हैं बाबा अंबेडकर, अपने संविधान और अपने देश की दशा-दिशा!

कहानी झारखंड की.14 सीटों पर चुनाव में तीन बड़े दलों भाजपा, झामुमो और कांग्रेस ने अपने नौ विधायकों को उतारा है. झामुमो के चमरा लिंडा यानी राज्य के दसवें विधायक 24 अप्रैल को बागी बनकर लोहरदगा के मैदान में कूद पड़े. इन दलों के संचालक डींगें हांकते नहीं थकते कि हम बूथ-बूथ तक फैले हैं. रोना यह कि सक्षम कार्यकर्ताओं के अभाव में दलबदलुओं और केस-मुकदमों से लदे-फदे लोगों पर भी दांव खेलना पड़ रहा है. दोनों गठबंधनों के अबतक के 27 उम्मीदवारों में आधे भी ऐसे नहीं, जिन पर दलबदलू का ठप्पा न लगा हो. इनमें कम से कम एक दलबदलू उम्मीदवार हॉर्स ट्रेडिंग के मुकदमे के दौर से गुजर रहा है. केस-मुकदमों के बोझ से दबे, कुछ मामलों में सजायाफ्ता होने पर भी अन्य जनाब चौड़े हैं.

कुछ ही दिनों पहले देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि हमारे पास चुनाव लड़ने लायक पैसे नहीं हैं. इसी झारखंड में कड़िया मुंडा जैसे सामाजिक और राजनीतिक नायक हैं, जो कहा करते थे कि कुछ हजार रुपये में वे चुनाव निकाल लिया करते थे. अब संसदीय चुनाव के लिए 95 लाख रुपये तक खर्च करने की हद तय कर दी गई है. जनबल हो न हो, धनबल जरूरी है. बाहुबल की महिमा अपरम्पार है ही. सुन रहे हैं न बाबा अंबेडकर, यह सूरत हो गई है आपके इंडिया दैट इज भारत की!

इसी हफ्ते एक राजनेता ने बड़े गर्व से कहा कि पहले भारत को गरीबों का देश कहा जाता था. अब नहीं कहा जाता न! 140 करोड़ आबादी में 81.5 करोड़ जन मुफ्त के पांच किलो अनाज पर खुशहाल (!) जीवन गुजार रहे हैं. हमारी संवदेनशील, धर्मात्मा, दयालु सरकार ने अगले पांच वर्षों तक उन्हें यह खुशहाली बख्शने का ऐलान कर रखा है. हम गरीब से कब अमीर हो गये, पता ही न चला. सियासी दलों पर जिस प्रकार चुनावी चंदे की बरसात हुई और जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार दिया, उसको देखते हुए कह सकते हैं कि हम वाकई अमीर हो गये. आखिरकार वे दल हमारे ही हैं, हमसे ही हैं और हमारे लिए ही हैं. उन पर अमीरी तारी है तो मान लिया जाना चाहिए कि हम अमीर हो गये. सुन रहे हैं न बाबा अंबेडकर!

इस अहम चुनाव के अभी पांच चरण बाकी हैं. महंगाई, बेरोजगारी, जन सुविधाओं से दूर इस चुनाव के पहले चरण के बाद ही सभी पक्षकारों के लीडरान कैसे-कैसे वचन उवाचने लगे थे, बाबा अंबेडकर की आत्मा ने जरूर सुना होगा और माथा पीट लिया होगा. उसने तो कुछ अरसा पहले शायद उसी दिन दीवार पर सिर दे मारा होगा, जब कहा गया था: अजित दादा जेल में चक्की पिसिंग-पिसिंग और अगले दो-चार दिनों में उसी अजित दादा को वित्त मंत्री बना दिया गया. अपने सियासी पार्टियों की स्थिति, को बड़-छोट कहत अपराधू वाली बन गई है. है न, बाबा अंबेडकर!

पुनश्च : हैट्रिक लगा चुके भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गोड्डा सीट से कांग्रेस द्वारा भाजपा और जेवीएम से घूम-टहल कर आये प्रदीप यादव को प्रत्याशी बनाये जाने पर लहालोट होकर 22 अप्रैल को कहा, प्रचार बंद, अब चाय, नाश्ता और क्रिकेट. काश, हर प्रत्याशी ऐसा ही करता! रघुकुल रीति का जाप करनेवाले निशिकांत अपने वचन पर अडिग तो रहेंगे ही. उम्मीद की जानी चाहिए, वे यह मिसाल कायम करके दम लेंगे. चुनाव खर्च के वैध 90-95 लाख रुपये बच जाएंगे. बाबूलाल मरांडी और जेपी नड्डा इसे नोट कर लें कृपया.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

वर्जनाओं के निहितार्थ

एक राजा को पागलपन की हद तक आम खाने का शौक था. इस शौक की अतिशय आसक्ति के कारण उन्हे, पाचन विकार की दुर्लभ व्याधि हो गई. वैद्य ने राजा को यह कहते हुए, आम खाने की सख्त मनाही कर दी कि "आम आपके जीवन के लिए विष के समान है." राजा का मनोवांछित आम, उसकी जिन्दगी का शत्रु बन गया. एक बार राजा और मंत्री वन भ्रमण के लिए गए. काफी घूम लेने के बाद, गर्मी और थकान से चूर राजा को एक छायादार स्थान दिखा तो राजा ने वहां आराम के लिए लेटने की तैयारी की. मंत्री ने देखा, यह तो आम्रकुंज है, यहां राजा के लिए ठहरना या बैठना उचित नहीं. मंत्री ने राजा से कहा, "महाराज! उठिए, यह स्थान भयकारी और जीवनहारी है, अन्यत्र चलिए." इस पर राजा का जवाब था, "मंत्री जी! वैद्यों ने आम खाने की मनाही की है, छाया में बैठने से कौन-सा नुकसान होने वाला है? आप भी बैठिए." मंत्री बैठ गया. राजा जब आमों को लालसा भरी दृष्टि से देखने लगा तो मंत्री ने फिर निवेदन किया, "महाराज! आमों की ओर मत देखिए." राजा ने तनिक नाराजगी से कहा, "आम की छाया में मत बैठो, आम की ओर मत देखो, यह भी कोई बात हुई? निषेध तो मात्र खाने का है" कहते हुए पास पडे आम को हाथ में लेकर सूंघने लगा. मंत्री ने कहा, "अन्नदाता! आम को न छूएं, कृपया इसे मत सूंघिए, अनर्थ हो जाएगा. चलिए उठिए, कहीं और चलते है." "क्या समझदार होकर अतार्किक सी बात कर रहे हो, छूने, सूंघने से आम पेट में नहीं चला जाएगा." कहते हुए राजा आम से खेलने लगे. खेल खेल में ही राजा नें आम का बीट तोड़ा और उसे चखने लगे. मंत्री भयभीत होते हुए बोला, "महाराज! यह क्या कर रहे हैं?" अपने में ही मग्न राजा बोला, "अरे थोड़ा चख ही तो रहा हूं. थोड़ा तो विष भी दवा का काम करता है." लेकिन राजा संयम न रख सका और पूरा आम चूस लिया. खाते ही पेट के रसायनों में विकार हुआ और विषबाधा हो गई. धरापति वहीं धराशायी हो गया. वर्जनाएं, अनाचार तथा अनैतिकताओं से जीवन को बचाकर, मूल्यों को स्वस्थ रखने के उद्देश्य से होती हैं. इसीलिए वर्जनाओं का जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है. जो लोग बिना दूर दृष्टि के सीधे ही वर्जनाओं के प्रतिकार का मानस रखते हैं, क्षणिक तृष्णाओं के वश होकर, स्वछंदता से जोखिम उठाने को तो तत्पर हो जाते हैं, लेकिन दूसरी तरफ अनैतिक व्यक्तित्व के प्रकट होने से भयभीत भी रहते हैं. इस तरह वे ही अक्सर द्वंद्व में दुविधाग्रस्त हो जाते है. दुविधा, विवशता और निर्णय निर्बलता के फलस्वरूप ही मानसिक कुंठा पनपती है. दृढ-प्रतिज्ञ को आत्मसंयम से कोई परेशानी नहीं होती.

एआई के प्रसार से बढ़ा जैविक हथियारों का खतरा

• विज्ञान

मुकुल व्यास

दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का जोर बढ़ रहा है. कृत्रिम बुद्धि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जड़ें फैला रही है. हालांकि स्वास्थ्य, विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में इसके नवीनतम प्रवेश ने उत्साह के साथ-साथ कुछ चिंता भी पैदा की है. क्या एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन किसी दिन जैविक हथियारों की तरह खतरा पैदा कर सकते हैं? यह उन शोधकर्ताओं के मन में सवाल है, जो अब प्रोटीन डिजाइन प्रौद्योगिकी के नैतिक उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा उपायों की वकालत कर रहे हैं. पूरी तरह से नए प्रोटीन का मंथन करने में सक्षम एआई टूल किसी साइंस फिक्शन फिल्म की तरह लगते हैं, लेकिन यह आज एक वास्तविकता है. वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं. एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है. इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं. हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं. इन चिंताओं को दूर करने के लिए बेकर और अन्य शोधकर्ताओं ने प्रोटीन डिजाइन में एआई के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है. उनका लक्ष्य सरल है. वे इस शक्तिशाली टूल को गलत हाथों में पड़ने या गलत तरीके से दुरुपयोग होने से रोकना चाहते हैं. बेकर का ग्रुप अपने प्रयास में अकेला नहीं है. दुनियाभर के विशेषज्ञ यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट हो रहे हैं कि जैव प्रौद्योगिकी में एआई के उपयोग के साथ समुचित सुरक्षा उपाय होने चाहिए. इस तरह के स्वैच्छिक दिशानिर्देश सही दिशा में स्वागतयोग्य कदम हैं. हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि एआई का दुरुपयोग रोकने के लिए अधिक ठोस उपायों की आवश्यकता है. अमेरिका की जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी के वैश्विक स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ मार्क डायबुल ने इन स्वैच्छिक प्रयासों के साथ-साथ सरकारी हस्तक्षेप के महत्व पर भी जोर दिया है. उनका कहना है कि जब सार्वजनिक सुरक्षा के मामलों की बात आती है, तो अनुपालन और जवाबदेही को सुनिश्चित करने के लिए एक नियामक ढांचा आवश्यक हो जाता है. हमें सरकारी कार्रवाई और नियमों की ज़रूरत है. केवल स्वैच्छिक मार्गदर्शन से काम नहीं चलेगा. जैविक युद्ध में एआई के संभावित खतरों की तरफ इशारा करने वाली हालिया रिपोर्टों से भी इस मुद्दे पर तत्काल विचार करना जरूरी हो गया है. अल्फाफोल्ड जैसे एआई प्रोग्राम के साथ प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी करना आसान हो गया है. चिंता की बात यह है कि ये प्रौद्योगिकियां अनजाने में खतरनाक रोगजनकों या विषाक्त पदार्थों के निर्माण की सुविधा प्रदान कर सकती हैं. एआई से डिजाइन किए गए प्रोटीन के संभावित लाभ बहुत अधिक हैं. अगर वे गलत हाथों में पड़ जाएं तो जोखिम भी बहुत हैं. यही कारण है कि बेकर और उनके सहयोगियों की पहल सक्रिय उपायों पर जोर देती है. लेकिन बेकर का कहना है कि एआई क्षेत्र के विनियमन के लिए सरकारी कानून बहुत कड़े नहीं होने चाहिए. कड़े नियम उन दवाओं, टीकों और सामग्रियों के विकास को सीमित कर सकते हैं, जो एआई द्वारा डिजाइन किए गए प्रोटीन से उत्पन्न हो सकती हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि एआई-जनित खतरों से बचाव के लिए ऐसे एआई मॉडल होने चाहिए जो समय पर इन खतरों का पता लगा सकें. एआई का उपयोग लंबे समय से दवा की खोज के लिए किया जाता रहा है. इसके जरिए सबसे कम विषाक्तता वाले चिकित्सीय अणु की खोज की जाती है. जब वैज्ञानिकों की एक टीम ने विषाक्तता को बढ़ाने के लिए निर्धारित मानदंड को उलट दिया, तो एल्गोरिदम ने न केवल वीएक्स (अस्तित्व में सबसे शक्तिशाली जहरों में से एक) उत्पन्न किया, बल्कि नए विषाक्त पदार्थों को भी उत्पन्न किया, जिनके अधिक विषाक्त होने की भविष्यवाणी की गई थी. विषाक्तता के अलावा, एआई वायरस की संचरण क्षमता को भी बढ़ा सकती है और यह अक्सर महामारी फैलाने वाले वायरसों पर शोध करने वाली प्रयोगशालाओं में किया जाता है. जरा इबोला वायरस के रोगियों की मृत्यु दर के साथ कोविड-19 की संक्रामकता की कल्पना कीजिए. स्पष्ट हो जाएगा कि जैविक हथियारों की मारक क्षमता कितनी भयावह हो सकती है. एआई का उपयोग महामारी के प्रसार का अनुकरण करने के लिए भी किया जा सकता है जो क्वारंटीन के उपायों को लागू करने और परीक्षण संसाधनों को सुनिश्चित करने में उपयोगी हो सकता है.

> वाशिंगटन विश्वविद्यालय के डेविड बेकर सहित कई वैज्ञानिक विशिष्ट कार्यों के लिए प्रोटीन डिजाइन करने के लिए एआई टूल का उपयोग कर रहे हैं. एआई के प्रोटीन डिजाइन का उपयोग रोग प्रतिरोधक क्षमता उत्पन्न करने से लेकर दवाओं की लक्षित डिलीवरी के लिए किया जा रहा है. इसके उपयोग की संभावनाएं अनंत हैं. हालांकि, संभावित खतरे भी बहुत चिंताजनक हैं.

युवा श्रम शक्ति को चाहिए यथोचित काम

• रोजगार

रवींद्र पटवाल

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) ने भी भारत के जनसांख्यकीय लाभांश के 2036 तक कायम रहने की बात कही है. उसके अनुसार 2021 तक भारत के पास 27% युवा आबादी थी, जो 2036 तक घटकर 21% रह जाने वाली है. अगर भारत को भी चीन की तरह अपने जनसांख्यकीय लाभांश का लाभ उठाना है तो उसे हर कीमत पर देश में उपलब्ध युवा श्रम शक्ति को यथोचित काम उपलब्ध कराने पर अपनी उर्जा लगानी चाहिए. क्योंकि 2050 तक आते-आते भारत भी बूढ़ों के देश की दिशा में अग्रसर हो जायेगा, जिसमें अपेक्षाकृत कम युवाओं के कंधों पर एक बड़ी आबादी का बोझ होगा. आईएलओ ने भी अपरेंटिसशिप की वकालत करते हुए भारत के युवाओं को जल्द से जल्द श्रम बाजार में शामिल करने का सुझाव दिया है. हालांकि एनडीए शासन में भी 1961 के बाद 2019 में अपरेंटिसशिप कानून में आवश्यक सुधार लाकर इसे ज्यादा प्रभावी बनाने की दिशा में कदम उठाए गये हैं. इसके तहत हर औद्योगिक या व्यावसायिक संस्थान, जिसमें 30 या अधिक संख्या में श्रम शक्ति कार्यरत है, को हर वित्तीय वर्ष के दौरान 2.5% से लेकर 15% अपरेंटिसशिप को लागू करना होगा. इसमें से 5 प्रतिशत फ्रेशर्स और कौशल प्रमाणपत्र हासिल करने वाले युवाओं को भर्ती करना होगा. इसके अलावा केंद्र सरकार की ओर से शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किये गये कार्यक्रम, नेशनल अपरेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम (एनएपीएस) और नेशनल अपरेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम (एनएटीएस) के तहत फ्रेश बीटेक स्नातकों, डिप्लोमाधारकों और सामान्य स्नातकों के लिए अपरेंटिसशिप कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी. लेकिन मोदी सरकार के तहत इस कानून को लागू करने को लेकर कोई ठोस योजना नहीं बनाई जा सकी. पिछले महीने केंद्र सरकार की नींद तब खुली, जब कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान अपनी गारंटियों में अपरेंटिसशिप कानून के माध्यम से हर शिक्षित युवा को एक वर्ष तक रोजगार की गारंटी देने का वादा किया. केंद्र सरकार ने तत्काल 2019 कानून का हवाला देते हुए अपरेंटिसशिप पोर्टल पर पंजीकृत करीब 1.80 लाख कंपनियों को नोटिस भेजकर अपरेंटिसशिप कानून के तहत अपने-अपने कोटे के तहत युवाओं को शामिल करने का निर्देश दिया है. बिजनेस स्टैण्डर्ड अख़बार के मुताबिक इनमें से मात्र 20,000 कंपनियां ही इस नियम का पूरी तरह से पालन कर रही हैं, जबकि 44,000 आधे-अधूरे तरीके से पालन कर रही हैं. अपरेंटिसशिप एक्ट की धारा 30 के तहत यदि किसी कंपनी के द्वारा नियम का पालन नहीं किया जाता है तो पहले 3 माह तक उसे प्रति अपरेंटिस पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया जायेगा, जो तीन माह बाद बढ़कर प्रतिमाह 1,000 रुपये वसूला जायेगा. इस कानून के तहत स्नातक स्तर वाले अपरेंटिस कर्मी को 9,000 प्रतिमाह और स्कूली स्तर तक पढ़ाई करने वाले प्रशिक्षु के लिए 5,000 रूपये प्रतिमाह का प्रावधान किया गया था. कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र की ड्राफ्टिंग कमेटी के एक प्रमुख सदस्य और आल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती के अनुसार, अगर देश में उनकी सरकार बनती है तो 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हर युवा डिप्लोमा या समकक्ष को उनकी सरकार अपरेंटिसशिप कानून के तहत एक वर्ष के लिए रोजगार की गारंटी मुहैया कराएगी, और इसके बदले में उन्हें एक साल में एक लाख रूपये का मेहनताना दिया जायेगा. इस बारे में उन्होंने बड़े पैमाने पर उद्योगों और उद्योग संगठनों सहित एमएसएमई से वार्ता की है, जो अपेक्षाकृत कम खर्च में प्रशिक्षु युवा स्कीम को अपने लिए फायदेमंद मान रहे हैं. उनका अनुमान है कि करीब 10 लाख कंपनियों को इसके तहत लाया जा सकता है और शुरू में 30 से 40 लाख युवाओं की ओर से इस स्कीम तहत रोजगार की मांग को आसानी से पूरा किया जा सकता है. सरकार और सेवा प्रदाता के बीच में अपरेंटिसशिप करने वाले युवाओं का खर्च साझा कर सरकार, सेवा प्रदाता और देश के युवा सभी के लिए यह स्कीम लाभदायक होने जा रही है.निश्चित रूप से कांग्रेस की यह पहल स्वागत योग्य है. इसके माध्यम से न सिर्फ देश के करोड़ों युवाओं को निराशा की गर्त में जाने से बचाया जा सकता है, बल्कि कुशल श्रम शक्ति के अभाव में जिन देशी और विदेशी कंपनियों को अभी तक भारत में निवेश को लेकर अनिच्छुकता बनी हुई थी, वे भी सकारात्मक रुख अख्तियार कर सकते हैं.

> कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र की ड्राफ्टिंग कमेटी के एक प्रमुख सदस्य और आल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती के अनुसार, अगर देश में उनकी सरकार बनती है तो 25 वर्ष या उससे कम उम्र के हर युवा डिप्लोमा या समकक्ष को उनकी सरकार अपरेंटिसशिप कानून के तहत एक वर्ष के लिए रोजगार की गारंटी मुहैया कराएगी.

मीडिया में अन्यत्र

सेहत का सुरक्षा कवच

भारत जैसे देश में जहां सेवानिवृत्त लोगों व बुजुर्गों के लिये पश्चिमी देशों की तरह चिकित्सा सुविधाओं का कवच नहीं है, वहां लोगों की अंतिम उम्मीद खुद खरीदी गई बीमा पॉलिसियों पर टिक जाती है. लेकिन बीमा कंपनियों के निरंकुश व्यवहार और उपचार के बाद बिलों के भुगतान में किंतु-परंतु के चलते वृद्धों को यह भरोसा नहीं होता कि बीमा कंपनियां उनके उपचार का पूरा पैसा उपलब्ध करा देंगी. बहरहाल, स्वास्थ्य सेवा तंत्र को अधिक समावेशी और सर्वसुलभ बनाने की दिशा में भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीएआई ने स्वास्थ्य बीमा खरीदने वाले व्यक्तियों के लिये 65 वर्ष की आयु सीमा को हटा दिया है. हाल ही में एक अधिसूचना में बीमा नियामक ने बीमाकर्ताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि वे सभी आयु समूहों के लिये उपयोगी स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पेश करें. अकसर देखा गया है कि बीमा कंपनियां व एजेंट अधिक उम्र वाले लोगों को तब जीवन रक्षक पॉलिसी देने से मना कर देते हैं जब उनको इसकी जरूरत होती है. इतनी ही नहीं कंपनी के हित में बनायी गई पुरानी नीतियों के आधार पर कई दावों को खारिज कर दिया जाता है. बीमा नियामक द्वारा बीमा कंपनियों को पहले से निर्धारित स्थितियों के आधार पर दावों को खारिज करने से रोका गया है. बीमा नियामक ने कहा है कि बीमाकर्ता अब कैंसर, हृदय रोग व गुर्दे के काम न करने पर, एड्स जैसी गंभीर चिकित्सा स्थितियों वाले व्यक्तियों को पॉलिसी जारी करने से इनकार नहीं कर सकते. निश्चित रूप से यह तार्किक स्थिति है कि सेवानिवृत्ति के बाद आय के साधन सिमटने, शरीर द्वारा साथ न देने व अपनों का साथ छूटने से लाचार व्यक्ति को उपचार के लिये अब चिकित्सा बीमा कवच मिल सकेगा. निस्संदेह, इस तरह के कई गंभीर रोगों से ग्रस्त लोग चिकित्सा बीमा न मिल पाने की स्थिति में गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं. कोरोना संकट के दौरान कई परिवारों के गरीबी के दुश्चक्र में फंसने के मामले सामने आए हैं.निश्चित रूप से बीमा नियामक की यह पहल वक्त की जरूरत के हिसाब से एक कल्याणकारी व्यवस्था की तरफ बढ़ा कदम है. यदि बुजुर्गों को बीमा सुविधा मिलने लगेगी तो वे अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के झटकों को झेलने के लिये पहले से ही बेहतर तैयारी कर सकते हैं. निश्चित रूप से यह सुविधा उस देश के लिये बदलावकारी हो सकती है जहां कि युवा आबादी बुजुर्ग आबादी की दिशा में बढ़ रही है. (द ट्रिब्यून)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

फजीलत/फजीहत

काम एक ही है, लेकिन करनेवालों को परिणाम अलग-अलग मिलते हैं. किसी की फजीहत हो जाती है तो किसी को फजीलत की पगड़ी मिल जाती है. यह तो अपनी-अपनी किस्मत की बात है. एक ही काम करने पर अब चाहे जो भी हो, काम तो करना ही होगा. यहां हमारा जिन दो शब्दों से पाला पड़ रहा है, वे हैं फजीलत और फजीहत. इन दोनों शब्दों पर विचार करेंगे, इनसे परिचित होंगे, अब फजीलत और फजीहत से परिचित होते हैं. ये दोनों शब्द अरबी मूल के संज्ञा स्त्रीलिंग हैं. रेख्ता उर्दू-हिंदी शब्दकोश के अनुसार फजीलत का मतलब है बड़ाई, बड़प्पन, बुजुर्गी, प्रधानता, उत्कृष्टता, प्रतिष्ठा, श्रेष्ठता, गौरव, नेकी, भलाई, कमाल खैर, ज्ञान, मदरसा की उच्च शिक्षा की उपाधि. हिंदी शब्द सागर इस शब्द का मतलब बताते हुए इससे बने एक मुहावरे से भी परिचित कराया है. वह मुहवरा है फजीलत की पगड़ी. इसका मतलब है विद्वत्ता सूचक पदक या चिह्न. इस मुहावरे का प्रयोग इस प्रकार किया जाता है-जिन्हें इस हुनर में फजीलत की पगड़ी हासिल है, वे क्या नहीं कर सकते. शब्द सागर से मिली जानकारी के अनुसार मुसलमानों में यह चाल हैकि जब कोई पूर्ण विद्वान होता है और विद्वानों की सभा में अपनी विद्वत्ता को प्रमाणित करता है, तब सबविद्वान या प्रधान उसके सिर पर पगड़ी बांधते हैं, जिसे फजीलत की पगड़ी कहा जाता है. इस पगड़ी को बांधकर वह जिस सभा में जाता है, लोग उसका आदर और प्रतिष्ठा करते हैं. फजीहत प्रचलित शब्द है. हर कोई जानता है कि फजीहत का मतलब दुर्दशा, दुर्गति, अपमान, बदनामी है. आप अगर कोई गलत काम करेंगे तो उसका परिणाम अंततः फजीहत दिलानेवाला ही होगा. बुरे लोगों की संगति भी फजीहत का कारण बनती है. इसी प्रकार अगर किसी बुरी आदत के शिकार हो गये हैं तो आपकी किस्मत में फजीहत ही होगी. गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है-तुलसी परिहरि हरिहरहिं पांवर पूजहिं भूत. अंत फजीहत होहिंगे गनिका के से पूत.

डरिए मत, धड़ल्ले से झूठ बोलिए!

• तीर-तुक्का

डॉ. सुरेंद्र वर्मा

एक फिल्मी गाने में यह सलाह दी गई है कि झूठ नहीं बोलना चाहिए और काले कौए से डरना चाहिए, क्योंकि अगर आप झूठ बोलेंगे, तो कौआ आपको काट लेगा. पता नहीं कि कौआ कब से सत्यवादी हो गया, जो झूठ बोलने पर आपको बख्शेगा नहीं और इस 'जघन्य' अपराध के लिए आपको सज़ा देगा. अगर सचमुच ऐसा होता तो कौवों की तो सचमुच बन ही आती और वे हर समय किसी न किसी को काटते ही रहते. क्या कोई कभी बिना झूठ बोले रह सकता है? दुनिया का सारा व्यापार तो झूठ पर ही आधारित है. हर कोई अच्छी तरह समझता है कि सत्य बोलने में कितनी दुश्वारियां हैं. बिना झूठ का सहारा लिए आदमी दो कदम भी चल नहीं सकता. झूठ ही वह लाठी है कि जिसके सहारे वह चल पाता है. यदि दुनिया में झूठ न बोला जाए तो सारे काम ही रुक जाएं. अगर एक पत्नी अपने पति से कहे कि मैं तो आपके चरणों की दासी हूं तो पति को चौकन्ना हो जाने की ज़रूरत है. पर भोला पति बड़ा प्रसन्न हो जाता है. फूल के कुप्पा हो जाता है. उसे पता ही नहीं चलता कि पत्नी अब चौबीस घंटे यह सिद्ध करने में लग जाएगी कि असल में तुम ही चरण-दास हो. ऐसी भला कौन सी पत्नी होगी, जो अपने पति को अक्लमंद मानती हो. वह उसे सदैव मंद-अक्ल ही मानती है और ऐसा मानना उसका जन्म-सिद्ध अधिकार होता है. इसी प्रकार पति बेचारे को भी अपनी पत्नी की प्रशंसा करते हुए उसे बार बार यह बताना पड़ता है कि वह (पत्नी) अत्यंत सुन्दर है. मजा यह है कि दोनों ही अक्लमंदी और सुन्दरता के मुगालाते में रहते हैं और उनका रिश्ता बड़े इत्मीनान से गुज़रता रहता है. विद्वानों के द्वारा झूठ बोलने की जो सलाह दी गई है, उसमें सदियों का अनुभव है. अगर हर समय सत्य ही बोला जाए तो दुनिया एकदम उजाड़ हो जाएगी. इस दुनिया में मानवी-संबंधों को बनाए रखने में और उसे रहने लायक बनाने में झूठ का बहुत बड़ा हाथ है. क्या आप सोचते हैं कि राजनीति बिना झूठ बोले चल सकती है? क्या आप सोच सकते हैं कि बिना झूठे वादे किए नेता लोग नेता बने रह सकते हैं? क्या आप सोच सकते हैं कि पति-पत्नी के बीच बिना झूठ का सहारा लिए सौहार्द कायम रह सकता है? सच्चाई यही है कि हमारी दुनिया झूठ पर ही कायम है. पर एक सूत्र याद रखें. झूठ बोलें तो अपने झूठ पर कायम रहें. जो अपने झूठ पर कायम रहता है, दुनिया उसी को सच्चा मानती है. डरिये मत. धड़ल्ले से झूठ बोलिए. कोई कौआ आपको काटने आने वाला नहीं है.

बायोस्कोप

हस्ताक्षर

फिल्मों के चश्मे से यदि देखें तो भारत में लोकतंत्र गौण दिखता है. नायकों को महिमामंडित करती फिल्में समूह की शक्ति प्रदर्शित करने वाले आम चुनाव को हासिए पर रखती हैं. प्रजातांत्रिक व्यवस्था को असफल दिखाना फिल्मों में आम है. आइए, चुनावी मौसम में फिल्मों में लोकतंत्र की स्थिति पर डालें एक नजर

संसदीय लोकतंत्र पर भरोसा जगाती फिल्में

विनोद अनुपम

वरिष्ठ फिल्म स्तंभकार

हरेक वर्ष बनने वाली लगभग 800 फिल्मों को संदर्भ माना जाय तो यह विश्वास करना कठिन हो सकता है कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है. और यदि है भी तो यहां लोकतंत्र सही सलामत चल रहा है. हरेक पांच वर्षों में हो रहे आम चुनाव और उसके बाद होने वाले शांतिपूर्ण सत्ता परिवर्तन को जरूर सारा विश्व हसरत और आश्चर्य की निगाह से देखता हो, भारतीय फिल्में आम तौर पर इसके प्रति निरपेक्ष ही रही है. मात्र मनोरंजन को समर्पित भारतीय फिल्म इंडस्ट्री की यह निरपेक्षता उतनी चिंतित नहीं करती, क्योंकि हमें पता है मानवीय सरोकारों से हमेशा एक सुरक्षित दूरी बनाए रखने की इसने कोशिश की है.

चिंता तब होती है जब भारतीय लोकतंत्र को चित्रित करने, व्याख्यापित करने के लिए अपनी समझ के झरोखे खोलने की यह कोशिश करती है, लेकिन एक भरे-पूरे पूर्वाग्रह के साथ, और अंततः एक गलत निष्कर्ष पर पहुंचते, पहुंचाते हुए फिर अपनी समझ के द्वार बंद कर लेती है. वास्तव में हिन्दी सिनेमा की रूचि नायक को गढ़ने में होती है, उसे पता है कि भारतीय समाज को भी अपनी ताकत से अधिक विश्वास अपने नायक में है. आश्चर्य नहीं कि समूह की शक्ति दिखाने वाले आम चुनाव जैसे अवसर सिनेमा में गौण हो जाते हैं, और उद्धारक के रूप में किसी महामानव की सृष्टि अहम् हो जाती है. चाहे वह 'इन्कलाब' हो या 'शूल' या फिर 'प्रतिघात'. ऐसी अधिकांश फिल्मों में प्रजातांत्रिक व्यवस्था असफल दिखती है.

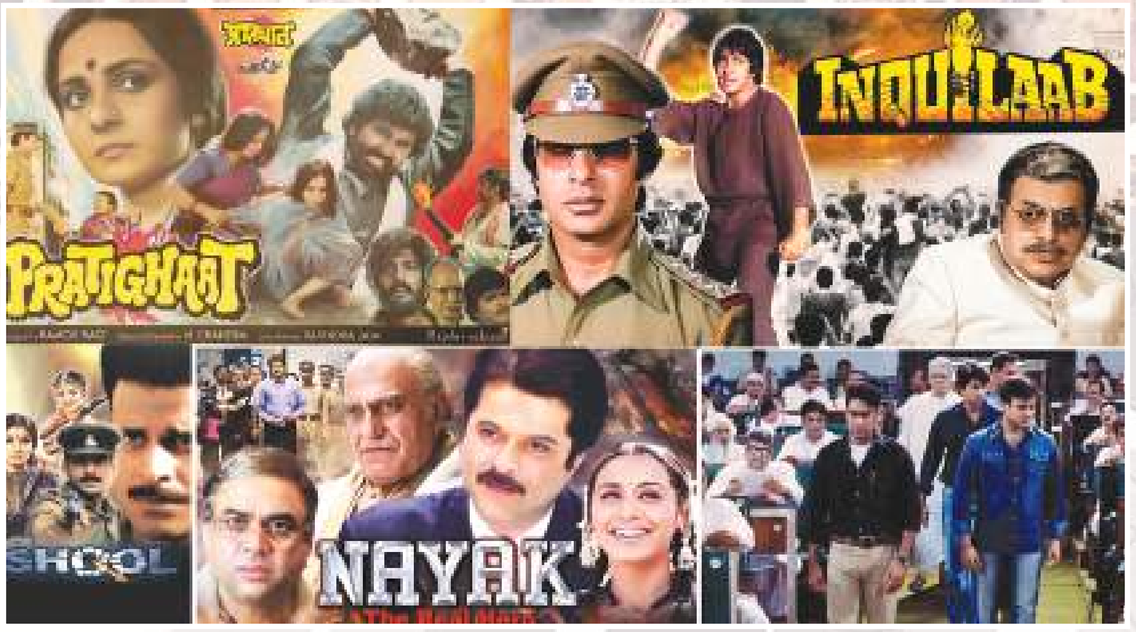

एन. चन्द्रा की 'प्रतिघात' अपने विद्रोही तेवर के कारण काफी प्रशंसित रही थी. एक व्यक्ति के डर से कांपते शहर में मुकाबले के लिए एक स्त्री आगे आती है. स्त्री को सड़क पर नंगा कर बेइज्जत किया जाता है. लेकिन वह हिम्मत नहीं हारती और आम चुनाव में उस बाहुबली के मुकाबले खड़ी होती है. आम जन की सहमति के बावजूद गुंडे के बाहुबल के सामने वह चुनाव हार जाती है. और तब अंतिम दृश्य में जीत के अवसर पर जुटी आम सभा में वह गुंडे का गरदन धड़ से उड़ा देती है. सही-गलत के फैसले की एक प्रक्रिया होती है. किसी का सर अलग कर देना कभी किसी समाधान की ओर नहीं ले जा सकता.

'नायक' में एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री अपने इंटरव्यू ले रहे पत्रकार को एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बनने को आमंत्रित करता है. एक ही दिन में नायक राज्य की अर्थव्यवस्था से लेकर लड़कियों के साथ छेड़खानियां तक के मामला निपटा देता है. 'नायक' लोकतंत्र की आदर्श व्यवस्था को चित्रित करता है, हालांकि तर्क के आधार पर फिल्म हास्यास्पद हो जाती है, लेकिन संतोष इतना ही होता है कि फिल्म बदलाव के रास्ते की तलाश प्रजातंत्र से ही निकालने की कोशिश करती है.

वास्तव में प्रजातंत्र और चुनाव जैसे उसके साधनों के प्रति सिनेमा की यह कैजुअल अभिव्यक्ति कहीं न कहीं हमारी अनमयस्कता को भी अभिव्यक्ति करती है. प्रजातंत्र के प्रति सवाल, अविश्वास हमारे मन में हैं, जिसकी पुष्टि भारत के वोट प्रतिशत भी करते रहे है, तो सिनेमा भी उसी को आकार देने की कोशिश करती है.

यहां पर मणि रत्नम की 'युवा' का स्मरण स्वाभाविक है. माइकेल अपनी राजनीतिक सक्रियता के लिए कॉलेज से निकाल दिया जाता है, लेकिन वह अपने निर्णय पर पश्चाताप नहीं करता. वह युवाओं को सक्रिय राजनीति में आने का आहवान करता है. राजनीतिक गुण्डागर्दी से आतंकित उसके साथी कहते हैं, यह हमारी दुनिया नहीं है, यहां हम कुछ नहीं कर सकते. माइकेल कहता है, यदि इस राजनीति से अपने हिस्से की एक वर्गफुट जगह भी हम साफ-सुथरी बना सके तो संतोष कर सकते हैं. माइकल और उसके साथी चुनाव लड़ते हैं, चुनाव जीत भी जाते हैं, लेकिन उनके लिए जीत महत्वपूर्ण नहीं क्योंकि एक साथी जब मजाक में उन्हें हार की सूचना देता है तो वे उसी सहजता से स्वीकार करते है, कोई बात नहीं, और काम करेंगे हम लोग, लोगों से मिलेंगे, उन्हें वास्तविकता समझायेंगे. संसदीय लोकतंत्र पर युवाओं का अटूट विश्वास संतोष देता है.

यह सच है कि संसदीय राजनीति में हस्तक्षेप आसान नहीं, लेकिन हस्तक्षेप की गुंजाइश तो है. राजनीति की जो धाराएं सिनेमा प्रतिष्ठित करना चाह रही है, वहां से शायद गुंजाइश भी न हो, किसी हस्तक्षेप की.

वायरल किस और 99 का फेर

ऋचा चड्ढा इन दिनों चर्चा में हैं. संजय लीला भंसाली के ड्रीम प्रोजेक्ट 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में तवायफ का रोल किया है. पिछले वर्ष अली फजल के साथ शादी रचाने वाली ऋचा ने इस साल प्रेग्नेंसी की खुशखबरी दी. आइए, ऋचा की हीरामंडी और प्रेग्नेंसी से जुड़ी खबरों पर डालें एक नजर...

बेबी बंप पर लुटा प्यार

हाल ही में हीरामंडी सीरीज का प्रीमियर रखा गया, जिसमें बॉलीवुड से तमाम सितारे पहुंचे. इस मौके पर सीरीज के कास्ट और क्रू के अलावा आलिया भट्ट, अनन्या पांडे, रेखा और सलमान खान जैसे तमाम सिलेब्रिटीज़ पहुंचे थे. इसी इवेंट का एक बेहद क्यूट वीडियो सामने आया है जिसमें प्रेग्नेंट ऋचा चड्ढा के साथ रेखा बातचीत करती नजर आ रही हैं. अचानक रेखा के दिल में प्यार उमड़ा और वे ऋचा के बेबी बम्प को किय करती नजर आईं. किस वाला यह वीडियो इनदिनों इंटरनेट पर वायरल है.

अब डर यह

ऋचा चड्ढा को संजय लीला भंसाली के ड्रीम प्रोजेक्ट 'हीरामंडी : द डायमंड' में रोल करने के बाद डर सताने लगा है. उन्होंने 'हीरामंडी' में लज्जो नाम की तवायफ का रोल किया है. एक इंटरव्यू में ऋचा ने कहा कि अब डर इस बात का सता रहा है कि इस रोल की वजह से आगे टाइपकास्ट तो नहीं हो जाएंगी. इस सीरीज के बाद शायद ऐसे ही रोल ऑफर होने लगे.

शूट में 99 का फेर

ऋचा ने भंसाली के सेट पर एक परफेक्ट शॉट देने में लगे प्रयासों की भी चर्चा की. कहा कि कैसे एक लास्ट मिनट बदलाव की वजह से उन्हें रिहर्सल करने का टाइम नहीं मिला और शूट के उस दिन उन्होंने 99 रीटेक देने पड़े. डायरेक्टर संजय लीला भंसाली को इंडस्ट्री के सबसे इंटेंस फिल्ममेकर्स में गिना जाता है. उनके साथ काम कर चुके रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण जैसे एक्टर्स बताते रहे हैं कि वो एक-एक शॉट के लिए कितनी मेहनत करवाते हैं. अब ऋचा ने इस बाबत अपने अनुभ शेयर करते हुए कहा कि हमने एक अलग कोरियोग्राफी तैयार की थी और शूट वाले दिन वो (भंसाली) बोले- 'ये कैंसिल करके अब तुम ये कर दो...' और मुझे बहुत मुश्किल हुई.' उन्होंने बताया कि इस पूरे दौरान कोरियोग्राफर तो उनके साथ ही थीं, मगर उनके लिए ये काम फिर भी बहुत ज्यादा मुश्किल था. ऋचा ने आगे कहा, 'क्योंकि जब आप एक तरह से प्रैक्टिस शुरू कर देते हो, तो आपका शरीर इसे याद कर लेता है. जब आप गाना सुनते हैं तो आपको लगता है कि हां अब मुझे ये करना है. और फिर ये (कोरियोग्राफी बदलना) बहुत चैलेंजिंग हो जाता है.' 99 रीटेक जिंदगी का इकलौता अनुभव है. फिर पैकअप के समय भंसाली ने यह भी सुनाया कि अब मैं एक्स्ट्रा टाइम के पैसे नहीं दूंगा.

मंगलसूत्र का यह फसाना फिल्मी है

स्त्रियों का सुहाग-सौभाग्य प्रतीक मंगलसूत्र इन दिनों चर्चा में है. राजनीतिक गलियारों में बयानबाजी जारी है. ऐसे में मंगलसूत्र के कई फिल्मी फसाने भी याद आ रहे. ये फसाने यकीनन मौजूदा चर्चा से अलग और कहीं अधिक रोचक हैं. आइए मंगलसूत्र के ऐसे ही कुछ रोचक फसानों से हों रू-ब-रू

अब तक कुंआरे हैं मंगलसूत्र लेकर भागने वाले मनीष मल्होत्रा

यह किस्सा कुछ-कुछ होता है फिल्म की शूटिंग के वक्त का है और इसे साझा किया था करण जौहर ने. इस फिल्म में कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग मनीष मल्होत्रा ने की थी. बकौल करण जौहर, "रानी मुखर्जी के साथ में एक सीन शूट करना था और इस सीन में उनका मंगलसूत्र पहने हुए दिखाया जाना था. लेकिन मनीष मंगलसूत्र लाना भूल गए थे. मंगलसूत्र उसे सीन के लिए बहुत ही ज्यादा आवश्यक था और मनीष मल्होत्रा को यह भी पता था कि मुझे इसके बारे में अगर पता चलता है तो मैं बहुत गुस्सा करूंगा."

घबराए मनीष मल्होत्रा ने सोचा कि आखिर कैसे इस मंगल सूत्र को मैं हासिल करूं. तभी उनके मन में कुछ कौंधा और वे वैनिटी वैन पहुंचे जहां पर रानी मुखर्जी की मां आराम कर रही थीं. मनीष मल्होत्रा जल्दबाजी में थे, सो बिना कुछ कहे सुने रानी की मां का मंगलसूत्र करीब छीनते हुए उतारा और सेट पर ले गए. लेकिन जब सीन खत्म हुआ तो रानी मुखर्जी की मां का ड्रामा फुल फार्म में नजर आया. वे बहुत ज्यादा नाराज थीं और चिल्लाते हुए सबके सामने वह कह रही थीं कि मनीष ने उनसे सुहाग की निशानी छीनी है. इस सब के बाद काफी ज्यादा बवाल मच गया था. सेट पर सभी स्तब्ध से खड़े थे. लेकिन बाद में सभी को पता चला कि रानी मुखर्जी ने जो मंगलसूत्र पहना हुआ है वह उनकी मां का ही था. बता दें कि मनीष मल्होत्रा आज 57 वर्ष की आयु में भी कुवांरे ही हैं.

सिर्फ मंगलसूत्र की कमी रह गई है

बॉलीवुड एक्टर राजकुमार अपनी रौबीली आवाज और दमदार डायलॉग्स के साथ-साथ अपने अक्खड़, बेबाक और मुंहफट अंदाज के लिए भी पहचाने जाते थे. उनकी तुनकमिज़ाजी भी गजब की थी. कभी गोविंदा की शर्ट को फाड़कर रुमाल बनाना तो कभी धर्मेंद्र को बंदर कह देना. कई बार अच्छी से अच्छी फिल्म राजकुमार ठुकरा देते थे, महज इसलिए कि उन्हें डायरेक्टर का चेहरा पसंद नहीं आता या डायरेक्टर के बालों से तेज की महक आती थी. यह सब उनका अंदाज था. एक बार उनके इसी अंदाज की चपेट में आ गए थे संगीतकार और गायक बप्पी लाहरी. उनके मजाक से बप्पी तो एकबारगी से सकपका से गए थे. संगीत निर्देशक और गायक बप्पी लहरी का सोने के गहनों से अगल ही लगाव था. मोटे मोटे चेन, ब्रेसलेट व अन्य गहने उनके शरीर पर लदे रहते थे. एक पार्टी में बप्पी की मुलाक़ात राजकुमार से हुई थी. अपनी आदत के मुताबिक बप्पी को ढेर सारे सोने के गहनों से लदा देख राजकुमार ने कहा, वाह, शानदार, एक से एक गहने पहने हो, सिर्फ मंगलसूत्र की कमी रह गई है, वो भी पहन लेते. राजकुमार के इस मजाक को सुन कर बप्पी काफी झेप से गए और हंसी में ही उनकी बात को उड़ा दिया था.

सारा के दिल के करीब यह मंगलसूत्र

सारा अली खान ने फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' में विक्की कौशल के साथ नजर आई थीं. इस फिल्म में सारा ने सौम्या का रोल अदा किया था. सारा अली खान ने इस फिल्म से दो चीजों को बतौर निशानी संभालकर रखा है. यह दो सामान दरअसल, सारा के किरदार सौम्या का मंगलसूत्र और एक नीले रंग की साड़ी है. दरअसल सारा अली खान अपनी हर फिल्म के किरदार की एक निशानी जरूर रखती हैं. इसी परंपरा को निभाते हुए उन्होंने अपनी इस फिल्म से मंगलसूत्र और नीली साड़ी को चुना है.

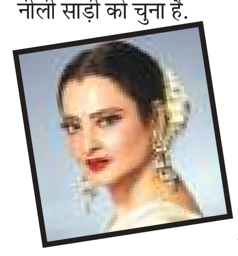

जब रेखा ने छीन लिया मंगलसूत्र

अरुणा ईरानी और रेखा, दोनों अच्छी मित्र के रूप में जानी जाती थीं. फिल्म 'मंगलसूत्र' (1981) में दोनों साथ काम कर रही थीं. लेकिन, एक दिन अचानक अरुणा को इस फिल्म से निकाल दिया गया. इस फिल्म में रेखा लीड रोल अदा कर रही थीं वहीं अरुणा पहली पत्नी का रोल अदा कर रही थी जिसकी मृत्यु हो चुकी है और मरने के बाद वह भूत बन गई है. एक बातचीत के दौरान खुद अरुणा ईरानी ने इस बात का जिक्र किया कि रेखा उनकी बहुत अच्छी दोस्त थीं, फिर भी उन्होंने फिल्म से उन्हें निकलवा दिया. अरुणा ने आगे बताया कि जब उन्होंने मेकर्स से इसकी वजह पूछी तो उन्होंने कहा, 'सच बताऊं तो रेखा जी नहीं चाहतीं कि आप इस फिल्म में काम करें.' कुछ समय बाद अरुणा ईरानी जब एक अन्य फिल्म के सेट पर रेखा से मिलीं तो उन्होंने इस बारे में सवाल किया. इस पर रेखा ने यह बात कुबूल की कि उन्होंने अरुणा को फिल्म से बाहर निकलवाया. रेखा ने इसके पीछे की वजह बताते हुए अरुणा ईरानी से कहा था, 'देखो अरुणा वो फिल्म ऐसी थी कि अगर उसमें जरा भी परफॉर्मेंस बदल जाती तो मैं एक विलन के रूप में नजर आती, इसलिए मैं नहीं चाहती थी कि तुम इस फिल्म में काम करो.' अरुणा ईरानी ने रेखा से कहा कि 'तुम मुझे फोन कर सकती थीं, इस बारे में बात कर सकती थीं.' इस पर रेखा ने अरुणा से माफी मांगी थी.

पलाश के गले में से किसका मंगलसूत्र!

'माएरी' गाने से फ़ेमस हुए बैंड यूफोरिया ने कई खूबसूरत गाने दिए हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर कायम हैं और गुनगुनाए जाते हैं. इस बैंड के लीड सिंगर पलाश सेन अपनी मां के मंगलसूत्र को पहनते हैं. किसी इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद इसका भावुक कर देने वाला खुलासा किया. कहा कि यह मेरी मां का मंगलसूत्र है, पापा के जाने के बाद उन्होंने इसे पहनना छोड़ दिया तो, इसे अब मैं पहनता हूं. और चूंकि मेरी शादी हो चुकी है, तो यह सही भी है. शादी के इन चिन्हों को यदि कोई पुरुष पहनता है, तो इसमें कोई गलती नहीं है.

ऐश्वर्या ने बदल लिया मंगलसूत्र!

शादी के वक्त अभिषेक ने ऐश्वर्या को 45 लाख का मंगलसूत्र पहनाया था. हीरों से जड़े पेंडेंट वाला ये मंगलसूत्र बेहद खास था. ऐश्वर्या राय के मंगलसूत्र को पहली बार उस वक्त नोटिस किया गया जब वो शादी के कुछ दिन बाद पूरे परिवार के साथ तिरुपति बालाजी मंदिर पूजा करने गईं. उस वक्त ऐश्वर्या ने सोने की दो लेयर वाले लंबे मंगलसूत्र को पहना था. ऐश्वर्या अक्सर इसे पहने नज़र आती थी. पर अब जो मंगलसूत्र उनके गले में नजर आता है, वह कुछ अलग है.

दरअसल शादी के चार साल बाद ऐश्वर्या ने इस मंगलसूत्र के डिजाइन में कुछ बदलाव करवा दिए. डबल लेयर के मंगलसूत्र को उन्होंने सिंगल लेयर में बदल दिया. और लंबाई को भी छोटा करवा दिया. हालांकि इसका पेंडेंट अब भी वही था. कहा जाता है कि वर्ष 2011 में बिटिया अराध्या के जन्म के बाद ऐश्वर्या ने भारी गहने पहनना बंद कर दिया था ताकि बेटी को कोई असुविधा नहीं हो. इसीलिए उन्होंने मंगलसूत्र के डिजाइन में बदलाव किया.

ब्रेसलेट से बवाल

वीरे दी वेडिंग फिल्म के प्रमोशन के दौरान सोनम कपूर को कलाई में ब्रेसलेट की तरह मंगलसूत्र पहने देखा गया. इस बात पर तब खूब बवाल मचा था और इसे भारतीय संस्कृति का अपमान बताया गया था.

द जी क्यू थ्री मोस्ट इंफ्लूएंशियल यंग इंडियंस अवार्ड – हसीनाओं का हॉट–बोल्ड अंदाज

द जी क्यू थ्री मोस्ट इंफ्लूएंशियल यंग इंडियंस अवार्ड का आयोजन पिछले दिनों मुंबई में किया गया. इस इवेंट में बड़ी संख्या में बॉलीवुड स्टार्स ने शिरकत की और सभी के लुक सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. इवेंट में हीरोइनों ने तो जैसे बोल्डनेस का कॉम्पीटिशन सा छेड़ दिया. सभी हीरोइनों जीक्यू अवॉर्स में एक से बढ़कर एक हॉट, बोल्ड और सेक्सी लुक में दिखाई दे रही थीं.

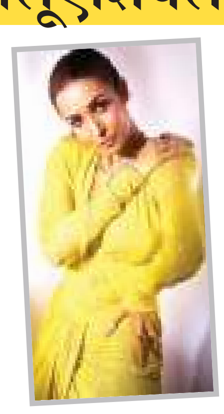

मलाइका अरोड़ा पीले रंग के बॉडी फीट डीप नेक आउटफिट में अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती दिखीं तो भूमि काफी रिस्क आउटफिट्स कैरी किए नजर आईं. मीरा राजपूत ऑरेंज स्किन फिट गाउन में थीं जिसमें क्लीवेज दर्शाती डीप वी नेक थी. ड्रेस साइड कट के साथ साइड से भी काफी रिवीलिंग थी. खुशी कपूर बार्बी अवतार में दिखीं तो ईशा गुप्ता ब्लैक सी थ्रू जॉर्जट ड्रेस में कातिल अदाओं से तीर छोड़ती नजर आईं.

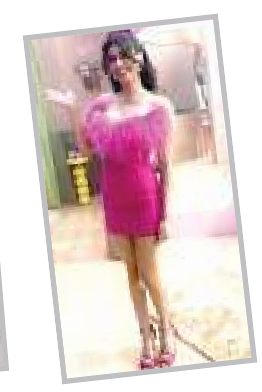

भूमि पेडनेकर इवेंट में बेहद रिस्की कपड़ों में नजर आई. उन्होंने वाइट कलर की ड्रेप स्कर्ट कैरी थी. इस स्क्वायर लोअर बैक प्लेट वाली पिलर ड्रेप स्कर्ट को वर्टिब्रा ब्रालेट के साथ जोड़ा गया था.बेस्पोक इटालियन नापा की बनाई हाई सीमलेस बैक कॉलर वाली क्रॉप्ड लेदर की ब्लेजर भी कैरी की थी. यह बोल्ड अवतार जोर का झटका देने वाला था.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

विश्व कप : दीपिका सेफा में

भारतीय तीरंदाजों के चार पदक पक्के

एजेंसी। शंघाई

मां बनने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुनिया की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी दीपिका कुमारी ने कोरिया की जियोन हुनयंग को हराकर तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया, जबकि कंपाउंड तीरंदाजों ने भारत का चौथा पदक पक्का कर दिया. विश्व रैंकिंग में 142वें स्थान पर खिसकी तीन बार की ओलंपियन दीपिका ने जियोन को 6.4 (27.28, 27.27, 29.28, 29.27, 28.28) से हराया. सेमीफाइनल में उनका सामना कोरिया की ही सुहियोन से होगा. इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम व अभिषेक वर्मा की कंपाउंड मिश्रित टीम ने फाइनल में जगह बनाई. दुनिया की दूसरे नंबर की टीम ने पांच ही अंक गंवाते हुए मैक्सिको की आंद्रिया बेसेरा और लोट मैक्सिमो मेंडेज ओर्टिज को 155.151 से हराया. अब उनका सामना एस्तोनिया से होगा. एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति पदक की हैट्रिक की दौड़ में है. भारतीय तीरंदाज चार टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंच गए और कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में ज्योति तथा प्रियांश सेमीफाइनल में पहुंच कर पदक की दौड़ में हैं. भारतीय टीम पुरुष, महिला, मिश्रित और पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धाओं के फाइनल में पहुंची है. ज्योति और वर्मा को पहले दौर में बाय मिला था.फिर उन्होंने 160 में से 160 अंक बनाकर आस्ट्रेलिया की ग्राहम और ब्रेंडन को आठ अंक से हराया. लक्जेमबर्ग की मारिया श्कोल्ना और जिलेस सेवर्ट को 155.151 से मात दी. भारतीय रिकर्व मिश्रित टीम अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा को सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कोरिया के लिम और किम वूजिन ने 6.0 से हराया. अब वे कांस्य पदक के लिए मैक्सिको से खेलेंगे. रिकर्व में तरुणदीप राय क्वार्टर फाइनल में आंद्रेस तेमिनो से 3.7 से हार गए.

टी20 विश्व कप में भारत के लिए सूर्या व बुमराह अहम होंगे : युवराज

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत के पूर्व स्टार युवराज सिंह ने आगामी टी20 विश्व कप में टीम की संभावनाओं के लिए विस्फोटक सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वे किसी भी समय मैच का रुख बदलने की काबिलियत रखते हैं. 2007 में टी20 विश्व कप के शुरुआती चरण में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले युवराज ने कहा कि टीम को दूसरी बार यह ट्राफी दिलाने के लिए सूर्यकुमार को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और बुमराह को भी अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करनी होगी. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने युवराज के हवाले से कहा, सूर्यकुमार यादव भारत के लिए अहम खिलाड़ी हैं. उन्होंने कहा, सूर्यकुमार जिस तरह से खेलते हैं, वह सिर्फ 15 गेंद में मैच का रुख बदल सकते हैं. भारत को यह टी20 विश्व कप जीतना है, तो वह निश्चित रूप से काफी अहम खिलाड़ी होंगे. युवराज ने कहा, मुझे लगता है गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह भी काफी महत्वपूर्ण होंगे. मैं टीम में एक लेग स्पिनर भी देखना चाहूंगा, जैसे युजवेंद्र चहल क्योंकि वह इस समय काफी अच्छी गेंदबाजी कर रहा है. उन्होंने कहा, लेकिन बल्लेबाज के तौर सूर्यकुमार यादव अहम खिलाड़ी होंगे. भारत के लिए पहली पसंद के विकेटकीपर के विकल्प पर युवराज ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अनुभवी दिनेश कार्तिक शानदार फॉर्म में हैं लेकिन अगर वह अंतिम एकादश का हिस्सा नहीं होते हैं तो इस 38 साल के खिलाड़ी को टीम में चुनने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि युवा ऋषभ पंत और संजू सैमसन काफी अच्छा खेल रहे हैं. युवराज ने कहा, कार्तिक अच्छी बल्लेबाजी भी कर रहा है लेकिन पिछली दफा (2022) जब उन्होंने उसे चुना था तो उसे टी20 विश्व कप में खेलने का मौका नहीं मिला था. उन्होंने कहा, अगर आपकी अंतिम एकादश में कार्तिक नहीं है तो मुझे लगता है कि उससे चुनने का भी कोई मतलब नहीं है. ऋषभ पंत, संजू सैमसन दोनों ही शानदार फॉर्म हैं और निश्चित रूप से वे काफी युवा भी हैं.

रोहित और विराट सबसे अहम खिलाड़ी

युवराज जानते हैं कि भारत के लिए टी20 विश्व कप में रोहित शर्मा और विराट कोहली महत्वपूर्ण हैं और उन्होंने इन दोनों के लिए क्रिकेट से संन्यास की तारीख का अंदाजा लगाने से इनकार कर दिया. सुझाव दिया कि रोहित और कोहली को टी20 विश्व कप के बाद टी20 क्रिकेट छोड़ने पर विचार करना चाहिए और अन्य प्रारूपों पर ध्यान लगाना चाहिए. युवराज ने कहा, जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, तो लोग उम्र के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं. उन्होंने कहा, ये खिलाड़ी भारत के लिए बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं और वे जब चाहें तब संन्यास लेने के हकदार हैं. मैं टी20 प्रारूप में अधिक युवा खिलाड़ियों को देखना चाहूंगा. युवराज ने कहा कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाज शिवम दुबे को उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण टीम में देखना चाहते हैं. उन्होंने कहा, मैं टीम में शिवम दुबे को देखना चाहूंगा. वह भारतीय टीम से अंदर बाहर होता रहा है लेकिन इस आईपीएल में वह बहुत शानदार बल्लेबाजी कर रहा है और वह गेम चेंजर हो सकता है.

जीत से उत्साहित दिल्ली का सामना खराब फार्म से जूझ रही मुंबई से

हार्दिक की टीम के लिए एक हार भी पड़ेगी महंगी

एजेंसी। नयी दिल्ली

ऋषभ पंत के शानदार फॉर्म और बेहतरीन कप्तानी से आत्मविश्वास से ओतप्रोत दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग में खराब फॉर्म से जूझ रही मुंबई इंडियंस से खेलेगी, तो उसका लक्ष्य जीत की लय को कायम रखने का होगा. दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए कई मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की तो कई में शर्मनाक हार भी झेली. पिछले चार मैचों में से तीन जीत कर हालांकि वह अंकतालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई और मुंबई को हराने पर प्लेआफ का उसका दावा पुख्ता हो जाएगा. दूसरी ओर खराब शुरूआत के बाद मुंबई ने अगले चार में से तीन मैच जीते लेकिन पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स से नौ विकेट से हार गई. अंकतालिका में आठवें स्थान पर काबिज मुंबई के लिए अब एक हार भी भारी पड़ सकती है. दिल्ली के लिए सबसे सकारात्मक बात कप्तान ऋषभ पंत का फॉर्म रही है, जो मैच दर मैच निखरते जा रहे हैं. विकेट के पीछे उनका प्रदर्शन लाजवाब रहा है और बल्लेबाजी में खुलकर खेल रहे हैं. गुजरात टाइटंस के खिलाफ बुधवार को उन्होंने मैच जिताने वाली नाबाद पारी खेली. संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक और ईशान किशन से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद टी20 विश्व कप की टीम में उनका जगह बनाना तय लग रहा है. जैक फ्रेसर मैकगुर्क के रूप में दिल्ली को शीर्षक्रम का अच्छा बल्लेबाज मिला है, लेकिन सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है क्योंकि इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में उनकी जिम्मेदारी सिर्फ बल्लेबाजी की है. पिछले मैच में डेविड वॉर्नर की जगह खेलने वाले शाई होप कोई कमाल नहीं कर सके लिहाजा आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज की टीम में वापसी हो सकती है. ट्रिस्टन स्टब्स प्रभावी रहे हैं जबकि गुजरात के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आने वाले अक्षर पटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया है. कुलदीप यादव और अक्षर ने स्पिन गेंदबाजी का कमाल दिखाया है लेकिन दिल्ली के तेज गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा. तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया ने 14 के आसपास के इकॉनॉमी रेट से रन दिये हैं. खलील अहमद, मुकेश कुमार और ईशांत शर्मा भी प्रभावी नहीं रहे हैं. मुंबई इंडियंस ने इस सत्र में पहली जीत दिल्ली के खिलाफ ही दर्ज की थी और कप्तान हार्दिक पंड्या उसे दोहराना चाहेंगे. रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा ने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया है, जबकि टिम डेविड, ईशान किशन और हार्दिक बड़ी पारियां नहीं खेल सके हैं. गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ट्रंपकार्ड रहे हैं, जिन्होंने छह के करीब की औसत से 13 विकेट लिये हैं . दक्षिण अफ्रीका के गेराल्ड कोएत्जी ने 10.10 की इकॉनॉमी रेट से 12 विकेट लिये हैं.

टीमें इस प्रकार हैं

मुंबई इंडियंसः हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड.

दिल्ली कैपिटल्सः ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड वार्नर, पृथ्वी साव, यश ढुल, अभिषेक पोरेल, अक्षर पटेल, ललित यादव, मिशेल मार्श, प्रवीण दुबे, विक्की ओस्टवाल, एनरिक नोर्किया, कुलदीप यादव, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, खलील अहमद, इशांत शर्मा, मुकेश कुमार, ट्रिस्टन स्टब्स, रिकी भुई, कुमार कुशाग्र, रसिख डार, झाय रिचर्डसन, सुमित कुमार, स्वास्तिक चिकारा, शाई होप.

राहुल की निगाहें हार का बदला लेने पर रहेंगी

भाषा। लखनऊ

फॉर्म में चल रही राजस्थान रॉयल्स आईपीएल के मैच में शनिवार को लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी, तो उसका फोकस जीत की लय कायम रखने पर होगा, जबकि लखनऊ की नजरें पिछली हार का बदला चुकता करने पर लगी होंगी. पूर्व चैम्पियन रॉयल्स ने इस सत्र में आठ मैचों में सात जीत दर्ज की है और उसे हराना लखनऊ के लिए टेढी खीर होगी.

दूसरी ओर लखनऊ आठ मैचों में पांच जीत के साथ तालिका में चौथे स्थान पर है. गुजरात टाइटंस के खिलाफ एकमात्र हार के अलावा रॉयल्स ने इस सत्र में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और पिछले तीन मैच लगातार जीते हैं. रियान पराग उसकी बल्लेबाजी की रीढ साबित हुए हैं, जो आठ मैचों में 318 रन बना चुके हैं. यशस्वी जायसवाल के फॉर्म में लौटने से रॉयल्स की बल्लेबाजी मजबूत हुई है. मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में जीत के लिए 180 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल ने 60 गेंद में नाबाद 104 रन बनाये थे, जिसकी बदौलत टीम ने नौ विकेट से जीत दर्ज की. जायसवाल और जोस बटलर मिलकर शीर्षक्रम पर किसी भी आक्रमण की बखिया उधेड़ सकते हैं. कप्तान संजू सैमसन भी अभी तक 314 रन बना चुके हैं, जबकि वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमायेर भी बल्ले से आतिशबाजी करने में माहिर हैं.

हर वो बल्ला मेरे पास है जिससे शतक जड़ा : पोंटिंग

भाषा। नयी दिल्ली

दो बार के विश्व कप विजेता आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उन्होंने हर वो बल्ला संभाल कर रखा है जिससे उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ा है और उस पर विरोधी टीम का नाम तथा अपना स्कोर भी उन्होंने लिख रखा है. दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच पोंटिंग अपने दौर के बेहतरीन बल्लेबाजों में से थे. उन्होंने युवा क्रिकेटरों को किट देने की डीपी वर्ल्ड बियोंड बाउंड्रीज पहल के मौके पर यह बात कही. क्रिकेट को 2012 में अलविदा कहने वाले पोंटिंग ने 71 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाये हैं जिनमें 41 टेस्ट शतक शामिल हैं. पोंटिंग ने कहा, आप विश्वास करें या नहीं लेकिन मेरे घर पर मेरा पहला बल्ला भी रखा है. इस पर स्टिकर्स लगे हैं. हमारे घर में करीब एक हजार बल्ले हैं. जिस भी बल्ले से मैने अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा था, वह मेरे पास है. इस पर मैने अपना स्कोर और विरोधी टीम का नाम भी लिखा है. उनकी यादगार पारियों में भारत के खिलाफ 2003 वनडे विश्व कप फाइनल में जड़े नाबाद 140 रन शामिल है. उस समय भारतीय टीम के कप्तान रहे सौरव गांगुली अब दिल्ली कैपिटल्स के क्रिकेट निदेशक हैं और वह भी इस मौके पर मौजूद थे. गांगुली ने अपने पहले बल्ले के बारे में कहा, मैं 13 साल का था जब पहला बल्ला खरीदा.

सेंथिल, आकांक्षा पीएसए क्वा. फा. में

नयी दिल्ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त वेलावन सेंथिलकुमार ने फ्रांस के मात्तेओ कोरूगे को सीधे गेम में हराकर 12000 डॉलर ईनामी राशि के बैच ओपन स्क्वाश पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. राष्ट्रीय चैम्पियन सेंथिल कुमार ने यह मुकाबला 11 . 4, 11 . 6, 11 . 7 से जीता. उन्हें पहले दौर में बाय मिला था अब उनका सामना चेक गणराज्य के याकूब सोलनिकी से होगा. वहीं राष्ट्रीय खेलों की महिला चैम्पियन आकांक्षा सालुंके ने अमेरिका के स्प्रिंगफील्ड में चल रहे 20000 डॉलर ईनामी राशि के पीएसए चैलेंजर टूर्नामेंट के अंतिम आठ में जगह बनाई. उन्होंने ग्वाटेमाला की विनिफर बोनिला को 11 . 8, 11 . 2, 11 . 9 से हराया.

मुंबई प्रतिद्वंद्वी को रोकने में प्रभावी नहीं रही : डेविड

नयी दिल्ली। बल्लेबाज टिम डेविड को लगता है कि पांच बार की आईपीएल चैम्पियन मुंबई इंडियंस प्रतिद्वंद्वी टीम को रोकने में असफल रही है. उसे इस पर ध्यान देना होगा. मुंबई आठ मैच में सिर्फ तीन में जीत हासिल कर पायी है जिससे आठवें स्थान पर है. पिछले मैच में जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी को छोड़ कर उसके लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा जिससे उसे राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा. डेविड ने दिल्ली कैपिट्स के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कहा, जसप्रीत बुमराह जैसा खिलाड़ी हमारे लिए मुकाबलों में जीत दिला रहा है लेकिन हम प्रतिद्वंद्वी टीम की रफ्तार को रोकने में प्रभावी नहीं रहे हैं.

डुप्लेसी बोले- आरसीबी में अभी भी काफी दम है

हैदराबाद। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के कप्तान फाफ डु प्लेसी ने आईपीएल में लगातार छह हार का सिलसिला तोड़ने पर खुशी जताते हुए कहा है कि टीम में अभी भी काफी दम है. अंकतालिका में सबसे नीचे काबिज आरसीबी ने तीसरे नंबर वाली सनराइजर्स हैदराबाद को 35 रन से हराया. इस जीत के बाद आरसीबी ने नौ मैचों में लगातार दो जीत दर्ज की है, जबकि सात गंवाये हैं.

डु प्लेसी ने आरसीबी द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, हमने पिछले दो मैचों में काफी मेहनत की है. हमने अपना सब कुछ दिया है. हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व है और टीम में अभी काफी दम बाकी है. आरसीबी प्लेआफ की दौड़ से बाहर नहीं है, लेकिन उसे बाकी सभी मैच जीतने होंगे.

लक्ष्य का पीछा करने में सफलता चाहिए : विटोरी

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी का मानना है कि उनकी टीम आईपीएल के इस सत्र में बड़े स्कोर बनाने में कामयाब रही है, लेकिन अब लक्ष्य का पीछा करने में सफलता हासिल करना जरूरी है. सनराइजर्स आठ में से पांच मैच जीतकर अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है. पांच में से चार मैचों में उसने पहले बल्लेबाजी करते हुए सफलता पाई. विटोरी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू से 35 रन से मिली हार के बाद कहा , हम बड़े स्कोर बनाने में कामयाब रहे हैं लेकिन अब लक्ष्य का पीछा बेहतर ढंग से करना होगा. इस सत्र में तीन बार 250 से अधिक स्कोर बना चुकी टीम को आरसीबी के खिलाफ मध्यक्रम की नाकामी महंगी पड़ी. विटोरी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, पिछले चार मैचों में अच्छे प्रदर्शन के बाद यह हार निराशाजनक है. हमने अच्छा क्रिकेट खेला लेकिन हारने के बावजूद हम लक्ष्य का पीछा करने की ओर बढते दिख रहे थे.

रफेल नडाल दूसरे दौर में

भाषा। मैड्रिड

रफेल नडाल ने अमेरिकी युवा डारविन ब्लांच को हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया.इस साल एटीपी टूर पर दूसरा मैच खेल रहे नडाल ने अपने से 21 साल छोटे प्रतिद्वंद्वी पर 6 .1, 6 .0 से जीत दर्ज की. चौदह बार के फ्रेंच ओपन चैम्पियन नडाल की नजरें अगले महीने होने वाले इस ग्रैंडस्लैम में खिताबी जीत पर लगी है. पिछले साल कूल्हे का आपरेशन कराने वाले 22 साल के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने कहा था कि 2024 टूर पर उनका आखिरी साल होगा. अन्य मुकाबलों में फेलिक्स आगर एलियास्सिमे ने योशिहितो निशिओका को 4 . 6, 6 . 1, 6 . 4 से हराया. वहीं लोरेंजो सोनेगो ने रिचर्ड गास्केट तो 6 . 2, 7 . 5 से मात दी. ब्राजील के थियागो मोंटेइरो ने डुसान लाजोविच को 6 . 4, 6 . 3 से हराया और अब वह स्टेफानोस सिटसिपास से खेलेंगे. महिला वर्ग में इगा स्वियातेक ने वांग शियू को 6 . 1, 6 . 4 से हराया. अमेरिका की कोको गाफ ने अरांतजा रूस को 6 . 0, 6 . 0 से मात दी. पूर्व नंबर एक नाओमी ओसाका को 15वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा ने 6 . 2, 4 . 6, 7 . 5 से हराया.

बैडमिंटन

थॉमस और उबेर कप आज से : महिला टीम की नजरें अच्छे प्रदर्शन पर रहेंगी

भारतीय पुरुष टीम की नजरें खिताब बरकरार रखने पर

एजेंसी। चेंगडू (चीन)

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम शनिवार से शुरू हो रहे थॉमस कप में एकल खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन के दम पर खिताब बरकरार रखने के इरादे से उतरेगी, जबकि उबेर कप में पीवी सिंधू के बिना युवा महिला टीम की नजरें भी अपने अच्छे प्रदर्शन पर लगी होंगी.

दो साल पहले भारत ने पहली बार थॉमस कप जीत कर तहलका मचा दिया था. पुरुष वर्ग में यह टूर्नामेंट टीम विश्व चैम्पियनशिप की तरह है. अपेक्षाओं के दबाव के बिना भारत ने

दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों को हराकर भारतीय बैडमिंटन के इतिहास का सुनहरा अध्याय लिखा. अब एक बार फिर उन पर इस प्रदर्शन को दोहराने का दबाव होगा. भारत को ग्रुप आफ डैथ मिला है, जिसमें कई बार की विजेता इंडोनेशिया, थाईलैंड और इंग्लैंड हैं. भारत को पहला मुकाबला थाईलैंड से खेलना है, जिसमें मौजूदा विश्व चैम्पियन कुंलावुत वितिदसर्न और युवा पी तीरारात्साकुल हैं. तीसरी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया की टीम में जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी जिंटिंग जैसे सितारे हैं जो मार्च में आल इंग्लैंड फाइनल्स खेल चुके हैं. इनके अलावा मुहम्मद रियान अर्दियांतो और फजर अल्फियान की सातवीं रैंकिंग वाली जोड़ी भी टीम में है. भारत के एच एस प्रणय ने कहा, यह वर्ष कठिन होगा. मौजूदा फॉर्म को देखते हुए अधिकांश टीमों में तीन मजबूत एकल खिलाड़ी और दो युगल खिलाड़ी हैं. दो साल पहले निर्णायक पांचवां एकल मुकाबला जीतने वाले प्रणय इस सत्र के पहले हाफ में फिटनेस समस्याओं से जूझने के बाद आये हैं. उन्होंने हालांकि हाल ही में चीन के लू गुआंग जू को हराकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिये हैं. लक्ष्य सेन फ्रेंच ओपन और आल इंग्लैंड में सेमीफाइनल तक पहुंचे. दो साल पहले सभी छह मैच जीतने वाले किदाम्बी श्रीकांत 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2023 एशियाई खेलों में टीम चैम्पियनशिप फाइनल हार गए थे.

निशानेबाजी: सिफत ट्रायल्स में जीती

भाषा। नयी दिल्ली

- ओलंपिक चयन ट्रायल में चार विरोधियों पर सिफत कौर ने लगातार दर्ज की है जीत

सिफत कौर सामरा ने शुक्रवार को यहां डा कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) में चार ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ते हुए लगातार स्पर्धाओं में जीत हासिल की. ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर भी ओएसटी में विजेता दौर में प्रवेश किया. उन्होंने पुरुषों का थ्री पी टी2 फाइनल जीता. मौजूदा एशियाई खेलों की चैम्पियन, विश्व रिकॉर्ड धारी और पिछले कुछ समय से महिलाओं की थ्री पी में भारत की नंबर एक खिलाड़ी सिफत ने ओएसटी टी2 फाइनल में 465.1 का स्कोर बनाया. इस तरह उन्होंने दूसरे स्थान पर रही आशी चौकसी को 2.4 से पछाड़ा. अंजुम मौदगिल शूटऑफ के बाद तीसरे स्थान पर रहीं. सिफत ने बुधवार को महिलाओं की थ्री पी ओएसटी टी1 भी जीती थी. अब भोपाल में ओएसटी 3 और 4 अगले महीने होंगे. पुरुषों के थ्री पी ओएसटी टी2 फाइनल में ऐश्वर्य तोमर 463.6 अंक से विजेता रहे. यहां चल रहे ट्रायल्स के आठवें दिन पुरुषों और महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल और एयर पिस्टल टी2 क्वालिफिकेशन दौर में नैन्सी ने शानदार फॉर्म जारी रखी. उन्होंने 633.1 के स्कोर के साथ महिलाओं की एयर राइफल में शीर्ष स्थान हासिल किया. पुरुषों की स्पर्धा में संदीप सिंह 632.6 अंक से शीर्ष पर रहे. महिलाओं की एयर पिस्टल में रिद्म सांगवान 584 अंक के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं, जबकि सरबजोत सिंह 581 के साथ पुरुषों की एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर थे. सभी चार फाइनल शनिवार को होंगे.

▼ ब्रीफ खबरें

स्कूल बस में लगी आग, पांच बच्चे झुलसे

छपरा । बनियापुर थाना क्षेत्र स्कूली बस में आग लग गई. इस घटना में पांच बच्चे झुलसकर गंभीर रूप से घायल हो गए. जिनका उपचार छपरा सदर अस्पताल में चल रहा है. जबकि बस पूरी तरह जल गई. अन्य बच्चों को सकुशल बस से निकाल लिया गया. घटना जिले के बनियापुर थाना अंतर्गत दाढीबाड़ी गांव के समीप की है. बताया जा रहा कि सहजीतपुर थाना अंतर्गत कोल्हुआ गांव स्थित न्यू गुरुकुल शिक्षा निकेतन का बस बच्चों को छोड़ने के लिए बनियापुर जा रहा था.

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

गोपालगंज । जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई. घटना माड़ीपुर गांव के पास हुई, जहां अज्ञात वाहन के धक्के से एक बाइक सवार 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गोपालगंज सदर अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई. मृतक की पहचान कुचायकोट थाना बथना कुटी स्थित नरहवा शुकुल गांव निवासी रामप्रसाद के बेटे मिथुन भारती के रूप में की गई. बताया जाता जाता है कि युवक बाइक पर सवार होकर अपने घर से ससुराल हथुआ थाना क्षेत्र के अंगोता गांव जा रहा था.

अपराधियों ने की ट्रैक्टर चालक की हत्या

औरंगाबाद । अपराधियों ने 33 वर्षीय ट्रैक्टर चालक की पीट-पीटकर बेरहमी से हत्या कर दी. साथ ही उसकी दोनों आंखों को भी फोड़ दिया. बाद में उसके शव को बिजुलिया ईटकोहवा खजुरबाना के समीप उत्तर कोयल नहर के माइनर में फेंक दिया. घटना सलैया थाना क्षेत्र की गुरुवार की रात की है. बतायी जाती है शुक्रवार सुबह युवक शव मिलने के बाद हड़कंप मच गया. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. पुलिस ने मृतक की पहचान महेशपुर गांव निवासी सत्यनारायण चौधरी के पुत्र बिनोद चौधरी के रूप में की.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रचार अभियान में महागठबंधन को निशाने पर लिया, बोले

कांग्रेस व राजद का मकसद हक छीनना है

मोदी गरजे

- दोनों पार्टियों ने जनता को दाने दाने के लिए तरसा दिया
- बिहार में नौकरी के बदले उसकी जमीन छीन ली गई
- कोई थोड़ा समर्थ है उसका अपहरण करवा लिया जाता था

पीएम सम्मान किसान निधि के 1600 करोड रुपए भेजे गए

पिछले 10 सालों में बिहार के लोगों को केंद्र सरकार की ओर से 50,000 करोड़ का लाभ सीधे आपके खाते में पहुंचा दिया गया. नरेंद्र मोदी ने कहा कि अररिया और सुपौल के बाद खातों में पीएम सम्मान किसान निधि के 1600 करोड रुपए भेजे गए. जिसमें कोई बिचौलिया नहीं, कोई चोरी नहीं. दोनों जिलों में गरीबों को तीन लाख पक्के घर दिए गए. माता बहन और बेटियों के जीवन को आसान बनाना ही एनडीए की प्राथमिकता है. घर में उन्हें शौचालय, नल से जल, मुफ़्त बिजली कनेक्शन, मुफ़्त गैस कनेक्शन और मुफ़्त राशन दिए जा रहे हैं. पीएम मोदी ने कहा कि गरीब परिवारों को आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख के मुक्त इलाज का का लाभ दिया गया. अब एक नई योजना लेकर केंद्र सरकार आपके पास आई है. अब हर गरीब और अमीर परिवार के 70 साल के बुजुर्ग को भी आयुष्मान योजना का लाभ दिया जाएगा.

संवाददाता । अररिया

लोकसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा जारी है. इसी बीच शुक्रवार को पीएम प्रचार अभियान में अररिया पहुंचे. लोगों को संबोधित करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश में राजनीति की दो मुख्य धाराएं बन गई हैं. एक धारा बीजेपी-एनडीए की है जिसका मकसद है देश के लोगों को समर्थ बनाना. इसके विपरीत एक ऐसी धारा है जो कांग्रेस और राजद की है, जिसका मकसद है देश के लोगों से उनका हक छीनना. उन्हें तरसाकर रखना और अपनी तिजोरी भरते रहना. कांग्रेस और राजद ने बिहार के लोगों को विकास के लिए तरसा कर रख दिया. इन दोनों पार्टियों ने बिहार की गरीब जनता को दाने दाने के लिए तरसा दिया.

पीएम ने कहा कि किसी के पास खेत खलिहान है तो नौकरी के बदले उसकी जमीन छीन ली. किसी के पास नौकरी है तो तनख्वाह छीन ली. किसी के पास गाड़ी है तो वह छीन ली. कोई थोड़ा भी समर्थ है उसका अपहरण करवा लिया. जंगलराज के दिनों का हाल था. यही कांग्रेस और राजद के शासन का तरीका है. नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए के साथियों ने बड़ी मेहनत करके बिहार को उस जंगलराज से बाहर निकाला. आज एनडीए की सरकार मिलकर प्रयास कर रही है कि हर लाभार्थी के दरवाजे पर पहुंचें और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं से जोड़े.

कांग्रेस राजद पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियों ने आपका हक छीनने का काम किया. अब दलित, पिछड़ा और आदिवासियों का आरक्षण छीनने की साजिश चल रही है. बाबा साहेब अंबेडकर ने साफ कहा कि भारत में धर्म आधारित आरक्षण नहीं हो सकता. लेकिन कांग्रेस पूरे देश में धर्म आधारित आरक्षण के लिए पूरा जोर लगा रही है. आरक्षण का कर्नाटक मॉडल पूरे देश में लागू करना चाहती है. ओबीसी समाज को 27 परसेंट का जो आरक्षण दिया जाता है उसमें चोरी का खेल किया जा रहा है. उसमें से आरक्षण का हिस्सा काटकर धर्म के आधार पर मुसलमानों को देने की तैयारी चल रही है. अपने इस प्रयास में सुप्रीम कोर्ट और संविधान से बचने के लिए इंडी गठबंधन ने पर्दे पीछे खेल किया.

रातों-रात सभी मुसलमान को ओबीसी बना दिया गया और ओबीसी समाज के 27 परसेंट आरक्षण का बड़ा हिस्सा मुस्लिम धर्म के लोगों को दे दिया गया. पीएम मोदी ने कहा कि इससे नतीजा यह हुआ कि ओबीसी समाज का हिस्सा मुसलमानों के खाते में चला गया. ओबीसी के हक पर डाका डाला गया. राजद ने इसके खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला.

जब तक पीएम नरेंद्र मोदी हैं संविधान को खतरा नहीं: चिराग

संवाददाता । अररिया

अररिया में दौरान चुनावी सभा को जमुई सांसद चिराग पासवान ने भी संबोधित किया. जनता से वादा करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी के सामने उन्होंने कसम भी खाई. चिराग पासवान ने कहा कि आज प्रधानमंत्री के इस मंच से, प्रधानमंत्री के सामने, प्रधानमंत्री के ही शब्दों को दोहराते हुए आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि जब तक हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं तब तक ना देश को संविधान से कोई खतरा है और ना आरक्षण को कोई खतरा है. आज इस मंच से मैं मेरे नेता, मेरे पिता रामविलास पासवान के संघर्षों की कसम खा कर आप लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि जब तक चिराग पासवान जीवित है तब तक ना आरक्षण पर ना संविधान पर कभी कोई खतरा था ना भविष्य में कोई खतरा आएगा. ये वादा करके जाता हूं. बता दें कि अररिया सीट बीजेपी के खाते में गई है. यहां से पार्टी ने प्रदीप कुमार सिंह को टिकट दिया है. चिराग पासवान ने विपक्ष पर निशाना साधा. कहा कि विपक्ष डराने की पॉलिटिक्स कर रहा है और मां बेटियों की खुलेआम बेइज्जती कर रहा है.

कहा कि विपक्ष आम लोगों को डराकर वोट लेने की कोशिश कर रहा है. लोगों में भ्रम फैलाया जा रहा है कि भाजपा संविधान बदल देगी. आरक्षण खत्म कर देगी. लेकिन ऐसा नहीं है. ये सबकुछ विपक्ष की डराने वाली पॉलिटिक्स है. कहा कि आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या करने वालों की गोद में बैठकर एनडीए पर संविधान को खतरे में बताया जा रहा है. वहीं मुंगेर लोकसभा सीट जदयू के पास है. जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह यहां से सांसद हैं. इस बार भी वही चुनाव लड़ रहे हैं. प्रधानमंत्री के चुनावी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे थे. इसके अलावा एनडीए घटक दल के कई और नेताओं ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया.

बेतिया में सड़क हादसे में तीन बारातियों की हुई मौत

संवाददाता । पूर्वी चंपारण

बेतिया में शादी समारोह से लौट रहे तीन बारातियों की सड़क हादसे में मौत हो गई. घटना गुरुवार की रात 11 बजे बेतिया-नवलपुर पथ में बाबू टोला गुरवलिया चौक की है. बताया कि रामगढ़वा से बारातियों को वापस लेकर लौट रही बोलेरो ने आगे जा रही ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी. इस घटना में बोलेरो में सवार 11 लोगों में तीन की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी. जबकि छह लोग गंभीर रुप से घायल हो गए. घायलों में तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है. डॉक्टर ने उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें पटना रेफर कर दिया है. इस घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गई हैं. मनुआपुल थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि गोलाघाट डुमरी निवासी दीनानाथ महतो के पुत्र की बारात गुरुवार की संध्या पूर्वी चंपारण के रामगढ़वा गयी थी. वहां से खाना खाकर गोलाघाट डुमरी निवासी उमा यादव के बोलेरो से बाराती वापस लौट रहे थे. गाड़ी उमा ही चला रहा था. बाबू टोला के समीप बोलेरो ने ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी.

अटौर गांव में शादी समारोह में आतिशबाजी से घर में लगी आग, गैस सिलेंडर ब्लास्ट हो गया

एक ही परिवार के छह लोगों की हुई मौत

संवाददाता । दरभंगा

अटौर गांव में एक शादी समारोह में पटाखे की चिंगारी से लगी आग में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई. इसमें पांच गायें भी झुलसकर मर गईं. घटना गुरुवार देर रात की है. मृतकों में तीन बच्चे भी शामिल हैं. पुलिस के मुताबिक, अंटोर गांव में देर रात शादी समारोह में आतिशबाजी की जा रही थी.

बताया जाता है कि इसी आतिशबाजी की चिंगारी से घर में आग लग गई. इस बीच घर में रखे रसोई गैस सिलेंडर में ब्लास्ट हो गया. देखते ही देखते आग पूरे घर में फैल गई. घर में बड़ी मात्रा में डीजल भी रखा हुआ था, जिससे आग और भड़क गई. इस घटना में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई. बहेड़ा के थाना प्रभारी चंद्रकांत ने बताया कि मृतकों में सुनील कुमार, लाली देवी और कंचन देवी सहित तीन

नाबालिग बच्चे हैं. पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी ने बताया कि रात 11 बज कर करीब 15 मिनट पर आग लगने की सूचना मिली. जिसके बाद थाना प्रभारी एवं अग्निशमन अधिकारी को भेजा गया.

काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका. उन्होंने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए दरभंगा मेडिकल कालेज अस्पताल भेजा गया है. घटना के बाद गांव में मातम पसरा है. ग्रामीणों ने बताया कि दरभंगा जिले के अलीनगर प्रखंड के बहेड़ा थाना क्षेत्र के अंटोर गांव में बीती रात छगन पासवान की बेटी की शादी थी. बारातियों के ठहरने और खाने का प्रबंध रामचंद्र के आवासीय परिसर में किया गया था. बारातियों ने वहां आतिशबाजी की. जिससे शामियाने में आग लग गई. आग से वहां रखे रसोई गैस के एक सिलेंडर में विस्फोट हो गया.

होटल मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई

पटना । पटना जंक्शन से कुछ ही दूरी पर स्थित एक होटल में गुरुवार लगी आग में छह लोगों की मौत हो गई थी. इस मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है. होटल मालिक के खिलाफ कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज की गई है. हादसे के पीछे की लापरवाही भी सामने आई है. पटना सदर अंचलाधिकारी राजेंद्र प्रसाद ने कोतवाली थाने को एफआईआर के लिए आवेदन दिया है. इसमें उन्होंने होटल मालिक के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं. पाल होटल के साथ उसके बगल में स्थित अमृत होटल पर भी एफआईआर दर्ज कराई गई है. अंचलाधिकारी का कहना है कि बहुमंजिल होटलों में आने-जाने का एक ही रास्ता है जो काफी संकीर्ण पाया गया. होटल के कमरों में 30 से अधिक लोग फंसे थे.

रिटायर्ड सैनिक के पुत्र की अपहरण के बाद हत्या

बेगूसराय । भाजपा के सैनिक प्रकोष्ठ के सदस्य सह सेवानिवृत्ति सैनिक कौशल कुमार के बेटे अंगद कुमार की अपहरण के बाद हत्या कर दी गई. घटना मटिहानी थाना क्षेत्र की है. मृतक अंगद साम्हों थाना क्षेत्र के साम्हो का रहने वाला है. जानकारी के मुताबिक अंगद 25 अप्रैल की शाम से लापता था. इसे लेकर अंगद के पिता कौशल कुमार द्वारा बेगूसराय एसपी सहित जिला प्रशासन को आवेदन देकर घटना से अवगत कराया गया था, जिसमें अपने बेटे की गुमशुदगी की बात बताई गई थी. लेकिन शुक्रवार की सुबह अंगद का शव चकोर घाट से मिला. शव बरामद होने के बाद परिजनों ने अपहरण के बाद हत्या की आशंका जाहिर की. परिजनों का आरोप है कि अपराधियों द्वारा पहले अंगद का अपहरण किया गया. फिर उसकी हत्या कर उसके शव को गंगा में फेंक दिया गया. परिजनों ने अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग की है.

कारोबार

मैनावी ने बहुलांश हिस्सेदारी हासिल की

नयी दिल्ली । जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न में बहुलांश हिस्सेदारी हासिल कर ली है. कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि इस बदलाव के बाद बेंगलुरु स्थित एविग्न का लक्ष्य 2030 तक एक अरब अमेरिकी डॉलर का राजस्व उत्पन्न करना है. इस अधिग्रहण के साथ ही कैप्रिया, ल्यूमिस, एमएसडीएफ, एमिकस कैपिटल और पंकज बंसल सहित एविग्न के कुछ शुरुआती निवेशक कंपनी से बाहर हो गए. एविग्न के अन्नया सार्थक ने कहा कि मैनावी के पास कंपनी में महत्वपूर्ण बहुमत होगा.

बजाज फाइनेंस का शेयर 8 प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली । बजाज फाइनेंस के शेयर में शुक्रवार को करीब आठ प्रतिशत की गिरावट आई. बीएसई पर शेयर 7.64 प्रतिशत गिरकर 6,736.15 रुपये पर आ गया. एनएसई पर यह 7.60 प्रतिशत फिसलकर 6,740 रुपये पर रहा. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 21 प्रतिशत बढ़कर 3,825 करोड़ रुपये रहा. वित्त वर्ष 2022-23 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 3,158 करोड़ रुपये रहा था.

रिलायंस के वित्तीय प्रदर्शन को फिच ने सराहा

नयी दिल्ली । रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में मजबूत प्रदर्शन के बाद वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी और फिच का विश्वास हासिल कर लिया है. एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स और फिच रेटिंग्स ने अलग-अलग बयान में कंपनी के वित्तिय प्रदर्शन के चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भी मजबूत रहने की बात कही है. बयान के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की मजबूत कमाई पर अंकुश रहेगा क्योंकि कंपनी वृद्धि की महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ा रही है. हमें उम्मीद है कि कंपनी की ऋण से लेकर कर पूर्व आय अनुपात की रेटिंग (बीबीबी /स्थिर) के अनुरूप रहेगी.

इंडिगो ने 70 अतिरिक्त ए-350 विमानों की खरीद के लिए भी हस्ताक्षर किए

इंडिगो ने 30 विमान खरीदने के ऑर्डर दिये

भाषा । नयी दिल्ली

इंडिगो एयरलाइन

- 900 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है इंडिगो
- 2027 से होगी वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट की डिलीवरी
- एयर इंडिया के साथ सीधे कॉम्पिटिशन में आएगी

इंटरग्लोब एविएशन लिमिटेड यानी इंडिगो अब कारोबार बढ़ाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है. इसके लिए फैसले ले रही है. इसी के तहत कंपनी ने 30 एयरबस ए350-900 एयरक्राफ्ट खरीदने के लिए ऑर्डर दिया है. इसके जरिए बजट एयरलाइन इंडिगो वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट सेगमेंट में एंट्री करेगी. कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी. इससे इंडिगो को अपने पंख फैलाने और अपने नेटवर्क का विस्तार करने में मदद मिलेगी. एयरलाइन ने बताया कि इन विमानों में रोल्स रॉयस के ट्रेंट एक्सडब्ल्यूबी इंजन लगे हैं.

इंडिगो को उम्मीद है कि इन वाइड-बॉडी एयरक्रॉफ्ट की डिलीवरी 2027 से शुरू हो जाएगी. इसके जरिए एयरलाइन को अपने नेटवर्क का विस्तार करने में मदद मिलेगी. ये विमान फ्यूल एफिशिएंट होते हैं. 30 विमानों की खरीद के अलावा, इंडिगो ने 70 अतिरिक्त ए350 विमानों की खरीद के अधिकार के लिए भी हस्ताक्षर किए हैं. नए विमानों से एयरलाइन अल्ट्रा-लॉन्ग-डिस्टेंस फ्लाइट ऑपरेट कर पाएगी. इससे यह एयर इंडिया के साथ सीधे कॉम्पिटिशन में आ जाएगी.

वर्तमान में इंडिगो के पास 350 से ज्यादा विमानों का बेड़ा है. अपने बेड़े के साथ इंडिगो रोजाना 1900 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती है. ये एयरलाइन 81 डोमेस्टिक डेस्टिनेशन और 32 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन को कवर करती है. भारत में सबसे ज्यादा 60% मार्केट शेयर इंडिगो के पास ही है, जो साल 2030 तक अपनी क्षमता को दोगुना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने नेटवर्क का विस्तार करना चाहती है. इंडिगो के शेयर ने इस साल अब तक में 28.25% का रिटर्न दिया है. वहीं, पिछले छह महीनों में शेयर 58.36% चढ़ चुका है. शेयर बाजार की बात करें तो इंडिगो का शेयर 2.08% की तेजी के साथ 3,820 रुपए के स्तर पर बंद हुआ है. क्यू3एफवाई24 यानी अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इंडिगो का नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 110.7 % बढ़कर 2,998 करोड़ रहा. पिछले साल की समान तिमाही में इंडिगो ने 1,422.6 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था. क्यू3एफवाई24 में ऑपरेशंस से कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 30.26 % बढ़कर 19,452 करोड़ रुपए रहा. पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में ये 14,933 करोड़ रुपए रहा था. कंपनी ने तीसरी तिमाही में टिकट बेचकर 17,157 करोड़ का रेवेन्यू जनरेट किया. पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले इसमें करीब 30.30% की ग्रोथ हुई है.

बता दें कि पिछले साल जून 2023 में इंडिगो ने यूरोपीय विमान विनिर्माता एयरबस को 500 विमानों की आपूर्ति का ऑर्डर दिया था. यह एयरबस को किसी भी एयरलाइन की तरफ से दिया गया सबसे बड़ा विमान ऑर्डर था. एयरलाइन की ऑर्डरबुक में करीब 1,000 विमान हो चुके हैं जिनकी आपूर्ति अगले एक दशक में की जाएगी. यह ऑर्डर इसलिए भी अहम है क्योंकि सरकार की योजना विदेशी एयरलाइनों पर निर्भरता कम करने की है. कंपनी इसी को ध्यान में रखकर आगे बढ़ रही है. केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि मेरे लिए यह महत्वपूर्ण है कि मैं अपने ग्राहकों को हर संभव अवसर दूं. हमें यह भी देखना कि हमारे घरेलू एयरलाइन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कदम कैसे बढ़ा रहे हैं.

बीओएम का मुनाफा 45 प्रतिशत बढ़ा

भाषा । नयी दिल्ली

बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,218 करोड़ रुपये रहा. पुणे स्थित सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता का एक साल पहले इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 840 करोड़ रुपये था. बीओएम ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, समीक्षाधीन तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 6,488 करोड़ रुपये हो गई. पिछले साल समान अवधि में यह 5,317 करोड़ रुपये थी. समीक्षाधीन अवधि में ब्याज आय बढ़कर 5,467 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 4,495 करोड़ रुपये थी. बैंक की 31 मार्च 2024 तक सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) घटकर सकल अग्रिम का 1.88 प्रतिशत हो गई, जो मार्च 2023 के अंत तक 2.47 प्रतिशत थी. शुद्ध एनपीए भी 2024 के अंत में 0.25 प्रतिशत से घटकर अग्रिम का 0.20 प्रतिशत हो गया. इस बीच, बैंक के निदेशक मंडल ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ में से 1.40 रुपये प्रति शेयर या 10 रुपये अंकित मूल्य के 14 प्रतिशत लाभांश की सिफारिश की है.

डेलॉयट ने जीडीपी वृद्धि 6.6% रहने का लगाया है अनुमान

भाषा । नयी दिल्ली

डेलॉयट इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है. निर्यात में तेजी और पूंजी प्रवाह इसमें मुख्य कारक रहेंगे. डेलॉयट ने भारत की आर्थिक परिदृश्य पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि मध्यम आय वर्ग की तेज वृद्धि से क्रय शक्ति बढ़ी है. प्रीमियम लक्जरी उत्पादों व सेवाओं की मांग भी उत्पन्न हुई है. डेलॉयट ने पिछले वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.6 से 7.8 प्रतिशत के बीच कर दिया है. जनवरी में कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि के 6.9 से 7.2 प्रतिशत की सीमा में रहने का अनुमान लगाया था. डेलॉयट ने तिमाही के आर्थिक परिदृश्य में कहा कि देश की जीडीपी वृद्धि वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 6.6 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 6.75 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है.

इंडिया अपॉच्र्युनिटी फंड कैप्रिया ने बंद कर दिया

नयी दिल्ली । कैप्रिया वेंचर्स ने मानव संसाधन प्रौद्योगिकी मंच एविग्न से बाहर होने पर कई गुना रिटर्न मिलने के बाद अपना 153 करोड़ रुपये का 'इंडिया अपॉच्र्युनिटी फंड' बंद कर दिया है. उद्यम पूंजी कंपनी ने एविग्न में अपनी हिस्सेदारी जापान स्थित मानव संसाधन समाधान प्रदाता मैनावी कॉरपोरेशन को बेच दी है. कंपनी ने एक बयान में कहा, कैप्रिया ने अपने 'इंडिया अपॉच्र्युनिटी फंड' के लिए 153 करोड़ रुपये (1.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर) की धनराशि सफलतापूर्वक जुटा ली है. यह एविग्न से निकलने पर संभव हो पाया.

रेमंड — नवाज व उनके पति गौतम सिंघानिया ने पिछले साल नवंबर में तलाक की घोषणा की थी

रेमंड ग्रुप ने नवाज सिंघानिया को बाहर का रास्ता दिखाया

भाषा । नयी दिल्ली

बढ़ा विवाद

- 31 मार्च को ईजीएम में यह फैसला लिया गया था
- नवाज और गौतम में सेटलमेंट को लेकर विवाद है

एक समय रेमंड कंपनी अपने नाम और पहचान के लिए चर्चा में रहती थी, लेकिन आज विवादों की वजह से चर्चा में है. कुछ समय पहले पिता और पुत्र के बीच हुए झगड़े के बाद मामला शांत हो गया था, लेकिन अब रेमंड ग्रुप के चीफ गौतम सिंघानिया और उनसे अलग हो चुकीं उनकी पत्नी नवाज मोदी-सिंघानिया के बीच विवाद बढ़ता ही जा रहा है. दरअसल रेमंड ग्रुप की तीन कंपनियों जेके इन्वेस्टर्स, रेमंड कंज्यूमर केयर और स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व ने नवाज मोदी-सिंघानिया को अपने बोर्ड से बाहर कर दिया है. इन कंपनियों ने बताया कि 31 मार्च को हुई ईजीएम में यह फैसला लिया गया. हालांकि ग्रुप की लिस्टेड कंपनी रेमंड नवाज को अपने बोर्ड से निकालने के लिए अब तक कोई प्रस्ताव लेकर नहीं आई है. लेकिन सूत्रों के मुताबिक उन्हें रेमंड के बोर्ड से निकाले जाने की आशंका है. नवाज मोदी-सिंघानिया और उनके पति गौतम सिंघानिया ने पिछले साल नवंबर में तलाक की घोषणा की थी. इसके बाद से ही उनके बीच सेटलमेंट को लेकर विवाद चल रहा है.

नवाज मोदी-सिंघानिया को जून 2015 में जेके इन्वेस्टर्स का डायरेक्टर बनाया गया था. उन्हें दिसंबर 2020 में रेमंड कंज्यूमर केयर और अक्टूबर, 2017 में स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व के बोर्ड में जगह मिली थी. जब उन्हें यह जानकारी मिली कि उन्हें स्मार्ट एडवाइजरी एंड फिनसर्व और रेमंड कंज्यूमर केयर के बोर्ड से हटा दिया गया है तो वह इन कंपनियों के बोर्ड में पेश हुईं. नवाज ने मुंबई में रेमंड के ऑफिस में जाने से पहले कहा कि जबसे मैंने सिंघानिया के कारनामों की पोल खोलनी शुरू की है तबसे मेरे साथ दुर्व्यवहार हो रहा है. पहले मेरे साथ मारपीट हुई. अब मुझे बाहर कर दिया गया है. जेके इन्वेस्टर्स और स्मार्ट एडवाइजरी के प्रवक्ता ने कहा कि ये दोनों क्लोजजी हेल्ड कंपनियां हैं. इन कंपनियों के शेयरहोल्डर्स ने कंपनियों को लिखा कि डायरेक्टर के रूप में वे नवाज का भरोसा खो चुके हैं. उन्होंने इन कंपनियों के बोर्ड से शेयरहोल्डर मीटिंग बुलाकर नवाज को बाहर करने की मांग की थी. इन कंपनियों के बोर्ड की 31 मार्च को मीटिंग हुई और गुरुवार को शेयरहोल्डर्स की मीटिंग हुई. उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए नवाज को इन कंपनियों के बोर्ड से हटा दिया गया है.

मैसेजेस के एन्क्रिप्शन तोड़ने को विवश किया गया, तो भारत छोड़ देंगे

भाषा । नयी दिल्ली

वॉट्सऐप ने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा है कि यदि उसे मैसेजेस के एन्क्रिप्शन को तोड़ने के लिए विवश किया गया, तो वह भारत से बाहर निकल जायेगा. वॉट्सऐप द्वारा यह टिप्पणी तब की गयी जब हाईकोर्ट व्हाट्सएप और उसकी मूल कंपनी फेसबुक इंक, अब मेटा की याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था. जिसमें सोशल मीडिया मध्यस्थों के लिए 2021 सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों को चुनौती दी गयी थी. भारत सरकार ने 2021 सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों के अंतर्गत यह कहा था कि सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अपने संदेशों के एन्क्रिप्शन को तोड़ना होगा और सरकारी विभाग जब चाहें किसी की भी बातचीत को पढ़ और सुन सकते हैं. बता दें कि भारतीय लोगों का डाटा भारत में सुरक्षित रखने का मुद्दा भी मेटा ने माना था और जियो में नौ फीसदी भागीदारी खरीदी थी. वॉट्सऐप ने तर्क देते हुए कहा कि इससे (एन्क्रिप्शन तोड़ने) यूजर्स की प्राइवेसी का उल्लंघन होता है. कहा कि नियम बिना किसी परामर्श के लागू किया गया है.

मालदा में चुनावी रैली करते हुए पीएम ने टीएमसी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा, कहा

घुसपैठियों को बंगाल में बसाना चाहती है टीएमसी: मोदी

एजेंसी। कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में आयोजित जनसभा में कहा कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस का सफाया हो गया. अब दूसरे चरण में भी उनका यही हाल होगा. मोदी ने कहा कि यहां टीएमसी और कांग्रेस में तुष्टिकरण की प्रतियोगिता चल रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार बांग्लादेशी घुसपैठियों को लाकर बंगाल में बसाने का काम करती है. साथ ही इन घुसपैठियों को आपकी जमीन और खेत पर कब्जा करवाती है. प्रधानमंत्री ने कांग्रेस का नाम लेते हुए कहा कि वह आपकी संपत्ति हड़पना चाहती है और टीएमसी इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रही है.

कांग्रेस के शहजादे विदेश से एक्स-रे मशीन लाये हैं : मोदी ने संपत्ति बंटवारे को लेकर भी कांग्रेस पर हल्ला बोला. विरासत टैक्स की चर्चा करते हुए रहा कि कांग्रेसियों ने महिलाओं का मंगलसूत्र, आदिवासियों के गहने, हर किसी की प्रॉपर्टी जांच कराने का ऐलान किया है. कांग्रेस के शहजादे विदेश से एक्स-रे मशीन लाये हैं. वे पूरे देश में एक्स-रे करेंगे. कांग्रेस का इरादा सभी का पैसा, सोना-चांदी, जमीन कब्जा करने का है. बता दें कि वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मालदा उत्तर सीट से भाजपा के टिकट पर खगेन मुर्मू ने जीत का परचम लहराया था. हालांकि भाजपा मालदा दक्षिण सीट मामूली अंतर से हार गयी थी. इन दोनों सीटों पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा.

आरोप- टीएमसी का शासन घोटालों का पर्याय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पश्चिम बंगाल में लगभग 26,000 नौकरियां रद्द होने के मामले पर सत्तारूढ़ टीएमसी की आलोचना की. कहा, राज्य के युवाओं को पार्टी की 'कट और कमीशन' की संस्कृति के कारण नुकसान उठाना पड़ा है. टीएमसी के शासन में शिक्षक भर्ती घोटाले के कारण बंगाल में 26,000 लोगों की रोजी-रोटी चली गयी. मोदी ने ममता बनर्जी पर हमलावर होते हुए कहा कि टीएमसी के राज में बंगाल में हजारों करोड़ों के स्कैम चलते हैं. टीएमसी घोटाले करती है और भुगतना बंगाल की जनता को पड़ता है. पश्चिम बंगाल में तृणमूल के नेता केंद्र का धन लूट रहे हैं. आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस का शासन घोटालों का पर्याय है, बंगाल में लोगों को हर चीज के लिए कट मनी देना पड़ता है.

महाराष्ट्र के ठाणे में लोकसभा चुनाव को लेकर मानव श्रृंखला बना कर मतदाताओं को जागरूक कर रहे छात्र.

ब्रीफ खबरें

अमेरिका में पुलिस की गोली से भारतवंशी की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के सैन एंटोनियो में गंभीर हमला करने के भारतीय मूल के आरोपी की पुलिस कार्रवाई के दौरान गोली लगने से मौत हो गई. पुलिस अधिकारी सचिन साहू (42) को पकड़ने की कोशिश कर रहे थे. इसी दौरान उसने अपने वाहन से दो अधिकारियों को टक्कर मार दी, जिसके बाद पुलिस अधिकारी टायलर टर्नर ने उस पर गोली चला दी. साहू मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था.

गोलीबारी मामले में दो आरोपी भेजे गये जेल

मुंबई। बांद्रा में बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के आवास के बाहर गोलीबारी के मामले में बीते गुरुवार को पंजाब से गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को शुक्रवार को 30 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया. इससे पहले दोनों आरोपी सुभाष चंद्र (37) और अनुज थापन (32) को मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया. दोनों पर गोलीबारी करने वालों को कथित तौर पर हथियार और कारतूस मुहैया कराने का आरोप है.

बारामूला में दो आतंकी ढेर, दो सैनिक घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच दूसरे दिन भी जारी मुठभेड़ के दौरान शुक्रवार को दो आतंकवादी मारे गए, जबकि दो सैन्यकर्मी घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि यह मुठभेड़ उत्तरी कश्मीर में सोपोर इलाके के चेक मोहल्ला नौपोरा में गुरुवार को शुरू हुई थी. रात में शांति के बाद शुक्रवार को सुबह फिर से मुठभेड़ शुरू हुई. अधिकारियों ने बताया कि अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं.

खुद को पायलट बताने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

नयी दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खुद को कथित तौर पर एक एयरलाइन कंपनी का पायलट बताने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. आईजीआई हवाई अड्डा की पुलिस उपायुक्त उषा रंगनानी ने बताया कि आरोपी ने गुरुवार को सीआईएसएफ के कर्मियों के सामने उसने खुद को एक एयरलाइन कंपनी का पायलट बताते हुए एक फर्जी पहचान पत्र भी दिखाया था.

स्त्रीधन पर अहम फैसला, जानिए क्या-क्या आता है इसके दायरे में

स्त्रीधन पर पति या ससुरालवालों का कोई हक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

शुभम संदेश नेटवर्क। नयी दिल्ली

देश में हो रहे आम चुनाव के बीच कुछ शब्द बार-बार सुनाई दे रहे हैं, जिनमें मंगलसूत्र और स्त्रीधन आम हैं. सुप्रीम कोर्ट ने स्त्रीधन को लेकर एक अहम फैसले में कहा है कि महिला का स्त्रीधन उसकी पूर्ण संपत्ति है, जिसे अपनी मर्जी से खर्च करने का उसे पूरा अधिकार है. इस स्त्री धन में पति कभी भी हिस्सेदार नहीं बन सकता, लेकिन संकट के समय पत्नी की रजामंदी से इसका इस्तेमाल कर सकता है.

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने स्त्रीधन को लेकर दायर एक वैवाहिक विवाद पर सुनवाई करते हुए कहा था कि महिला को अपने स्त्रीधन पर पूरा अधिकार है, जिसमें शादी से पहले, शादी के दौरान या बाद में मिलीं हुईं सभी चीजें शामिल हैं, जैसे कि माता-पिता, ससुराल वालों, रिश्तेदारों और दोस्तों से मिले उपहार, धन, गहने, जमीन और बर्तन आदि.

मांगने पर देने से मना करना कानूनन जुर्म : कई ऐसे भी मामले होते हैं, जहां मंगल सूत्र को छोड़ कर ज्यादातर स्त्रीधन महिला के ससुरालवाले रख लेते हैं, ये कहकर कि वे संभाल कर रखेंगे. ऐसी स्थिति में कानून उन्हें स्त्रीधन का ट्रस्टी मानता है. जब भी महिला उन चीजों को मांगती है, तो इसे देने से मना नहीं किया जा सकता. किसी स्थिति में अगर महिला का स्त्रीधन कोई अपने पास जबरन रख लेता है, तो महिलाओं को पूरा अधिकार है कि वे उस शख्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए आगे बढ़ सकें.

किस कानून के तहत है स्त्रीधन का अधिकार

हिंदू महिला का स्त्रीधन का हक हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 14 और हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 27 के तहत आता है. यह कानून शादी से पहले, शादी के समय या शादी के बाद महिला को स्त्रीधन अपने पास रखने का पूरा हक देता है. महिला चाहे तो स्त्रीधन को अपनी मर्जी से किसी को दे सकती है या बेच सकती है. इसके साथ ही घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 की धारा 12 भी महिलाओं को ऐसे मामलों में स्त्रीधन का अधिकार देती है, जहां वे घरेलू हिंसा का शिकार होती हैं. वे इन कानूनों की मदद से अपना हक वापस ले सकती हैं.

दहेज से कितना अलग है स्त्रीधन

स्त्रीधन और दहेज दो अलग-अलग चीजें हैं. दहेज मांग स्वरूप दिया या लिया जाता है, जबकि स्त्रीधन में प्रेमस्वरूप चीजें महिलाएं को दी जाती हैं. अगर स्त्रीधन को ससुराल पक्ष ने जबरन अपने कब्जे में रखा है, तो महिला इसके लिए क्लेम कर सकती है. अगर पति के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का केस लगा है, तो उसके साथ में स्त्रीधन को लेकर अलग से केस दर्ज कराया जा सकता है.

स्त्रीधन क्या है और दायरे में क्या-क्या आता है?

स्त्रीधन एक कानूनी टर्म है, जिसका जिक्र हिंदू धर्म में देखने को मिलता है. स्त्रीधन का अर्थ है महिला के हक का धन, संपत्ति, कागजात और अन्य वस्तुएं. एक आम धारणा ये है कि महिलाओं को शादी के दौरान जो चीजें उपहार स्वरूप मिलती हैं, उन्हें ही स्त्रीधन माना जाता है. लेकिन ऐसा नहीं है. स्त्रीधन में किसी महिला को बचपन से लेकर भी जो चीजें मिलती हैं, वह भी इसके दायरे में आती हैं. इनमें नकदी से लेकर सोना, हर तरह के तोहफे, संपत्तियां और बचत भी शामिल हैं. आसान शब्दों में कहें, तो जरूरी नहीं है कि शादी के दौरान या शादी के बाद मिले इस तरह के उपहारों को ही स्त्रीधन माना जाए. स्त्रीधन पर अविवाहित स्त्री का भी कानूनी अधिकार है. इसमें वे सारी चीजें आती हैं, जो किसी महिला को बचपन से लेकर मिलती रही हों. इसमें छोटे-मोटे तोहफे, सोना, कैश, सेविंग्स से लेकर तोहफे में मिली प्रॉपर्टी भी आती है.

नोटा को सबसे ज्यादा वोट, तो दोबारा चुनाव की मांग वाली याचिका पर सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने ईसी से मांगा जवाब

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने किसी भी प्रत्याशी से ज्यादा वोट नोटा को मिलने पर दोबारा चुनाव की मांग वाली याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है. मोटिवेशनल स्पीकर शिव खेड़ा की ओर से दाखिल की गई इस याचिका पर कोर्ट ने सुनवाई की. बता दें कि फिलहाल ये व्यवस्था है कि प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा वोट पाने वाले को विजेता माना जाता है. याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इसी व्यवस्था के चलते सूरत से एक प्रत्याशी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है. हालांकि, यह समझना जरूरी है कि यह विषय विस्तृत सुनवाई का है. इस याचिका का असर सूरत सीट के नतीजे या मौजूदा लोकसभा चुनाव के किसी भी पहलू पर नहीं पड़ेगा. शिव खेड़ा की ओर से दायर इस याचिका में यह नियम बनाने की भी मांग की गई है कि नोटा से कम वोट पाने वाले उम्मीदवारों को पांच साल के लिए किसी भी तरह के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया जाए. इसके अलावा नोटा को एक काल्पनिक उम्मीदवार के तौर पर देखा जाए. मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है.

क्या है नोटा

भारत में नोटा का विकल्प 2013 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद आया था. नन ऑफ द अबव यानी नोटा एक वोटिंग ऑप्शन है, जिसके तहत मतदाता किसी भी प्रत्याशी के पसंद न आने पर इस विकल्प को चुन सकता है. इसे भारत में शुरू कराने के पीछे पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज ने काफी लंबी लड़ाई लड़ी थी. हालांकि, भारत में नोटा राइट टु रिजेक्ट के लिए नहीं है. मौजूदा कानून के मुताबिक नोटा को ज्यादा वोट मिलते हैं, तो इसका कोई कानूनी नतीजा नहीं होता है.

इंडियन एंबेसी पर हमला मामले में एक गिरफ्तार

नयी दिल्ली। एनआईए ने लंदन में भारतीय उच्चायोग पर पिछले साल मार्च में हुए हमले के मामले में गुरुवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. उसे पिछले साल पाकिस्तान से भारत में घुसते समय अटारी सीमा पर हिरासत में लिया गया था. अधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि पश्चिमी लंदन के हाउंस्लो में रहने वाले इंद्रपाल सिंह गाबा को गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13(1), राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम की धारा दो और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 34 के तहत किए गए अपराधों के सिलसिले में गुरुवार को भारत में गिरफ्तार किया गया था.

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात की

संवाद के रास्ते खुले रखने पर जोर

एजेंसी। बीजिंग

अमेरिका और चीन के बीच विभिन्न द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विवाद को दूर करने के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने शुक्रवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और अन्य वरिष्ठ चीनी अधिकारियों के साथ मुलाकात की. उन्होंने गलतफहमी और गलत आकलनों के खतरों को लेकर चेतावनी भी दी. ब्लिंकन ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी और जन सुरक्षा मंत्री वांग शियाहोंग के साथ बातचीत के बाद राष्ट्रपति जिनपिंग से मुलाकात की.

दोनों देशों के बीच मतभेदों के बढ़ने के बावजूद हाल के महीनों में बातचीत के दौर में वृद्धि हुई है.

ब्लिंकन और वांग ने संवाद के रास्ते खुले रखने के महत्व को रेखांकित किया. लेकिन इस बात पर भी खेद जताया कि मतभेद अधिक गंभीर होते जा रहे हैं और वैश्विक सुरक्षा को खतरा पैदा कर रहे हैं. इस सप्ताह की शुरुआत में दोनों देशों के बीच गंभीर मतभेद तब उजागर हुए, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने विदेशी सहायता विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसमें कई प्रावधान हैं, जो चीन अपने खिलाफ मानता है. दोनों देशों के नेताओं की टिप्पणी मतभेदों की एक लंबी सूची का संकेत देती है जिसमें ताइवान और दक्षिण चीन सागर, व्यापार और मानवाधिकार, रूस के लिए चीन का समर्थन और 'सिंथेटिक ओपिओइड प्रीकर्सर' का उत्पादन और निर्यात शामिल हैं. वांग ने करीब साढ़े पांच घंटे की बातचीत की शुरुआत में ब्लिंकन से कहा कि कुल मिला कर, चीन-अमेरिका के रिश्ते स्थिर होने लगे हैं. लेकिन रिश्ते में नकारात्मक कारक अभी भी बढ़ रहे हैं, जिनकी वजह से संबंधों को सभी प्रकार के व्यवधानों का सामना करना पड़ रहा है.

महाराष्ट्र के एक किसान का बेटा जेईई मेंस टॉपर

मुंबई। महाराष्ट्र के वाशिम जिले के एक किसान के बेटे नीलकृष्ण गजरे ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) मेंस में पूरे भारत में शीर्ष स्थान हासिल किया है. वाशिम के सुदूर गांव बेलखेड निवासी नीलकृष्ण ने परीक्षा की तैयारी के लिए कठोर परिश्रम करते हुए हर दिन लगभग 10 घंटे पढ़ाई की. नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित जेईई मेंस के परिणाम गुरुवार को घोषित किए गए. नीलकृष्ण के पिता निर्मल गजरे ने कहा कि बेटे की सफलता पर खुशी जाहिर करने के लिए उनके पास शब्द ही नहीं हैं. उन्होंने बताया कि नीलकृष्ण ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अकोला के राजेश्वर कॉन्वेंट स्कूल और वाशिम के करंजा लाड के जेसी हाई स्कूल से की है.

सीआरपीएफ के डीआईजी को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू

एजेंसी। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने यौन उत्पीड़न के आरोपी सीआरपीएफ के डीआईजी रैंक के एक पूर्व मुख्य खेल अधिकारी को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. सीआरपीएफ में काम करने वाली कुछ महिलाओं ने उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे. आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्रालय द्वारा यूपीएससी की सिफारिश स्वीकार करने के बाद डीआईजी खजान सिंह को बर्खास्तगी का नोटिस भेजा गया है. सूत्रों ने कहा कि आरोपी अधिकारी से 15 दिनों के भीतर प्राप्त जवाब पर विचार करने के बाद इस संबंध में अंतिम आदेश जारी किए जाएंगे. वर्तमान में मुंबई में तैनात अधिकारी के खिलाफ बर्खास्तगी का नोटिस हाल ही में जारी किया गया था, जब सीआरपीएफ द्वारा की गई जांच में उन्हें यौन उत्पीड़न के आरोप में दोषी पाया गया था. सीआरपीएफ मुख्यालय ने आंतरिक समिति द्वारा तैयार की गई जांच रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया और उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए इसे यूपीएससी और गृह मंत्रालय को भेज दिया. यूपीएससी और गृह मंत्रालय ने खजान सिंह को बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.

बंगाल से पशु तस्करी रोकने में विफल रही केंद्र सरकार: कांग्रेस

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पश्चिम बंगाल से संबंधित कुछ विषय उठाए. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि पश्चिम बंगाल में मालदा के दौरे पर प्रधानमंत्री के लिए प्रश्न- प्रधानमंत्री ने मालदा में नदी का कटाव रोकने के लिए कुछ क्यों नहीं किया? मालदा हवाई अड्डे के बारे में क्या कहेंगे ? प्रधानमंत्री ने मवेशियों की अवैध तस्करी रोकने के लिए क्या किया है?

रमेश ने दावा किया कि हर साल मालदा जिले के हजारों परिवार गंगा और फुलाहार नदियों के भूमि कटाव के कारण भयावह बाढ़ का सामना करते हैं. रमेश ने कहा कि जिले का अधिकतर हिस्सा केंद्र सरकार द्वारा संचालित फरक्का बैराज के क्षेत्र में है, इसलिए इसकी जिम्मेदारी मोदी सरकार की है. सत्ता में आने के 10 साल बाद और नमामि गंगे के लिए उदार कागजी आवंटन के बावजूद, मोदी सरकार ने मालदा के अनुसूचित जाति और ओबीसी परिवारों को नदी के कटाव की विकराल समस्या से बचाने के लिए एक भी हस्तक्षेप क्यों नहीं किया है.

लगाये आरोप

- मालदा में नदी का कटाव रोकने के लिए कुछ नहीं किया
- मोदी सरकार ने 10 वर्षों में मालदा हवाई अड्डे की उपेक्षा की

कॅरियर-काउंसिलिंग

मशीन लर्निंग कोर्स कर एमएल इंजीनियर के रूप में कॅरियर बना सकते हैं

रजनीश प्रसाद। मशीन लर्निंग इंजीनियर, आईटी क्षेत्र से संबंधित है, जो सेल्फ-प्रोपेल्ड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, भविष्य कहे जानेवाले मॉडल के रिसर्च, भवन और डिजाइन पर केंद्रित है. मशीन लर्निंग इंजीनियर, मशीन लर्निंग (एमएल) को परिभाषित करने के लिए डिजाइन तैयार करने का काम करेंगे. एमएल इंजीनियर, डेटा साइंटिस्ट के लिए एक ब्रिज के रूप में स्टैटिस्टिकल मॉडल-बिल्डिंग, एआई सिस्टम के निर्माण पर केंद्रित है.

मशीन लर्निंग इंजीनियर की जिम्मेदारियां क्या हैं?

मशीन लर्निंग इंजीनियर को कंप्यूटर साइंस के मौलिक एल्गोरिथम, डेटा स्ट्रक्चर और कंप्यूटर आर्किटेक्चर का उपयोग करना होता है.

- गणना और संगणना के लिए गणितीय कौशल का उपयोग करना.
- प्रोग्रामिंग पर आधारित एल्गोरिदम के साथ काम करना.
- परियोजना के परिणाम तैयार करना.
- कोड बनाने के लिए डेटा मॉड्यूल पाइपलाइन और बुनियादी ढांचे का विकास और मैनेजमेंट करना.
- विभिन्न स्टेटिस्टिकल मॉडल और प्रक्रिया के आधार पर एल्गोरिदम तैयार करना.
- प्रासंगिक मशीन लर्निंग लाइब्रेरी और एल्गोरिदम को व्यवस्थित करना.
- स्ट्रक्चर्ड और अनस्ट्रक्चर्ड डेटा का विश्लेषण करने के लिए बड़े और जटिल सेट तैयार करना
- एमएल सिस्टम डिजाइनिंग.
- एमएल एल्गोरिदम और उपकरण पर रिसर्च और कार्यान्वयन करना.
- उपयुक्त डेटा सेट का चयन करना.
- डेटा गुणवत्ता को सत्यापित करना.
- स्टेटिस्टिकल एनालिसिस करना.

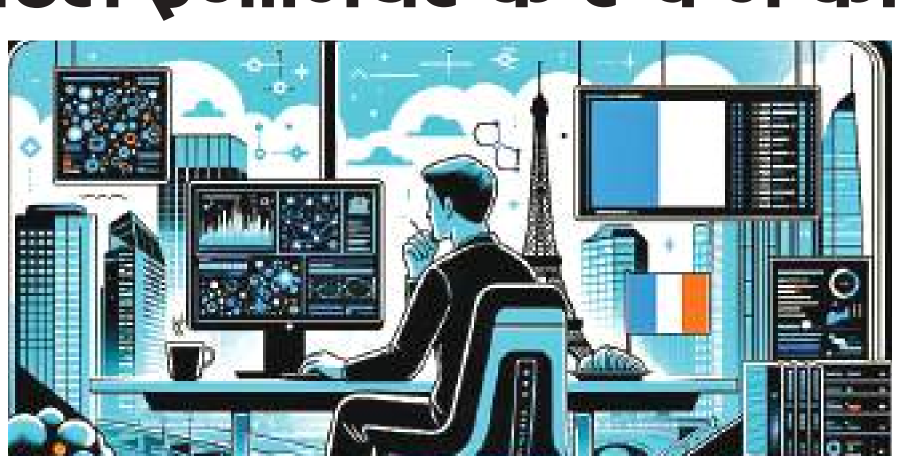

मशीन लर्निंग इंजीनियर की स्किल्स

- मशीन लर्निंग इंजीनियर को बुनियादी प्रोग्रामिंग भाषा जैसे- सी , पायथॉन, जावा की जानकारी होना जरूरी है.
- प्रोबेबिलिटी की समझ होनी चाहिए.
- सांख्यिकीय अवधारणाओं को समझने की क्षमता होनी चाहिए.
- वितरित कंप्यूटिंग की बुनियादी जानकारी होनी चाहिए.
- कम से कम एक यूनिक इक्विपमेंट में कार्य अनुभव होना चाहिए.
- गणित की अच्छी समझ होनी चाहिए.
- एल्गोरिथम मॉडल की अच्छी समझ होनी चाहिए.

मशीन लर्निंग इंजीनियर बनने के लिए क्या-क्या करें

- अपने एंड गोल तैयार करें.
- कोडिंग में निपुणता हासिल करें.
- मशीन लर्निंग कोर्स ज्वाइन करें.
- मशीन लर्निंग प्रोजेक्ट को पूरा करें.
- डेटा लर्निंग एक्विजिशन को सुधारें.
- ऑनलाइन मशीन लर्निंग कम्युनिटी में एक्टिव मेंबर बनें.
- मशीन लर्निंग इंटर्नशिप के लिए आवेदन करें.
- मशीन लर्निंग इंटरव्यू की तैयारी करें.

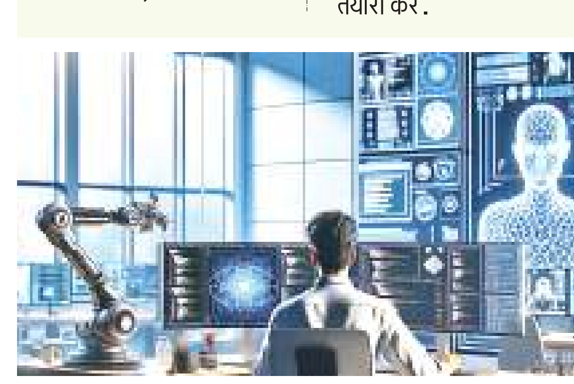

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)